@saahassamachar @saahassamachar @saahassamachar

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

राष्ट्रीय संस्करण

साहस समाचार

निष्पक्ष, निर्भीक, बेबाक

नई दिल्ली, शनिवार, 28 फरवरी 2026, वर्ष-1, अंक-116, पृष्ठ-8, मूल्य-2 रुपए RNI No-DLHIN/25/A2841 www.saahassamachar.in

तापसी पन्नू ने फैंस से की गुजारिश...पेज 8

अरविंद केजरीवाल और सिसोदिया आबकारी नीति मामले में आरोपमुक्त

केजरीवाल इस मामले में छह महीने जेल में रहे थे, वहीं सिसोदिया लगभग दो साल जेल में रहे

नई दिल्ली, एजेंसी।

दिल्ली की एक अदालत ने केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को न्यायिक जांच में बिल्कुल भी खरा नहीं उतरने वाला मामला आगे बढ़ाने के लिए शुक्रवार को कड़ी फटकार लगाई तथा पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और 21 अन्य को आबकारी नीति मामले में आरोपमुक्त कर दिया।

मामले में आरोपमुक्त किये गए लोगों में तेलंगाना जागृति की प्रमुख के. कविता भी शामिल हैं।

विशेष न्यायाधीश जितेंद्र सिंह द्वारा फैसला सुनाये जाने के कुछ घंटों बाद, सीबीआई ने दिल्ली उच्च न्यायालय में इसे चुनौती देते हुए अपील दायर की। निचली अदालत द्वारा जांच एजेंसी की कड़ी आलोचना किये जाने के जवाब में सीबीआई के प्रवक्ता ने कहा कि जांच के कई पहलुओं को या तो नजरअंदाज किया गया या उन पर पर्याप्त रूप से विचार नहीं किया गया। इस मामले ने केजरीवाल को लगभग राजनीतिक रूप से हाशिए पर धकेल दिया था और अदालत के फैसले में 'क्लीन चिट' मिलने की खबर आते ही उन्होंने राहत महसूस की।

आरोपमुक्त होने पर भावुक नजर आ रहे केजरीवाल ने कहा कि उनके खिलाफ भ्रष्टाचार का मामला स्वतंत्र भारत के इतिहास की सबसे बड़ी राजनीतिक साजिश थी। दिल्ली के तीन बार मुख्यमंत्री रह चुके केजरीवाल ने कहा, ''अदालत ने साबित कर दिया है कि केजरीवाल, मनीष सिसोदिया और आम आदमी पार्टी 'कट्टर ईमानदार' हैं।

दिन में, बाद में उन्होंने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि वह प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा दर्ज किये गए मामलों में भी आरोपमुक्त होने के लिए अदालत में अर्जी दायर करेंगे। केजरीवाल इस मामले में छह महीने जेल में रहे थे, वहीं सिसोदिया लगभग दो साल जेल में रहे।

सीबीआई पूर्ववर्ती आम आदमी पार्टी (आप) सरकार की आबकारी नीति (अब रद्द हो चुकी) तैयार किये जाने और इसके कार्यान्वयन में कथित भ्रष्टाचार की जांच कर रही है।

दिल्ली की अदालत ने केंद्रीय जांच एजेंसी की कड़ी आलोचना की।

न्यायमूर्ति सिंह ने कहा, आरोपपत्र में आंतरिक विरोधाभास हैं, जो षड्यंत्र के सिद्धांत की जड़ पर प्रहार करते हैं। आबकारी नीति में किसी भी प्रकार के व्यापक षड्यंत्र या आपराधिक मंशा न पाते हुए अदालत ने कहा, सीबीआई द्वारा पेश किया गया मामला न्यायिक जांच में बिल्कुल भी खरा नहीं उतरा है और पूरी तरह से निराधार है।

अदालत ने 598 पृष्ठों के अपने फैसले में कहा, ऐसा लगता है कि जांच पूर्वनिर्धारित दिशा में आगे बढ़ी, जिसमें आबकारी नीति के निर्माण या कार्यान्वयन से जुड़े लगभग हर व्यक्ति को फंसाया गया ताकि एक कमजोर विमर्श को गहराई और विश्वसनीयता का भ्रमजाल बनाया जा सके। न्यायाधीश के अनुसार, किसी भी सबूत के अभाव में, केजरीवाल के खिलाफ आरोप टिक नहीं सकते और पूर्व मुख्यमंत्री को बिना किसी ठोस सबूत के फंसाया गया है। न्यायाधीश ने कहा कि यह कानून के शासन के विरुद्ध है। उन्होंने कहा कि इस अदालत को यह मानने में कोई हिचक नहीं है कि रिकॉर्ड पर रखे गए साक्ष्य से किसी भी आरोपी व्यक्ति के विरुद्ध प्रथम दृष्टया मामला तक नहीं बनता, गंभीर संदेह तो दूर की बात है। न्यायाधीश ने कहा कि ऐसे आरोपों को गोवा विधानसभा चुनावों से जोड़ना, कथित अपराध की आय को छिपाने, उसका हेरफेर करने और उसका इस्तेमाल करने का प्रयास कानूनी रूप से मान्य साक्ष्यों के बजाय अनुमान और पूर्वधारणाओं पर अधिक आधारित है।

उन्होंने कहा, एक बार जब यह साबित हो जाता है कि (आबकारी) नीति का निर्माण विचार-विमर्श, संस्थागत जांच-पड़ताल और प्रक्रियात्मक अनुपालन का परिणाम है, तो इसके कार्यान्वयन को अपराध घोषित करने का कोई भी प्रयास पूरी तरह निराधार हो जाता है।

न्यायाधीश ने कहा कि मामले की बुनियाद ही - अग्रिम भुगतान और उसकी कथित वसूली का आरोप - पूरी तरह से कमजोर है। अदालत के फैसले में कहा गया है, किसी दोषपूर्ण नीति या स्पष्ट रूप से गैरकानूनी कार्यान्वयन के अभाव में, अभियोजन पक्ष का सिद्धांत केवल अनुमान मात्र रह जाता है। वैध रूप से तैयार और कानूनी रूप से कार्यान्वित नीति से व्यावसायिक लाभ प्राप्त करने की कोशिश करने वाले निजी व्यक्तियों को आपराधिक मुकदमे की कठोरता का सामना करने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता। इसमें कहा गया है, हालांकि, उपराज्यपाल से सुझाव प्राप्त करना अनिवार्य करने वाला कोई वैधानिक या संवैधानिक प्रावधान नहीं था, फिर भी फाइल नोटिंग से स्पष्ट रूप से पता चलता है कि ऐसे सुझाव मांगे गए, उनकी जांच की गई और उन्हें शामिल किया गया।

तिसरी तिमाही में जीडीपी 7.6 प्रतिशत रही

नई दिल्ली, एजेंसी। चालू वित्त वर्ष के लिए देश की आर्थिक वृद्धि दर के अनुमान को 7.4 प्रतिशत से बढ़ाकर 7.6 प्रतिशत कर दिया गया है।

आधार वर्ष में बदलाव और गणना पद्धति में संशोधन के बाद जीडीपी वृद्धि दर के अनुमान को बढ़ाया गया है। शुक्रवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों से यह जानकारी मिली।

सांख्यिकी एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय ने 2022-23 को नया आधार वर्ष बनाते हुए वार्षिक और तिमाही राष्ट्रीय लेखा अनुमान की नई श्रृंखला जारी की। इससे पहले आधार वर्ष 2011-12 था। यह सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) श्रृंखला के आधार वर्ष में नौवां संशोधन है।

राष्ट्रपति मुर्मू ने स्वदेशी हेलीकॉप्टर प्रचंड में उड़ान भरी

जयपुर, एजेंसी।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को राजस्थान के जैसलमेर जिले में भारत-पाक सीमा के पास स्वदेशी हल्के लड़ाकू हेलीकॉप्टर (एलसीएच) 'प्रचंड' में उड़ान भरी।

भारतीय सेना की सर्वोच्च कमांडर राष्ट्रपति मुर्मू ने 'आलिव ग्रीन' रंग की वर्दी और हेलमेट पहन 'प्रचंड' में बतौर 'सह-पायलट' उड़ान भरी। आधिकारिक बयान के अनुसार यह मिशन दो विमानों के 'एलसीएच फॉर्मेशन' के रूप में क्रियान्वित किया गया। राष्ट्रपति मुर्मु ने ग्रुप कैप्टन नयन शांतिलाल बहुआ के साथ पहले विमान में उड़ान भरी जबकि वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह और ग्रुप कैप्टन ए महेंद्र दूसरे विमान में नंबर दो के रूप में सवार थे। लगभग 25 मिनट के इस मिशन के दौरान, उन्होंने गडिसर झील और जैसलमेर किले के ऊपर से उड़ान भरी और एक टैंक लक्ष्य पर हमला किया। उन्होंने उड़ान के दौरान दिए अपने संदेश में 'प्रचंड' को आत्मनिर्भरता का सशक्त प्रतीक बताया। उन्होंने कहा, प्रचंड हेलीकॉप्टर आत्मनिर्भरता का प्रबल प्रतीक है। इस समय मैं जैसलमेर के प्रसिद्ध किले के ऊपर से उड़ान भर रही हूं।

भारी बिकवाली से शेयर बाजार धड़ाम

मुंबई, एजेंसी।

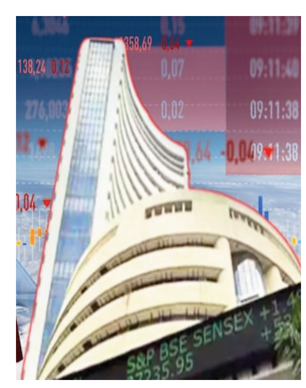

कमजोर वैश्विक रुझानों, विदेशी पूंजी की ताजा निकासी और बढ़ते भू-राजनीतिक तनावों के बीच शुक्रवार को घरेलू शेयर बाजार बड़ी गिरावट के साथ बंद हुए। सेंसेक्स 961 अंक टूटा जबकि निफ्टी 318 अंक लुढ़क गया।

विश्लेषकों ने कहा कि अमेरिका-ईरान परमाणु वार्ता में प्रगति न होने से पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने की आशंका से निवेशक धारणा प्रभावित हुई।

बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक 961.42 अंक यानी 1.17 प्रतिशत लुढ़ककर 81,287.19 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 1,089.46 अंक यानी 1.32 प्रतिशत तक गिरकर 81,159.15 अंक पर आ गया था। इसी तरह, एनएसई का 50 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक निफ्टी 317.90 अंक यानी 1.25 प्रतिशत गिरकर 25,178.65 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में से सन फार्मा, भारती एयरटेल, बजाज फिनसर्व, इंटरग्लोब एविएशन (इंडिगो), महिंद्रा एंड महिंद्रा और मारुति सुजुकी प्रमुख रूप से नुकसान में रहे।

दूसरी तरफ, एचसीएल टेक, ट्रेंट, इन्फोसिस और इटर्नल के शेयर बढ़त के साथ बंद हुए। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने बृहस्पतिवार को 3,465.99 करोड़ रुपये के शेयर बेचे, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 5,031.57 करोड़ रुपये की खरीदारी की। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, कमजोर वैश्विक संकेतों और भू-राजनीतिक जोखिमों के कारण बाजारों में सतर्कता का माहौल है। कृत्रिम मेधा (एआई) से जुड़ी वैश्विक अनिश्चितताओं ने भी सुरक्षित निवेश विकल्पों की मांग को समर्थन दिया। घरेलू स्तर पर ताजा सकारात्मक कारकों के अभाव में वैश्विक व्यापक आर्थिक कारक हावी हो रहे हैं।

एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी सूचकांक करीब एक प्रतिशत गिरा, जबकि जापान का निक्की, चीन का शंघाई कंपोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग बढ़त में रहे। यूरोपीय बाजार मिले-जुले रुख में कारोबार कर रहे थे।

सार समाचार

अत्यंत छोटी दूरी की हवाई रक्षा प्रणाली का सफल परीक्षण

नई दिल्ली,एजेंसी। रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) ने अत्यंत छोटी दूरी की हवाई रक्षा प्रणाली के लगातार तीन सफल उड़ान परीक्षण किए हैं। रक्षा मंत्रालय ने शुक्रवार देर रात बताया कि ये परीक्षण ओडिशा स्थित एकीकृत परीक्षण रेंज में किए गए। इन परीक्षणों का उद्देश्य अलग-अलग गति दूरी और ऊंचाई पर तेज गति से उड़ने वाले लक्ष्यों को निशाना बनाने की मिसाइल की क्षमता को जांचना था। सभी फ्लाइट-टेस्ट के दौरान, मिसाइलों ने अलग-अलग खतरे के हालात में दुश्मन के विमान की नकल करते हुए हाई-स्पीड हवाई टारगेट को इंटरसेप्ट किया और नष्ट कर दिया।

ये परीक्षण फाइनल डिप्लॉयमेंट कॉन्फ़िगरेशन में किए गए, जहाँ फील्ड ऑपरेटरों ने टारगेट हासिल किया और मिसाइल फायरिंग की। यह हवाई रक्षा प्रणाली पूरी तरह पोर्टेबल है और इसे डीआरडीओ की विभिन्न प्रयोगशाला के सहयोग से विकसित किया गया है।

द्रमुक में शामिल हुए ओ पन्नीरसेल्वम

चेन्नई,एजेंसी। तमिलनाडु के तीन बार मुख्यमंत्री रह चुके ओ पन्नीरसेल्वम (ओपीएस) राज्य विधानसभा चुनावों से पहले सत्ताधारी द्रमुक में शामिल हो गए। श्री ओपीएस ने द्रमुक में शामिल होते ही अन्नाद्रमुक नेता एडप्पाई के पलानीस्वामी पर निशाना साधते हुए उन्हें तानाशाह बताया और कहा कि वह इसके बाद कभी चुनावी जीत का स्वाद नहीं चख पाएंगे। ओपीएस ने द्रमुक में शामिल होने के बाद पार्टी मुख्यालय 'अन्ना अरिवालयम' के बाहर कहा कि श्री स्टालिन के अच्छे शासन को देखते हुए वह द्रमुक में शामिल होकर बहुत खुश हैं और उनका फैसला किसी मजबूरी या दबाव में नहीं है बल्कि सोच-समझकर लिया गया है।

कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी मुंबई पहुंचे

मुंबई,एजेंसी। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी अपने पहले आधिकारिक भारत दौरे पर शुक्रवार को मुंबई पहुंचे। अगले दो दिनों में उनकी भारतीय और कनाडा के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों, उद्योग विशेषज्ञों, अन्वेषकों, शिक्षाविदों और पेंशन निधि निवेश प्रतिनिधियों से मिलने का कार्यक्रम है। कार्नी दो मार्च को नयी दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ द्विपक्षीय बातचीत करेंगे। यह 10 महीनों में कार्नी और श्री मोदी के बीच तीसरी बैठक होगी, जो भारत-कनाडा रिश्तों को बेहतर बनाने की कोशिशों को प्रदर्शित करती है।

दिल्ली में पिछले तीन वर्षों में फरवरी महीना सबसे गर्म

नई दिल्ली, एजेंसी।

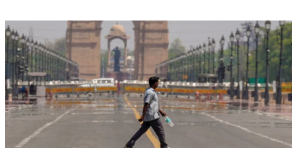

दिल्ली में पिछले तीन वर्षों में फरवरी का महीना सबसे गर्म दर्ज किया गया, जहां औसतन अधिकतम तापमान 26.9 डिग्री सेल्सियस रहा। मौसम विज्ञान विभाग ने इसकी जानकारी दी। शुक्रवार को सफदरजंग में तापमान 31.9 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। आज इस महीने का सबसे गर्म दिन दर्ज किया गया। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के आंकड़ों के अनुसार, फरवरी में औसत अधिकतम तापमान इससे अधिक आखिरी बार 2023 में दर्ज किया गया था, उस वक्त यह आंकड़ा 28.2 डिग्री सेल्सियस था।

पिछले वर्ष औसत अधिकतम तापमान 26.7 डिग्री सेल्सियस और 2024 में 24.4 डिग्री सेल्सियस था। इस वर्ष फरवरी में औसत न्यूनतम तापमान 11.6 डिग्री सेल्सियस रहा। सफदरजंग में न्यूनतम तापमान 13.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 0.6 डिग्री अधिक था, जबकि लोधी रोड में 12.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 1.8 डिग्री अधिक था। रिज स्टेशन पर न्यूनतम तापमान 14.2 डिग्री सेल्सियस और आयानगर में 13.2 डिग्री सेल्सियस रहा। इस बीच, शुक्रवार को 24 घंटे का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 200 रहा, जो 'मध्यम' श्रेणी में आता है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के समीर ऐप के अनुसार, शाम के समय 22 निगरानी स्टेशनों ने वायु गुणवत्ता 'मध्यम' श्रेणी में दर्ज की।

शरद पवार अस्पताल में भर्ती, हालत स्थिर

मुंबई,एजेंसी। एनसीपी (शरद पवार) के अध्यक्ष और पूर्व केंद्रीय मंत्री शरद पवार को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वह ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती हैं, जहां उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। मिली जानकारी के अनुसार, शरद पवार मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में एडमिट हैं। डॉक्टर उनकी निगरानी कर रहे हैं। उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने सोशल मीडिया पर जानकारी दी कि शरद पवार की हालत स्थिर है। उन्होंने उनसे मुलाकात की है। उन्होंने बताया कि इस मुलाकात के दौरान कई मुद्दों पर चर्चा भी हुई। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर संजय राउत ने लिखा है कि आज मैंने देश के वरिष्ठ नेता शरद पवार से ब्रीच कैंडी अस्पताल में मुलाकात की।

अविमुक्तेश्वरानंद की गिरफ्तारी पर रोक

प्रयागराज/वाराणसी, एजेंसी।

इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने बटुकों के कथित यौन शोषण मामले में स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती की गिरफ्तारी पर शुक्रवार को रोक लगा दी और कहा कि निर्णय आने तक उन्हें गिरफ्तार नहीं किया जाएगा। न्यायमूर्ति जितेंद्र कुमार सिन्हा ने स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती की ओर से दायर अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश दिया।

अदालत ने राज्य सरकार एवं मुकदमा के वादी आशुतोष पांडेय को इस मामले में अपने जवाब दाखिल करने को कहा।

अदालत ने अग्रिम जमानत याचिका पर अपना निर्णय सुरक्षित रख लिया जिसके मार्च के तीसरे सप्ताह में सुनाए जाने की संभावना है।

अदालत ने कहा कि याचिकाकर्ता इस मामले की जांच में पुलिस का सहयोग करेंगे। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के अधिवक्ता दिलीप गुप्ता ने कहा कि शिकायतकर्ता आशुतोष पांडेय काई आपराधिक मामलो में लिप्त रहे हैं और याचिकाकर्ता को राज्य सरकार के इशारे पर इस मामले में झूठा फंसाया गया है। उन्होंने कहा कि पीड़ित बटुक स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के आश्रम में कभी नहीं रहे।

वहीं, दूसरी ओर राज्य सरकार की ओर से अग्रिम जमानत की याचिका की पोषणीयता पर यह कहते हुए सवाल किया गया कि अग्रिम जमानत याचिका सत्र अदालत में दायर करने के बजाय सीधे उच्च न्यायालय में दायर की गई है। इस बीच, उच्च न्यायालय का यह फैसला आने के बाद वाराणसी स्थित श्री विद्या मठ में स्वामी के शिष्यों और भक्तों ने एक दूसरे को मिठाई खिलाकर न्यायलय के इस फैसले पर अपनी ख़ुशी जताई।

वाराणसी में अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने कहा, न्यायालय में हमारे अधिवक्ताओं ने कहा कि यह बच्चे हमारे यहां रहे ही नहीं। बच्चे भी क़ह रहे कि वे हमारे यहां नहीं बल्कि जोशी मठ में रहे हैं। उन्होंने कहा, यह मुकदमा झूठा बनाया गया है। मुझे न्याय की उम्मीद हमेशा से रही है। हमारे वकीलों ने उच्च न्यायालय में अपनी बात रखी। बटुक कभी आश्रम में रहे ही नहीं है। इस घटना से पूरा हिन्दू समुदाय आहत था। न्यायालय के फैसले का हम स्वागत करते है।

मुकदमा के वादी आशुतोष पांडेय ने कहा, यह (गिरफ्तारी पर रोक) न्यायालय का अंतिम निर्णय नहीं है, अंतिम निर्णय आना बाकी है। हमें उम्मीद है कि मासूम बटुकों को न्याय मिलेगा। हम उच्च न्यायालय में हलफनामा और साक्ष्य प्रस्तुत करेंगे। उल्लेखनीय है कि प्रयागराज की विशेष पॉक्सो अदालत के निर्देश पर झूंसी पुलिस थाना में स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई जिसमें उन पर बटुकों के साथ यौन शोषण का आरोप लगाया गया है।

पाकिस्तान द्वारा ये हमले अफगान तालिबान के सीमा पार हमले के जवाब में किये गये

पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के खिलाफ छेड़ी जंग

इस्लामाबाद, एजेंसी।

पाकिस्तान ने शुक्रवार को कहा कि अफगानिस्तान के खिलाफ खुली जंग जारी है और उसकी सेनाओं के हवाई हमलों में 270 से अधिक तालिबान लड़ाकें मारे गये और 400 से अधिक घायल हो गये।

पाकिस्तान द्वारा ये हमले अफगान तालिबान के सीमा पार हमले के जवाब में किये गये।

इस बीच अफगानिस्तान में तालिबान सरकार के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने कहा कि अफगान बलों ने 55 पाकिस्तानी सैनिकों को मार गिराया और पाकिस्तान के अंदर उन ठिकानों को निशाना बनाया जिन्हें उन्होंने महत्वपूर्ण सैन्य लक्ष्य बताया। पाकिस्तानी सेना द्वारा बृहस्पतिवार देर रात 'ऑपरेशन गजब-लिल-हक' के तहत अफगानिस्तान में कई स्थानों पर हमले शुरू करने के कुछ घंटों बाद उनकी यह टिप्पणी आई। पाकिस्तानी सेना ने दावा किया है कि सीमा पार से बिना उकसावे के गोलीबारी के जवाब में पाकिस्तानी सेना ने ये हमले किए थे।

दोनों देशों के बीच 2,611 किलोमीटर लंबी सीमा को 'डूरंड रेखा' कहा जाता है, जिसे अफगानिस्तान औपचारिक रूप से मान्यता नहीं देता।

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने कहा कि हमारे देश का धैर्य अब जवाब दे चुका है और अब अफगानिस्तान के खिलाफ खुली जंग जारी है। आसिफ ने 'एक्स' पर कहा,

हमारे देश का धैर्य अब जवाब दे चुका है और अब अफगानिस्तान के खिलाफ खुली जंग जारी है...अब होगा 'दमा दम मस्त कलंदर'। पाकिस्तान की सेना समुद्र पार से नहीं आई है। हम आपके पड़ोसी हैं; हम आपके हर कोने से वाकिफ हैं।

'दमा दम मस्त कलंदर' सिंधी सूफी संत लाल शहबाज कलंदर से जुड़ा एक आध्यात्मिक गीत है।

सेना के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी ने कहा कि पाकिस्तानी सेना ने 274 तालिबान लड़ाकों को मार गिराया जबकि 400 अन्य घायल हो गये। उन्होंने कहा कि इस कार्रवाई में बारह पाकिस्तानी सैनिक मारे गए जबकि 27 अन्य घायल हो गए और एक लापता हो गया। चौधरी ने बताया कि प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने रावलपिंडी स्थित पाकिस्तानी सेना के केंद्रीय कमान और नियंत्रण केंद्र 'जनरल हेडक्वार्टर' का दौरा किया, जहां उन्हें मौजूदा स्थिति के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई।

प्रवक्ता ने कहा कि पाकिस्तान ने सीमा के निकट स्थित 73 अफगान चौकियों को नष्ट कर दिया, जबकि 18 अन्य चौकियों पर कब्जा कर लिया, जो हमारे कब्जे में हैं। उन्होंने कहा कि एक अनुमान के अनुसार कम से कम 115 टैंक, बख्तरबंद वाहन और तोप नष्ट हो गईं। उन्होंने कहा कि काबुल, कंधार, पक्तिया, खोस्त और लघमान में 22 स्थानों पर लड़ाकू विमानों द्वारा किए गए हमलों में अफगान तालिबान कोर मुख्यालय, ब्रिगेड मुख्यालय, बटालियन मुख्यालय और हथियार डिपो भी नष्ट हो गए। तालिबान सरकार के प्रवक्ता मुजाहिद ने कहा कि हाल के हमलों का मकसद यह स्पष्ट संदेश देना था कि हम कड़ी जवाबी कार्रवाई करने में सक्षम हैं और साथ ही यह भी कहा कि पाकिस्तान द्वारा किसी भी दुर्भावनापूर्ण कृत्य का जवाब इस्लामाबाद में दिया जायेगा। मुजाहिद ने बताया कि पिछली रात की जवाबी कार्रवाई के दौरान पाकिस्तानी सेना की 19 चौकियों और दो मुख्यालयों पर कब्जा कर लिया गया।

भारत और इटली ने रक्षा उद्योग साझेदारी को बढाने की प्रतिबद्धता दोहराई

नई दिल्ली, एजेंसी।

भारत और इटली ने मजबूत रक्षा आपूर्ति श्रृंखलाओं के निर्माण के लिए उद्योग साझेदारी को बढ़ावा देने की साझा प्रतिबद्धता को दोहराया है। रक्षा मंत्रालय ने शुक्रवार को यहां बताया कि इटली की दो दिन की यात्रा पर गये रक्षा उत्पादन सचिव संजीव कुमार ने इटली के रक्षा उप सचिव माटेओ पेरेगो डि क्रेमनागो से मुलाकात की।

बातचीत के दौरान उन्होंने रक्षा खरीद के लिए नीतिगत ढांचे, प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) के मानदंडों और भारत के रक्षा गलियारों का उल्लेख किया कुमार ने इसके अलावा राष्ट्रीय आयुध निदेशक एडमिरल जियासिंटो ओटावियानी और इतालवी रक्षा बलों के प्रमुख जनरल लुसियानो पोर्टोलानो के साथ महत्वपूर्ण बैठकें कीं। इटली के रक्षा उप सचिव के साथ हुई बैठक में दोनों देशों ने अपनी-अपनी मजबूत रक्षा आपूर्ति श्रृंखलाओं के लिए उद्योग जगत के बीच साझेदारी को प्रोत्साहित करने की साझा प्रतिबद्धता को पुनः दोहराया। राष्ट्रीय आयुध निदेशक और इतालवी रक्षा बलों के प्रमुख के साथ हुई बैठकों के दौरान, दोनों पक्षों ने रक्षा सहयोग को द्विपक्षीय रणनीतिक साझेदारी का एक प्रमुख स्तंभ बताया।

1.56 करोड़ की सौदेबाजी में धोखाधड़ी का आरोप, दर्ज होगा मुकदमा

अदालत ने पीड़ित महेश कुमार पंवार के प्रार्थना पत्र को स्वीकार करते हुए थाना सेक्टर-39 को मुकदमा दर्ज कर जांच के निर्देश दिए हैं।

ग्रेटर नोएडा,एजेंसी।

रियल एस्टेट डील में कथित तौर पर 1 करोड़ 56 लाख रुपये की धोखाधड़ी के मामले में न्यायालय ने सख्त रुख अपनाया है। द्वितीय अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत ने पीड़ित महेश कुमार पंवार के प्रार्थना पत्र को स्वीकार करते हुए थाना सेक्टर-39 को मुकदमा दर्ज कर जांच के निर्देश दिए हैं। पीड़ित महेश कुमार पंवार का कहना है कि वह मैसर्स महावीर हनुमान डेवलपमेंट प्राइवेट लिमिटेड और मैसर्स केसरी नंदन प्रोजेक्ट प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर/अधिकृत प्रतिनिधि हैं।

उनके अनुसार रतन सिंह वर्ष 2008 से 2023 तक उनकी कंपनी में कार्यरत रहा और उसे बागपत जिले के गांव सुभानपुर खादर की कृषि भूमि खरीदवाने की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। भूमि अनुसूचित जाति के काश्तकारों की थी, जिसके कारण कंपनी के नाम सीधे बैनामा कराने में कानूनी विधिक अड़चनें थीं। रतन सिंह ने स्वयं को सक्षम प्राधिकारी से अनुमति प्राप्त कर कंपनी के हित में बैनामा कराने का आश्वासन दिया और किसानों से बातचीत कर भूमि विक्रय के लिए राजी किया।

कंपनी के अनुसार, 25 फरवरी 2008 से 24 अगस्त 2012 के बीच नोएडा सेक्टर-50 स्थित नैनीताल बैंक के खाते से रतन सिंह के खाते में कुल 74,80,500 रुपये ट्रांसफर किए गए। इसके अतिरिक्त 6 फरवरी 2008 से 16 अगस्त 2012 के बीच भूमि क्रय के लिए 81,19,300 रुपये नकद दिए गए। इस प्रकार कुल 1.56 करोड़ रुपये की राशि रतन सिंह को दी गई। उक्त धनराशि से लगभग 45 बीघा कृषि भूमि खरीदी गई। मगर विक्रय पत्र रतन सिंह के नाम कराए गए।

हालांकि 25 मार्च 2019 को रतन सिंह ने महेश कुमार पंवार के पक्ष में विक्रय संधि, शपथ पत्र तथा मुख्तारेआम करा यह स्वीकार किया कि भूमि का पूरा प्रतिफल कंपनी द्वारा अदा किया गया है और वास्तविक अधिकार कंपनी के हैं। मगर बाद में रतन सिंह ने षड्यंत्र के तहत 25 मार्च 2019 को करा मुख्तारेआम निरस्त करा दिया और कंपनी से 50 लाख से लेकर एक करोड़ रुपये तक की अवैध मांग करने लगा। विरोध करने पर जमीन को किसी अन्य के नाम बेचने और अंजाम भुगतने की धमकी देने का भी आरोप लगाया गया है। एक भूमि का सात मई 2024 को एक लाख रुपये में किसी अन्य व्यक्ति से सौदा कर लिया गया और संबंधित भूमि अपने बेटे मनोज कुमार के नाम हस्तांतरित कर दी गई, जबकि समस्त मूल रजिस्ट्री और दस्तावेज कंपनी के पास हैं। इस पूरे मामले में अब कोर्ट ने मुकदमा दर्ज करने के आदेश दिए हैं।

सॉफ्टवेयर डेवलपर पर 12 लाख रुपए हड़पने का आरोप

नोएडा,एजेंसी।

कंपनी प्रबंधन ने भरोसे का गलत फायदा उठाकर 12 लाख रुपये से ज्यादा की रकम हड़पने और डाटा अपने कब्जे में लेने के आरोप में सॉफ्टवेयर डेवलपर के खिलाफ साइबर क्राइम थाने में केस दर्ज कराया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। ललित अग्रवाल ने पुलिस को शिकायत दी कि उसकी कंपनी ने साल 2017 में रवि राज को अपने सर्वर, ईआरपी सिस्टम, वेबसाइट और अन्य डिजिटल कामकाज की देखरेख के लिए नियुक्त किया। उसे कंपनी के सर्वर, बैकएंड डाटा, सोर्स कोड और वेबसाइट कंट्रोल पैनल तक पूरा एडमिन एक्सेस दिया गया।

एक लैपटॉप भी आधिकारिक काम के लिए दिया गया। आरोप है कि जुलाई 2025 के पहले हफ्ते में पता चला कि रवि राज ने बिना अनुमति कंपनी के सर्वर और डाटा तक पहुंच बनाई और उस पर नियंत्रण कर लिया। इससे कंपनी का एडमिन एक्सेस बंद हो गया और कामकाज प्रभावित होने लगा। कंपनी ने उससे सभी पासवर्ड, सोर्स कोड और कंट्रोल वापस देने को कहा तो उसने मना कर दिया और बदले में रुपये की मांग करने लगा।

कंपनी को मजबूरी में उसकी मांग पूरी करनी पड़ी। बाद में भी वह सिस्टम ठीक करने और डाटा वापस देने के नाम पर अलग-अलग माध्यमों से रुपये लेता रहा। कंपनी के अनुसार उसे नगद, चेक और यूपीआई के जरिए कुल 12 लाख 21 हजार 628 रुपये का भुगतान किया गया। इसके बावजूद सिस्टम पूरी तरह से बहाल नहीं किया गया। आरोपी ने कंपनी का लैपटॉप भी बार-बार मांगने के बाद वापस नहीं किया। शिकायतकर्ता ने पुलिस से मांग की है कि आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की जाए। कंपनी का सर्वर, ईआरपी सिस्टम और सोर्स कोड सुरक्षित कर वापस दिलाया जाए तथा हड़पी गई रकम की रिकवरी कराई जाए। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि सभी बैंक लेनदेन और तकनीकी साक्ष्यों की जांच की जा रही है।

ईंट भट्ठों का नहीं हुआ सत्यापन, लोगों ने की जांच की मांग

पुन्हाना,एजेंसी।

वायु प्रदूषण के चलते कई महिनों से बंद ईंट भट्ठे शुरू हो चुके है, लेकिन निर्धारित नियमों के अनुसार अब तक भट्ठों का प्रशासनिक सत्यापन नहीं होने से सवाल खड़े हो गए हैं। 28 फरवरी से ईंट पकाने का कार्य शुरू होना है और भट्ठा संचालकों ने इसकी तैयारियां लगभग पूरी कर ली हैं। ऐसे में क्षेत्र के लोगों ने जिला प्रशासन से शीघ्र जांच कराने की मांग उठाई है।बताया जा रहा है कि जिले में सबसे अधिक ईंट भट्ठे पुन्हाना क्षेत्र में संचालित हैं। अकेले पुन्हाना में 50 से अधिक भट्ठे चल रहे हैं।

आरोप है कि इनमें से कई भट्ठे निर्धारित मानकों को पूरा नहीं कर रहे। कुछ भट्ठे प्रदूषण नियंत्रण विभाग और अन्य संबंधित विभागों से आवश्यक अनुमति लिए बिना ही संचालित हो रहे हैं। इसके अलावा खनन विभाग द्वारा भी अब तक यह सत्यापन नहीं किया गया है कि भट्ठों के लिए कितनी मात्रा में मिट्टी का खनन किया गया है। स्थानीय निवासी जाहिद, याहयाह, मुजीबुर्रहमान, अभय, वसीम आदि का कहना है कि कई ईंट भट्ठे गांव की आबादी के बिल्कुल समीप स्थापित हैं, जिससे प्रदूषण की समस्या बढ़ रही है।

भट्ठों से निकलने वाला धुआं और राख आसपास की खड़ी फसलों को नुकसान पहुंचा रहे हैं। कई बार ग्रामीणों ने इसका विरोध भी किया, लेकिन समाधान नहीं निकल सका। हालांकि समय-समय पर मुख्यमंत्री उड़नदस्ता टीम द्वारा छापेमारी कर कुछ भट्ठों को बंद कराया जाता है, लेकिन कुछ दिनों बाद वे फिर से संचालित होने लगते हैं। क्षेत्रवासियों का कहना है कि विभागों को इसकी जानकारी होने के बावजूद प्रभावी कार्रवाई नहीं की जाती।

स्थानीय लोगों ने मांग की है कि ईट भट्ठे शुरू होने से पहले सभी ईंट भट्ठों का भौतिक सत्यापन कराया जाए, ताकि अवैध रूप से संचालित भट्ठों पर कार्रवाई सुनिश्चित हो सके और पर्यावरण व राजस्व दोनों की सुरक्षा हो सके। वहीं इस संबंध में जब नूंह की डीएफएससी सीमा शर्मा से बात की तो उन्होंने बताया की उन्हें इसके बारे में जानकारी नहीं है। वो बाहर है, कार्यालय से पता कर ही इसके बारे में बता पाएंगी।

चार सेक्टरों में जलभराव से निजात की तैयारी

फरीदाबाद,एजेंसी।

बरसात में जलभराव की समस्या से जूझ रहे लोगों को राहत की खबर है। नगर निगम की ओर से वार्ड-37 के अंतर्गत सेक्टर-9, सेक्टर-10, सेक्टर-11 और ओल्ड फरीदाबाद के कुछ हिस्सों में नई स्टॉर्म वाटर लाइन बिछाने की योजना तैयार की गई है। इसके लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी गई है, अगले माह से काम चालू होने की उम्मीद है। बारिश के दौरान हर साल ओल्ड फरीदाबाद मार्केट स्थित पथवारी मंदिर और सेक्टर 9 से 11 में सड़कों और मकानों के सामने पानी भर जाता है, जिससे लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। लोगों की बढ़ती परेशानी को देखते हुए नगर निगम ने अभी से तैयारियां शुरू कर दी है।

इसके तहत सेक्टर-11 में मकान नंबर डी-129 से सी-138, सेक्टर-10 में मकान नंबर एफ-27 से एफ-28 व सेक्टर-9 में मकान नंबर 1378 से 1260 के आसपास स्टॉर्म वाटर लाइन डाली जाएगी। इसके अलावा ओल्ड फरीदाबाद के कुछ जलभराव प्रभावित हिस्सों को भी योजना में शामिल किया गया है। इस कार्य को चार माह में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। अधिकारियों का कहना है कि समय पर कार्य पूरा करने के लिए ठेकेदार को स्पष्ट निर्देश दिए जाएंगे, ताकि बरसात शुरू होने से पहले प्रमुख हिस्सों में जल निकासी की व्यवस्था दुरुस्त हो सके। नगर निगम के कार्यकारी अभियंता संजीव कुमार ने कहा कि नई स्टॉर्म वाटर लाइन बिछने के बाद वर्षा जल की निकासी सुचारु रूप से हो सकेगी और सड़कों पर पानी जमा होने की समस्या में काफी हद तक कमी आएगी। निगम का दावा है कि यह कार्य क्षेत्र की जल निकासी व्यवस्था को मजबूत करेगा और लोगों को लंबे समय से चली आ रही परेशानी से राहत दिलाएगा।

चाइल्ड केयर होम से पार्क तक बनाया स्काइवॉक

नोएडा,एजेंसी।

फेज-2 स्थित बाल संप्रेषण गृह (चाइल्ड केयर होम) में रह रहे बच्चे खुले आसमान के नीचे खेल सकेंगे। नोएडा अथॉरिटी ने अनोखी पहल करते हुए स्काईवॉक बनाकर पास के पार्क तक सुरक्षित रास्ता तैयार किया है। इस स्काईवॉक के जरिए बच्चे सीधे पार्क में पहुंच सकेंगे और दिनभर खेलकूद का आनंद ले पाएंगे। अब तक बच्चे अधिकतर समय बंद कमरों में ही बिताते थे, जिससे उन्हें खुली धूप और प्राकृतिक वातावरण नहीं मिल पाता था।

नई व्यवस्था के तहत पार्क में ऊंची-ऊंची दीवारें और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं, ताकि बच्चे सुरक्षित माहौल में खेल सकें। स्काईवॉक और पार्क बनकर तैयार है। जल्द ही इसे बच्चों के लिए खोल दिया जाएगा।

घर के बाहर खड़ी कार के पहिये चोरी

गाजियाबाद,एजेंसी।

मधुबन बापूधाम थानाक्षेत्र के संजयनगर सेक्टर-23 में घर के बाहर खड़ी कार से चोर दो पहिये खोलकर ले गए। घटना 24 फरवरी की तड़के करीब साढ़े चार बजे हुई। संजयनगर सेक्टर-23 निवासी ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि उन्होंने रोज की तरह अपनी कार घर के बाहर खड़ी की थी। रात के समय किसी प्रकार की आहट नहीं हुई।

सुबह करीब छह बजे जब वह घर से बाहर निकले तो कार का अगला और पिछला एक-एक पहिये गायब मिला। कार ईंटों के सहारे खड़ी थी। इसके बाद उन्होंने तत्काल डायल 112 पर सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। पीड़ित का कहना है कि क्षेत्र में पहले भी वाहनों के पार्ट्स चोरी होने की घटनाएं सामने आ चुकी हैं। एसीपी कविनगर सूर्यबली मौर्य का कहना है कि मामले में रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

होली पर मिलेगा मालिकाना हक, 3410 फ्लैटों की होगी रजिस्ट्री

ग्रेटर नोएडा,एजेंसी।

ग्रेटर नोएडा और ग्रेनो वेस्ट के करीब 3410 फ्लैट खरीदारों को होली पर मालिकाना हक मिलेगा। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण से 11 आवासीय प्रोजेक्टों में ओसी जारी कर दी है। अब इन योजनाओं में बनाए गए फ्लैटों की रजिस्ट्री का रास्ता खुल गया है। प्राधिकरण ने बिल्डरों से रजिस्ट्री की प्रक्रिया पूरी कराने के निर्देश दिए हैं। इनमें कुछ प्रोजेक्ट में बिल्डर आवासीय उपयोग के लिए कब्जा भी दे चुके हैं हालांकि बकाया भुगतान या तकनीकी कारणों से ओसी जारी नहीं होने से मालिकाना हक नहीं दिया गया था।

खरीदार करीब छह साल से रजिस्ट्री का इंतजार कर रहे थे। प्राधिकरण के एसीईओ सौम्य श्रीवास्तव ने बताया कि बिल्डरों की ओर से जरूरी प्रक्रिया पूरी कराने के बाद ओसी जारी कर दी गई है। अब यहां रजिस्ट्री कराई जा सकती हैं। प्राधिकरण भी इन 3410 खरीदारों को जरूरी सहूलियत देगा जिससे रजिस्ट्री में दिक्कतें नहीं आएं। प्राधिकरण से मिली जानकारी के मुताबिक जिन 11 बहुमंजिला आवासीय प्रोजेक्टों में रजिस्ट्री शुरू कराई गई है।

उनमें से छह प्रोजेक्ट ग्रेनो वेस्ट के सेक्टर-1, सेक्टर-2, टेकजोन-4, सेक्टर-16बी में मौजूद हैं। वहीं बाकी के पांच प्रोजेक्ट ग्रेटर नोएडा के चाई-5, फाई-4, बीटा-2, ईटा-2 सेक्टरों में हैं। अहम है कि इन परियोजनाओं के खरीदार पिछले दिनों सीईओ एनजी रवि कुमार से अपनी शिकायत लेकर भी मिले थे। इसके बाद प्राधिकरण ने बिल्डर्स को बुलाकर दिक्कतों को समझा और रजिस्ट्री शुरू कराने के लिए समाधान तलाशा। कुछ प्रोजेक्टों में कोर्ट में भी वाद प्रचलित थे। कोर्ट से खरीदारों को राहत मिलने से रजिस्ट्री का रास्ता खुलने में मदद मिली है।

साइबर ठगों ने सात लोगों से पौने 10 लाख रुपये ठगे

बल्लभगढ़,एजेंसी।

साइबर ठगों ने अलग-अलग स्थानों पर एक युवती समेत सात लोगों से नौ लाख 44 हजार 545 रुपये की ठगी कर ली। पुलिस ने गुरुवार को पीड़ित लोगों की शिकायत पर साइबर ठगी के मामले दर्ज कर लिए हैं। पुलिस ने मामलों की जांच शुरू कर दी है। सभी मामले अलग-अलग साइबर थानों में दर्ज किए गए हैं। पुलिस के मुताबिक, सेक्टर-8 निवासी पीड़ित व्यक्ति ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 27 जनवरी को उसके व्हाट्सऐप नंबर पर एक कॉल आई।

कॉल करने वाले ने खुद को बैंक के ऋण विभाग से बताया। उसने कहा कि आपका सिविल स्कोर अच्छा है। वह वजह से उन्हें घर खरीदने के लिए 20 लाख रुपये तक का ऋण बिना किसी प्रोसेसिंग फीस के मिल सकता है। ऋण प्रक्रिया के नाम पर आरोपी ने अलग-अलग बैंक खातों में कुल एक लाख 22 हजार रुपये ट्रांसफर करा लिए गए। जब आरोपियों ने और दो लाख रुपये की मांग की तो पीड़ित को ठगी का अहसास हुआ।

वहीं साइबर ठग ने शहीद जवानों के नाम पर मदद मांगने के बहाने एक व्यक्ति से 98 हजार रुपये की साइबर ठगी कर ली। मलेरना रोड निवासी व्यक्ति ने पुलिस को अपनी शिकायत में बताया कि 16 जनवरी को उसके मोबाइल पर एक अंजान मोबाइल नंबर से एक व्यक्ति ने अपने आपको पुणे आर्मी मुख्यालय में कार्यरत बताया। उसने पुलवामा हमले में शहीद हुए जवानों के परिवारों की सहायता के लिए आर्थिक सहयोग कीमांग की। आरोपी ने व्हाट्सऐप पर एक लिंक भेजा और उसमें ब्यौरा भरने को कहा। लिंक खोलते ही उफोन हैक हो गया। कुछ ही देर में उनके बैंक खाते से 98 हजार रुपये निकल गए।

खुले बुस्टर टैंक में डूबने से 11 वर्षीय मासूम की मौत

पलवल,एजेंसी।

शहर के कैलाश नगर क्षेत्र में निर्माणाधीन बुस्टर के खुले पानी के टैंक में गिरकर 11 वर्षीय बच्चे की दर्दनाक मौत हो गई। हादसे के बाद पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई। मामले में कैंप थाना पुलिस ने निर्माण कार्य कर रही दो कंपनियों के खिलाफ लापरवाही का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, मूल रूप से उत्तर प्रदेश के जिला उटावा के करनगंज निवासी रीना पत्नी जगदीश वर्तमान में कैलाश नगर में किराये के मकान में अपने परिवार के साथ रहती हैं।

रीना ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 26 फरवरी की देर रात उनका 11 वर्षीय बेटा शिवम घर से खेलने के लिए निकला था। खेलते समय शिवम पास ही बन रहे गोविंद नगर बूस्टर परिसर में पहुंच गया। वहां पानी के टैंक के ऊपर बने होल पर न तो ढक्कन लगाया गया था और न ही कोई सुरक्षा जाली थी। इसी दौरान शिवम का पैर फिसल गया और वह सीधे खुले टैंक में जा गिरा। पानी अधिक होने के कारण उसकी डूबने से मौके पर ही मौत हो गई।

मृतक की मां रीना ने आरोप लगाया कि उन्होंने कई बार निर्माण कार्य कर रही कंपनियों से टैंक को ढकने की मांग की थी, लेकिन किसी ने इस ओर ध्यान नहीं दिया। अगर समय रहते सुरक्षा इंतजाम किए जाते तो उनके बेटे की जान बच सकती थी। कैंप थाना प्रभारी कृष्ण गोपाल ने शुक्रवार को बताया कि शिकायत के आधार पर हरिओम इंजीनियर मैसर्ज होरिकाम इंजीनियर्स और सिल्पा होरिकाम जेवी हैदराबाद के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

उत्तर प्रदेश की जेल से फरार ईनामी बदमाश पुलिस मुठभेड़ में काबू

गुरुग्राम,एजेंसी।

उत्तर प्रदेश की जेल से फरार 25 हजार रुपये का ईनामी बदमाश गुरुग्राम पुलिस के हत्थे चढ़ गया। पुलिस से मुठभेड़ में वह पकड़ा गया। आरोपी ने पुलिस टीम पर फायरिंग करके जानलेवा हमला किया। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में आरोपी को गोली लगी और वह घायल होकर गिर गया। पुलिस प्रवक्ता संदीप कुमार ने शुक्रवार को बताया कि आरोपी को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस टीम द्वारा घटनास्थल से एक बाइक, एक पिस्टल, एक जिंदा कारतूस व पांच खाली खोल कारतूस बरामद किए गए हैं।

जानकारी के अनुसार 26/27 फरवरी 2026 की रात को अपराध शाखा मानेसर इंचार्ज उप-निरीक्षक मनोज कुमार की पुलिस टीम को अपने विश्वस्त सूत्रों से सूचना मिली कि उत्तर प्रदेश की कन्नौज जेल से फरार हुआ 25 हजार रुपये का ईनामी एक शातिर बदमाश बाइक पर अवैध हथियार सहित पचगांव चौक से होते हुए गांव खोह कासन की तरफ जा रहा है। इस सूचना पर तत्परता से कार्रवाई करते हुए पुलिस ने आरोपी को काबू करने के लिए टीम तैयार की। अपराध शाखा मानेसर ने उच्च अधिकारियों के निर्देशों पर पचगांव चौक नजदीक गोलू होटल गांव कासन जाने वाले रास्ते पर नाकाबंदी की।

कुछ समय बाद एक बाइक पुलिस नाके की तरफ आती हुई दिखाई दी। जब पुलिस टीम ने बाइक चालक को रुकने का इशारा किया तो वह बाइक को गिराकर भागने लगा। आरोपी ने पुलिस की टीम पर गोली भी चलाई। एक गोली पुलिस कर्मचारी की बुलेट प्रूफ जैकेट पर जा लगी। पुलिस टीम द्वारा आरोपी को चेतावनी देते हुए आत्मसमर्पण करने को कहा गया, लेकिन वह गोली ही चलाता रहा। तभी पुलिस टीम ने अपनी सुरक्षा करते हुए जवाबी कार्रवाई में गोलियां चलाईं। पुलिस की एक गोली आरोपी के पैर में लगी।

गोली लगने से आरोपी गिर गया और पुलिस ने उसे काबू कर लिया। आरोपी की पहचान हजूरापुर जिला कन्नौज (उत्तर-प्रदेश) निवासी अंकित कुमार (उम्र-24 वर्ष) के रूप में हुई है। पुलिस टीम द्वारा बदमाश को अस्पताल में दाखिल कराया गया। प्रबंधक थाना मानेसर, सीन-ऑफ-क्राइम, फिंगरप्रिंट टीमों को अवगत करवाकर घटनास्थल का निरीक्षण कराया गया। इस वारदात के सम्बन्ध में आरोपी के खिलाफ पुलिस थाना मानेसर में केस दर्ज किया गया है। पुलिस प्रवक्ता के अनुसार मुठभेड़ के दौरान पांच राउंड फायर हुए, जिनमें से आरोपी की तरफ से तीन तथा पुलिस की तरफ से दो फायर किए गए।

पुलिस टीम ने आरोपी द्वारा प्रयोग की गई एक बाइक, एक पिस्टल, एक जिंदा कारतूस, पांच खाली खोल कारतूस बरामद किए हैं। आरोपी अवैध हथियार रखने के मामले में जिला कन्नौज (उत्तर-प्रदेश) जेल में बंद था। जनवरी 2026 में आरोपी जेल से फरार हो गया था।

गाजियाबाद में यूट्यूबर सलीम वारसी पर जानलेवा हमला

गाजियाबाद,एजेंसी।

लोनी क्षेत्र में शुक्रवार को एक यूट्यूबर पर उस समय जानलेवा हमला कर दिया गया, जब वह अपने कार्यालय में मौजूद थे। बाइक सवार दो हमलावरों ने अंदर घुसकर उनकी गर्दन पर धारदार हथियार से वार किया और पेट में चाकू घोंपकर फरार हो गए। गंभीर रूप से घायल यूट्यूबर को उपचार के लिए जीटीबी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के अनुसार अली गार्डन कॉलोनी निवासी 50 वर्षीय सलीम वारसी, जो सामाजिक माध्यम पर 'सलीम वास्तिक 0007' नाम से चैनल चलाते हैं, अपने घर स्थित कार्यालय में बैठे थे। इसी दौरान हेलमेट पहने दो युवक बाइक से पहुंचे और सीधे भीतर घुसकर हमला कर दिया।

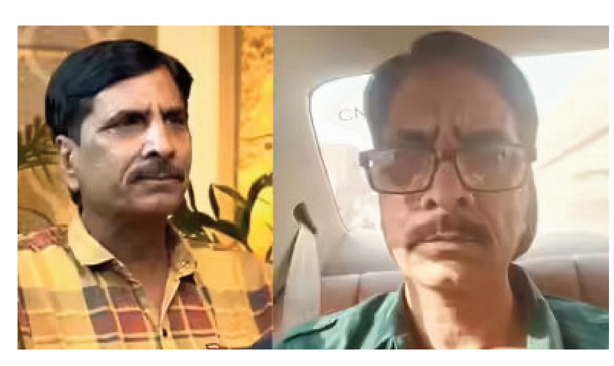

वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। परिजनों और स्थानीय लोगों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। घायल को प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर अवस्था में दिल्ली के जीटीबी अस्पताल भेजा गया, जहां उनका इलाज जारी है। घटना के बाद परिवार में कोहराम मचा हुआ है। पुलिस का कहना है कि हमलावरों की पहचान के लिए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। एसीपी लोनी सिद्धार्थ गौतम ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है और जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

बताया जा रहा है कि सलीम वारसी अपने वीडियो में धार्मिक कुरीतियों और सामाजिक मुद्दों पर टिप्पणी करते थे, जिसके चलते कुछ लोगों से उनकी रंजिश चल रही थी।

RNI.No DLHIN/25/A2841
स्वामी, प्रकाशक, संपादक देवेंद्र सिंह तोमर एवं मुद्रक रवि भारद्वाज मै. मारुती नंदन प्रिंटर्स एवं पब्लिशर, शक्ति कॉम्प्लेक्स 6/18, समयपुर इंडस्ट्रियल एरिया, नई दिल्ली 110042 से मुद्रित एवं हॉउस नंबर 16/ 9980, गली नंबर-5, सराय रोहिल्ला न्यू रोहतक रोड, नई दिल्ली-110005 से प्रकाशित।
संपादकीय कार्यालय - B4/265B केशव पुरम नई दिल्ली -110005। फोन-011-40106508
मोबाइल-9911466900/ 8076353913। Email.saahassamachardainik@gmail.com
संपादक देवेंद्र सिंह तोमर
इस अंक में प्रकाशित खबरों एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा नई दिल्ली के न्यायालय में होगा।

मुख्यमंत्री ने हरी झंडी दिखाकर डबल डेकर पर्यटक बस सेवा शुरू की

रेखा गुप्ता ने कहा, बस सेवा पर्यटकों को एक ही यात्रा में दिल्ली की विरासत और आधुनिकता का समग्र अनुभव प्रदान करेगी।

नई दिल्ली,साहस समाचार।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शुक्रवार को यहाँ दिल्ली पर्यटन की अत्याधुनिक डबल डेकर इलेक्ट्रिक टूरिस्ट बस सेवा 'देखो मेरी दिल्ली' को हरी झंडी दिखाकर राजधानी के पर्यटन क्षेत्र में एक नई पहल की शुरुआत की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पहल दिल्ली को आधुनिक और विश्वस्तरीय पर्यटन गंतव्य के रूप में स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण है। दिल्ली अपनी ऐतिहासिक धरोहर के साथ-साथ भारत मंडपम, यशोभूमि, नया संसद भवन, सेंट्रल विस्टा और प्रधानमंत्री संग्रहालय जैसे आधुनिक प्रतिष्ठानों के कारण वैश्विक स्तर पर नयी पहचान बना रही है।

यह बस सेवा पर्यटकों को एक ही यात्रा में दिल्ली की विरासत और आधुनिकता का समग्र अनुभव प्रदान करेगी। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'विकास भी, विरासत भी' विजन से प्रेरित होकर हमारी सरकार दिल्ली में आधुनिक विकास को गति देने के साथ-साथ अपनी ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण के लिए समान प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। हमारा लक्ष्य है कि प्रगति और परंपरा, दोनों साथ-साथ आगे बढ़ें।₹उन्होंने आगे कहा कि शून्य-उत्सर्जन आधारित यह डबल डेकर ई-बस प्रधानमंत्री के इसी दृष्टिकोण को आगे बढ़ाते हुए सतत विकास, हरित परिवहन और स्वच्छ पर्यटन को प्रोत्साहित कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आधुनिक सुविधाओं, उन्नत सुरक्षा व्यवस्था और पैनोरमिक अपर डेक से सुसज्जित यह 63-सीटर बस पर्यटकों को आरामदायक और यादगार यात्रा का अनुभव प्रदान करेगी। साथ ही यह कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस नयी सेवा के माध्यम से देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों को एक ही यात्रा में दिल्ली की विरासत और आधुनिकता का अद्वितीय अनुभव प्राप्त होगा। इससे राजधानी की स्वच्छ, हरित और गतिशील वैश्विक छवि और अधिक सुदृढ़ होगी। इस अवसर पर पर्यटन मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा कि इलेक्ट्रिक डबल डेकर बस का शुभारंभ केवल वाहन की शुरुआत नहीं, बल्कि दिल्ली को ग्लोबल टूरिज्म मैप पर मजबूती से स्थापित करने की ओर एक कदम है। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती सरकारों में पर्यटन के क्षेत्र में विजन और सुविधाओं की कमी व पर्यावरण की अनदेखी, दिल्ली को ट्रांजिट सिटी तक सीमित कर रही थी। अब मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली अब 'ट्रांजिट सिटी' से 'डेस्टिनेशन सिटी' बन रही है।

पर्यटन मंत्री ने यह भी कहा कि दिल्ली केवल भारत ही नहीं, बल्कि दुनिया के उन चुनिंदा शहरों में है जहां 1,200 से अधिक स्मारक मौजूद हैं। यहां प्राचीन सभ्यता से लेकर ब्रिटिश कालीन विरासत और आधुनिक विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचे तक का अद्वितीय अनुभव एक साथ मिलता है। इसी दृष्टि के साथ दिल्ली में इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल जैसे वैश्विक आयोजनों की योजना भी बनाई जा रही है, जिससे टूरिज्म, कॉन्सर्ट इकोनॉमी, लाइव एंटरटेनमेंट और क्रिएटर इकोनॉमी को नयी गति मिलेगी।

दिल्ली की जनता के गुनाहगार हैं केजरीवाल: रेखा गुप्ता

नई दिल्ली,साहस समाचार।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शुक्रवार को कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, दिल्ली की जनता के गुनाहगार हैं। श्रीमती गुप्ता ने कहा कि केजरीवाल के कार्यकाल में सामने आए कथित शराब घोटाले के मामले में निचली अदालत द्वारा दिया गया फैसला अंतिम सत्य नहीं है, बल्कि यह केवल कानूनी प्रक्रिया का एक हिस्सा है। सच्चाई का फैसला होकर रहेगा, इसलिए श्री केजरीवाल घड़ियाली आंसू न बहाएं।

मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा, हम न्यायपालिका का पूरा सम्मान करते हैं और अदालतों के निर्णयों का आदर करते हैं। आम आदमी पार्टी इस फैसले को 'क्लीन चिट' बताकर जनता को गुमराह कर रही है। अदालत ने अपने आदेश में 'साक्ष्य के अभाव' की बात कही है। साक्ष्य पर्याप्त न होना और पूरी तरह बेगुनाह होना दो अलग बातें हैं। कानून की प्रक्रिया अभी पूरी नहीं हुई है और मामला उच्च न्यायालय में जा सकता है।₹ उन्होंने कहा कि वह कुछ सीधा सवाल रखना चाहती हैं, जिनका जवाब दिल्ली की जनता को मिलना चाहिए।

उन्होंने प्रश्न किया कि अगर शराब नीति इतनी ही शानदार और राजस्व बढ़ाने वाली थी, तो जांच शुरू होते ही उसे वापस क्यों लिया गया। नयी नीति रद्द कर पुरानी नीति पर यू-टर्न क्यों लिया गया। यदि नीति में कोई खामी नहीं थी तो उसे जारी क्यों नहीं रखा गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि थोक मुनाफा पांच प्रतिशत से बढ़ाकर 12 प्रतिशत क्यों किया गया। इससे लाभ किसे हुआ। लाइसेंस संरचना में ऐसे बदलाव क्यों किए गए, जिन पर गंभीर सवाल उठे। किन परिस्थितियों में यह बदलाव किए गए और उनका वास्तविक लाभार्थी कौन था, इसका जवाब पूर्व मुख्यमंत्री को देना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जांच के दौरान यह भी सामने आया कि लगभग 200 दिनों की अवधि में 160 से 170 मोबाइल फोन बदले गए। इतनी बड़ी संख्या में फोन बदलने की आवश्यकता क्यों पड़ी। डिजिटल रिकॉर्ड को लेकर सवाल क्यों खड़े हुए। यदि छिपाने जैसा कुछ नहीं था तो ऐसी परिस्थितियां उत्पन्न ही क्यों हुईं। यह सब अपने आप में गंभीर संदेह पैदा करता है। उन्होंने कहा कि शीर्ष न्यायालय ने पहले अपने आदेशों में बड़े पैमाने पर धन लेन-देन के प्रथम दृष्टया संकेतों का उल्लेख किया था। इसी प्रकार दिल्ली उच्च न्यायालय ने भी इस मामले को गंभीर माना था।

जनता की अदालत में दोषी साबित हो चुके हैं केजरीवाल: देवेंद्र यादव

नई दिल्ली,साहस समाचार।

दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने बयान जारी कर कहा है कि भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों के बावजूद अरविंद केजरीवाल भाजपा की वॉशिंग मशीन में धुलकर जनता को गुमराह करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा का वॉशिंग मशीन मॉडल एक बार फिर सामने आया है, जहां सरेंडर करते ही आरोपों के दाग मिटते दिखाई देते हैं। यह देश की राजनीति में दोहरे मापदंड और जांच एजेंसियों के चयनात्मक उपयोग को उजागर करता है।

यादव ने याद दिलाया कि 3 जून 2022 को दिल्ली प्रदेश कांग्रेस ने औपचारिक शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें पंजाब के अकाली दल के नेता दीप मल्होत्रा का नाम लेते हुए शराब नीति से जुड़े गंभीर प्रश्न उठाए गए थे। उन्होंने कहा कि पंजाब में बीजेपी-अकाली गठबंधन की चर्चाओं के बीच उस शिकायत और उससे जुड़े तथ्यों की प्रासंगिकता और बढ़ जाती है। उन्होंने कहा कि इस मामले में तात्कालीन उपराज्यपाल की भूमिका तथा मास्टर प्लान के उल्लंघन का मुद्दा भी कांग्रेस ने उठाया था, लेकिन इस पर न तो स्पष्ट जवाब मिला और न ही जांच एजेंसियों ने इस दिशा में कोई ठोस जांच की।

देवेंद्र यादव ने कहा कि देश में एक खतरनाक राजनीतिक प्रवृत्ति विकसित हो रही है कि सत्ता के सामने सरेंडर करने पर आरोप कमजोर पड़ते नजर आते हैं। देवेंद्र यादव ने कहा कि आम आदमी पार्टी के साथ भाजपा का कथित नूराकुश्ती का संकेत राउज एवेन्यू कोर्ट की कार्यवाही से सामने आया है, जहां सीबीआई सबूत ही नहीं उपलब्ध करवा पाई। उन्होंने कहा कि केजरीवाल के भ्रष्टाचार का पुलिंदा 14 कैग रिपोर्टों पर कार्रवाई न होना भी गंभीर सवाल खड़ा करता है।

ट्रायल कोर्ट द्वारा अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया पर आरोप खारिज होने के बाद उन्होंने सवाल उठाया कि जब डॉ.मनमोहन सिंह, सोनिया गांधी और शीला दीक्षित पर झूठे मनगठंत आरोप लगाए गए थे, तब केजरीवाल की संवेदनाएं कहां थीं। उन्होंने आरोप लगाया कि राजनीतिक लाभ के लिए बदनाम करने, मीडिया ट्रायल चलाने और झूठे आरोपों का अभियान चलाया गया, जिससे जनता भ्रमित हुई।

दिल्ली के बाजार में त्योहार की रौनक, सुबह से रात तक खरीदारों की भीड़

नई दिल्ली,साहस समाचार।

रंगों का पावन त्योहार होली नजदीक है। दिल्ली के बाजारों में रौनक चरम पर है। पुरानी दिल्ली से लेकर पश्चिमी और पूर्वी दिल्ली तक हर प्रमुख बाजार गुलाल, पिचकारी और सजावटी सामान से सज गए हैं। सुबह से ही खरीदारों की भीड़ उमड़ पड़ती है जो कि देर रात तक चलती है। बाहर के राज्यों से भी लोग सामान खरीदने पहुंच रहे हैं। वहीं बाजार में बच्चों में रंग-बिरंगी पिचकारियों को लेकर खास उत्साह है, जबकि बड़े लोग गुलाल और गिफ्ट पैक खरीद रहे हैं।

खासतौर पर सदर बाजार में सबसे ज्यादा चहल-पहल देखने को मिल रही है, जहां थोक और खुदरा दोनों ग्राहकों की भीड़ लगी है। सबसे ज्यादा रौनक पुरानी दिल्ली के प्रसिद्ध थोक बाजार सदर बाजार में दिखाई दे रही है। एशिया के बड़े थोक बाजारों में गिने जाने वाले इस बाजार में रंग, अबीर, गुलाल, पिचकारी, मुखौटे, टोपी और होली से जुड़े सजावटी सामान की सैकड़ों दुकानें सजी हुई हैं।

यहां थोक व्यापारियों के साथ-साथ आम ग्राहक भी बड़ी संख्या में पहुंच रहे हैं। दुकानदारों के मुताबिक, इस बार बिक्री पिछले साल के मुकाबले 20 से 25 प्रतिशत तक बढ़ने की उम्मीद है। बाजार में पारंपरिक पिचकारियों के साथ-साथ आधुनिक और कस्टमाइज्ड पिचकारियों की जबरदस्त मांग है। बच्चों के लिए कार्टून किरदारों और सुपरहीरो डिजाइन वाली रंग-बिरंगी पिचकारियां उपलब्ध हैं, जो उन्हें बेहद आकर्षित कर रही हैं।

वहीं युवाओं के लिए हाई-प्रेशर वाटर गन, टैंक वाली बड़ी पिचकारियां और एलईडी लाइट से सजी पिचकारियां बाजार में खास पसंद की जा रही हैं। कीमतों की बात करें तो साधारण प्लास्टिक पिचकारी 50 रुपये से शुरू होकर 200 रुपये तक मिल रही है। वहीं प्रीमियम क्वालिटी और मेटल बॉडी पिचकारियों की कीमत 800 से 1500 रुपये तक है। सदर बाजार के दुकानदार राजेश गुप्ता ने बताया कि इस बार बाजार में काफी अच्छी भीड़ है।

स्कूलों और कॉलोनियों में होली मिलन समारोह होने के कारण बच्चों की खरीदारी ज्यादा हो रही है। हमें पिछले साल से बेहतर कारोबार की उम्मीद है। रासायनिक रंगों से त्वचा को होने वाले नुकसान के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ी है। यही वजह है कि इस बार हर्बल और ऑर्गेनिक गुलाल की मांग में साफ बढ़ोतरी देखी जा रही है। चंदन, गुलाब, हल्दी और कुमकुम से बने प्राकृतिक रंग 100 से 400 रुपये प्रति पैकेट तक बिक रहे हैं। दुकानदार संजू ने बताया कि ग्राहक अब स्किन फ्रेंडली और इको फ्रेंडली उत्पाद ज्यादा पूछ रहे हैं। मेड इन इंडिया और लोकल ब्रांड की मांग बढ़ी है। लोग सुरक्षित और प्राकृतिक रंगों को प्राथमिकता दे रहे हैं

व्यापारियों के अनुसार, इस बार ऑनलाइन बिक्री में भी अच्छा इजाफा हुआ है। कई दुकानदार व्हाट्सएप, फेसबुक और इंस्टाग्राम के जरिये ऑर्डर ले रहे हैं। हालांकि बड़ी संख्या में ग्राहक अब भी बाजार में आकर खुद सामान देखना और खरीदना पसंद करते हैं। व्यापारी संगठन के पदाधिकारी अशोक ने बताया कि, होली के सप्ताह भर में दिल्ली में सैकड़ों करोड़ रुपये का कारोबार होने की संभावना है।

जहांगीरपुरी में दूषित पानी से लोग बेहाल

नई दिल्ली,साहस समाचार।

जहांगीरपुरी के आई, जे, के सहित कई ब्लॉकों में दूषित पानी की आपूर्ति से स्थानीय लोग गंभीर परेशानी का सामना कर रहे हैं। रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन आई व जे ब्लॉक के अध्यक्ष एवं जहांगीरपुरी ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष एम.एल. भास्कर ने बताया कि नलों से आने वाला पानी बदबूदार, मटमैला और पीने योग्य नहीं है, जिससे जलजनित बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। लोगों का कहना है कि नियमित बिल भुगतान के बावजूद स्वच्छ पेयजल नहीं मिल रहा और कई परिवारों को मजबूरी में टैंकर व बोतलबंद पानी खरीदना पड़ रहा है, जिससे उन पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है।

महिलाओं और बुजुर्गों ने बताया कि कई दिनों से पानी में गंदगी और सीवर जैसी दुर्गंध आ रही है तथा बच्चों व बुजुर्गों के स्वास्थ्य को लेकर चिंता बनी हुई है। कुछ लोगों ने पेट दर्द, उल्टी और बुखार की शिकायत भी की है।

एम.एल. भास्कर ने कहा कि संबंधित विभाग को कई बार शिकायत देने के बाद भी समस्या का समाधान नहीं हुआ है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द शुद्ध पानी की आपूर्ति शुरू नहीं की गई तो धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। उन्होंने दिल्ली जल बोर्ड और प्रशासन से पानी की गुणवत्ता की तत्काल जांच कराने, पाइप लाइन की सफाई कराने और क्षेत्र में नियमित स्वच्छ पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने की मांग की है, ताकि लोगों को राहत मिल सके।

कड़कड़डूमा कोर्ट में अधिवक्ता पर हमला

नई दिल्ली,साहस समाचार।

कड़कड़डूमा कोर्ट में एक अधिवक्ता से मारपीट और जान से मारने की धमकी का मामला सामने आया है। फर्श बाजार थाना पुलिस ने शिकायत पर एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अधिवक्ता प्रिंस मलिक ने आरोप लगाया कि 23 फरवरी को दिल्ली बार एसोसिएशन चुनाव के दौरान दिल्ली हाई कोर्ट में कुछ लोगों ने उनका रास्ता रोककर वोट को लेकर दबाव बनाया। विरोध करने पर गाली-गलौज व मारपीट की गई और घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर डाल दिया गया। पीड़ित के मुताबिक, अगले दिन कड़कड़डूमा कोर्ट के डी-ब्लॉक में 30-40 लोगों ने दोबारा हमला किया। धारदार वस्तु से वार में उनकी नाक और होंठ पर चोट आई। अन्य वकीलों ने बीच-बचाव कर उन्हें बचाया।

जम्मू के कारोबारी से 15 लाख व 22 आईफोन लूट में पांच गिरफ्तार

नई दिल्ली,साहस समाचार।

दिल्ली पुलिस ने उत्तर दिल्ली के मजनू का टीला इलाके में जम्मू निवासी एक कारोबारी से 15 लाख रुपये नकद और 22 आईफोन लूटने के मामले में तीन महिलाओं समेत पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। पंजाब और जम्मू-कश्मीर तक फैले इन लोगों को आठ दिन के अभियान के बाद पकड़ा गया। इस दौरान पुलिस टीम ने दुर्गम पहाड़ी और वन क्षेत्रों में पैदल तलाशी अभियान चलाया। पुलिस ने दावा किया कि लूटे हुए 15 लाख रुपये की नकदी और सभी 22 आईफोन (करीब 30 लाख रुपये मूल्य) बरामद कर लिए गए हैं।

उत्तर जिले के पुलिस उपायुक्त राजा बांथिया ने बताया कि 17 फरवरी को तिमारपुर थाने में मामला दर्ज किया गया था। शिकायतकर्ता रमेश लाल (39) जम्मू में मोबाइल की दुकान का काम करता है। वह 16-17 फरवरी की रात निजी बस से माल के व्यापार के सिलसिले में जम्मू से दिल्ली आ रहा था। उसके पास 15 लाख रुपये नकद और 22 पैक्ड एप्पल आईफोन थे। साथ ही एक छोटे बैग में उसका फोन भी था।

पुलिस उपायुक्त ने बताया कि 17 फरवरी सुबह करीब 7.15 बजे वह मजनू का टीला पर बस से उतरा। उसी बस में सवार तीन पुरुष और तीन महिलाएं भी वहां उतरीं। जब वह ऑटो में बैठने लगे तो छह लोगों ने उसे घेर लिया और छेड़छाड़ व मारपीट के झूठे आरोप लगाने लगे। अफरातफरी के बीच पुरुष आरोपी उसका बैग लेकर फरार हो गए। हालांकि, राहगीरों की मदद से तीनों महिलाओं को मौके पर पकड़कर तिमारपुर थाने लाया गया।

डीयू के दीक्षांत समारोह में आज 132 स्वर्ण और रजत पदक दिए जांएगे

नई दिल्ली,साहस समाचार।

दिल्ली विश्वविद्यालय के 102 वें दीक्षांत समारोह का आयोजन 28 फरवरी को आयोजित होगा। इस समारोह में देश के उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन मुख्य अतिथि होंगे। शुक्रवार को सांय काल डीयू कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने कार्यक्रम स्थल का जायजा लिया और तैयारियों की समीक्षा की। कुलपति ने बताया कि इस समारोह के दौरान 2025 में अपनी डिग्री पूरी करने वाले यूजी, पीजी एवं पीएचडी के विद्यार्थी दीक्षित होंगे। इस दीक्षांत समारोह में यूजी, पीजी और एफवाईयूपी के 1,20,408 विद्यार्थियों को डिग्रियां प्रदान की जाएंगी। उन्होंने बताया कि इस दौरान लगभग 750 पीएचडी शोधार्थियों को भी डिग्रियां प्रदान की जाएंगी।

डीयू के परीक्षा नियंत्रक प्रो.गुरप्रीत सिंह टुटेजा ने बताया कि दीक्षांत समारोह का आयोजन दिल्ली विश्वविद्यालय के खेल परिसर स्थित मल्टीपर्पज़ हाल में होगा। उन्होंने बताया कि दीक्षांत समारोह के दौरान कुल 132 स्वर्ण और रजत पदक तथा पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। प्रो. टुटेजा ने बताया कि यूजी और पीजी के विद्यार्थियों को कुल 112 गोल्ड मेडल एवं एक सिल्वर मेडल प्रदान किए जाएंगे।

इसी तरह यूजी और पीजी के विद्यार्थियों को कुल 19 पुरस्कार (सर्टिफिकेट) प्रदान किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि डीयू के रेगुलर विद्यार्थियों, एनसीडब्ल्यूईबी और एसओएल के विद्यार्थियों को मिलाकर कुल 1,09,003 यूजी, 11362 पीजी और 43 एफवाईयूपी प्रोग्रामों के विद्यार्थियों को भी डिग्रियां प्रदान की जाएंगी। उन्होंने बताया कि शताब्दी चांस के तहत अपनी डिग्री पूर्ण करने वाले 20 विद्यार्थियों को भी डिग्रियां प्रदान की जाएंगी।

ट्रक की टक्कर से बाइक सवार किशोर की मौत, दो दोस्त घायल

नई दिल्ली,साहस समाचार।

मुंडका में ट्रक की टक्कर से बाइक सवार तीन लोग घायल हो गए। तीनों को पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां एक 16 साल के किशोर को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मृतक की शिनाख्त नितिन के रूप में हुई है। घटना के बाद वाहन समेत भागे चालक पर केस कर पुलिस उसकी तलाश में जुट गई है। जानकारी के मुताबिक 19 साल का मयंक कृष्णा वाटिका नांगलोई में रहते हैं। वह अपने दोस्तों नितिन और समीर के साथ पीवीसी मार्केट में अलग अलग कंपनी के लिए कबाड़ का काम करते हैं।

मुंडका थाने में दर्ज प्राथमिकी में मयंक ने बताया कि 25 फरवरी की रात करीब पौने आठ बजे उसने नितिन को घर चलने के लिए फोन किया। समीर बाइक लेकर मौजूद था। फिर तीनों बाइक से घर के लिए रवाना हो गए। मयंक ने बताया कि रात करीब सवा आठ बजे नांगलोई जाने वाले मेन रोहतक रोड पर तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी बाइक को साइड मार दिया। समीर की हालत गंभीर है। पुलिस ने नितिन के शव को कब्जे में कर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया।

पुस्तकालय के बिना संभव नहीं है विश्वविद्यालय का अस्तित्व: योगेश सिंह

नई दिल्ली,साहस समाचार।

दिल्ली विश्वविद्यालय पुस्तकालय प्रणाली द्वारा 102 वें वार्षिक दीक्षांत समारोह के अंतर्गत केंद्रीय पुस्तकालय में 26वीं एग्जिबिशन ऑफ डॉक्टोरल रिसर्च प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। यह प्रदर्शनी तीन मार्च तक जारी रहेगी। प्रदर्शनी के उद्घाटन पर बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे डीयू कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने कहा कि पुस्तकालय के बिना विश्वविद्यालय का अस्तित्व संभव नहीं है।

उन्होंने कहा कि यह अकादमिक आयोजन विश्वविद्यालय में शोध उत्कृष्टता, नवाचार और ज्ञान सृजन की परंपरा को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। कुलपति ने प्रदर्शनी के औपचारिक उद्घाटन के बाद वहां प्रदर्शित शोध ग्रन्थों का अवलोकन भी किया। कुलपति ने यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली : डॉक्टोरल रिसर्च के डिजिटल संस्करण एवं ई-हैंडबुक का विमोचन भी किया। प्रो. योगेश सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि यह प्रदर्शनी समर्पण, उत्कृष्टता, धैर्य, नवाचार और अकादमिक प्रतिबद्धता का उत्सव है।

उन्होंने बताया कि दिल्ली विश्वविद्यालय शोध एवं ज्ञान सृजन के क्षेत्र में निरंतर प्रगति कर रहा है, जिसका प्रमाण विश्वविद्यालय का बढ़ता एच-इंडेक्स है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी-2020) का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि नई शिक्षा व्यवस्था के तहत अब विद्यार्थी स्नातक स्तर से ही शोध कार्य प्रारंभ कर सकते हैं। चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम के माध्यम से शोध प्रबंध, अकादमिक परियोजनाओं, उद्यमिता, अनुवाद एवं उन्नत अध्ययन के अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं तथा लगभग 30 प्रतिशत विद्यार्थियों ने शोध उन्मुख चौथे वर्ष का चयन किया है।

कुलपति ने स्किल एनहांसमेंट कोर्सेज (एसईसी) और वैल्यू एडिशन कोर्सों को छात्र-केंद्रित पहल बताते हुए कहा कि इन पाठ्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, संवाद कौशल, पेशेवर दक्षता और व्यावहारिक ज्ञान का विकास हो रहा है। उन्होंने केंद्रीय पुस्तकालय की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि पुस्तकालय प्रणाली के माध्यम से शोधार्थियों को हजारों ई-जर्नल्स तथा लगभग दो लाख ई-पुस्तकों तक डिजिटल पहुंच उपलब्ध कराई जा रही है, जिससे अनुसंधान की गुणवत्ता और दायरा निरंतर विस्तृत हो रहा है।

विशिष्ट अतिथि प्रो. अनिल के. अनेजा ने अपने संबोधन में शोध यात्रा के अनुभव साझा करते हुए कहा कि आधुनिक तकनीक आज के विद्यार्थियों के लिए सीखने का प्रभावी माध्यम है, किंतु मौलिकता, शैक्षणिक ईमानदारी और बौद्धिक अनुशासन ही किसी भी शोध की वास्तविक पहचान होते हैं। कार्यक्रम की शुरुआत विश्वविद्यालय पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. राजेश कुमार सिंह ने अपने स्वागत भाषण में कहा कि एग्जिबिशन ऑफ डॉक्टोरल रिसर्च नामक यह शोध प्रदर्शनी सतत ज्ञान निर्माण, नवाचार और शोध आधारित अकादमिक विकास का प्रतिनिधित्व करती है।

उन्होंने बताया कि इसमें कुल 613 शोध प्रबंधों को शामिल किया गया है, जो विश्वविद्यालय की समृद्ध शोध परंपरा को दर्शाते हैं। इस कार्यक्रम में दिल्ली विश्वविद्यालय अंग्रेजी विभाग के सेवानिवृत्त प्रो. अनिल के अनेजा विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए।

जेएलएन स्टेडियम के पास आज यातायात प्रभावित रहेगा

नई दिल्ली,साहस समाचार।

जवाहर लाल नेहरू (जेएलएन) स्टेडियम में शनिवार शाम पंजाबी गायक करण औजला का म्यूजिक कॉन्सर्ट होगा। कार्यक्रम के मद्देनजर दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने सात स्थानों पर डायवर्जन लागू किए हैं। बीपी मार्ग, लोधी रोड व स्टेडियम के आसपास की सड़कों से बचने की सलाह दी है। दर्शकों को मेट्रो से आने का सुझाव दिया गया है। यहां पर वाहनों की आवाजाही पर रोक कॉन्सर्ट शाम 4 बजे से रात 10 बजे तक चलेगा और 45 से 50 हजार लोगों के पहुंचने की संभावना है।

जवाहरलाल नेहरू लाल बत्ती से भगवान पार्षद मार्ग की ओर आने वाले वाहनों को मेहरचंद बाजार मोड़ा जाएगा। सेवा नगर बस डिपो लाल बत्ती से फोर्थ एवेन्यू व गुर्जर चौक की ओर से आने वाले वाहन बारापुला व जेएलएन सेवा मार्ग पर नहीं जा सकेंगे। अतिरिक्त समय लेकर निकलने की अपील फिफ्थ एवेन्यू रोड डबल स्टोरी बाजार और धोबी घाट से आने वाले वाहनों को सर्विस रोड की ओर नहीं जाने दिया जाएगा। प्रगति विहार लाल बत्ती से लोधी मार्ग की ओर बढ़ने पर रोक रहेगी और वाहनों को वापस मोड़ा जाएगा। लाला लाजपत राय मार्ग तिराहा से स्कोप परिसर की ओर बाएं मुड़ने की अनुमति नहीं होगी। जंगपुरा मेट्रो स्टेशन व सूचना भवन तिराहा से भी स्कोप की ओर बाएं मोड़ पर रोक रहेगी। पुलिस ने लोगों से अतिरिक्त समय लेकर निकलने की अपील की है। पार्किंग व्यवस्था कॉन्सर्ट में जाने वाले दर्शकों के लिए सेवा नगर बस डिपो, सुनहेरी पुल बस डिपो, सीजीओ कॉम्प्लेक्स और स्कोप कॉम्प्लेक्स में पार्किंग व्यवस्था रहेगी।

संपादकीय

अनुबंध व्यवस्था बनाम नियमित भर्ती: क्या निगमों में जवाबदेही खत्म हो रही है?

भारत के शहरी प्रशासन में पिछले एक दशक में एक बड़ा बदलाव चुपचाप हुआ है नियमित भर्ती की जगह अनुबंध आधारित नियुक्तियों ने ले ली है। नगर निगमों, विकास प्राधिकरणों और स्थानीय निकायों में स्थायी पद खाली पड़े हैं, जबकि काम का बोझ लगातार बढ़ रहा है। इस अंतर को भरने के लिए अनुबंध व्यवस्था को समाधान के रूप में प्रस्तुत किया गया। लेकिन सवाल यह है कि क्या यह व्यवस्था वास्तव में प्रशासन को सक्षम बना रही है, या फिर जवाबदेही की जड़ों को कमजोर कर रही है?

नियमित कर्मचारी एक स्पष्ट सेवा ढांचे के भीतर काम करते हैं। उनकी नियुक्ति भर्ती नियमों के अनुसार होती है, सेवा पुस्तिका में प्रविष्टि होती है, पदोन्नति की प्रक्रिया तय होती है और सबसे महत्वपूर्ण उन पर विभागीय अनुशासनात्मक कार्रवाई संभव होती है। वे लेखा परीक्षा, सतर्कता जांच और न्यायिक समीक्षा के दायरे में स्पष्ट रूप से चिन्हित होते हैं। इसके विपरीत, अनुबंध कर्मचारी सीमित अवधि के लिए नियुक्त होते हैं, जिनकी सेवा शर्तें अक्सर अस्पष्ट या लचीली होती हैं। उनका नवीनीकरण प्रशासनिक विवेक पर निर्भर करता है, जिससे स्वतंत्र निर्णय लेने की क्षमता प्रभावित हो सकती है।

नगर निगमों में स्वास्थ्य, सामान्य लाइसेंस, निर्माण निगरानी और कर संग्रह जैसे संवेदनशील विभागों में अनुबंध कर्मियों की संख्या तेजी से बढ़ी है। तर्क यह दिया जाता है कि इससे खर्च कम होता है और तत्काल मानव संसाधन उपलब्ध हो जाता है। परंतु व्यवहार में यह व्यवस्था कई जटिल प्रश्न खड़े करती है। यदि किसी अनुबंध कर्मचारी को प्रवर्तन, चालान या सीलिंग जैसे अधिकार दे दिए जाएं, तो उसकी वैधानिक स्थिति क्या होगी? यदि वह नियमों के विपरीत निर्णय लेता है, तो उसकी जवाबदेही किस हद तक तय की जा सकेगी? और यदि उसका अनुबंध समाप्त हो जाए, तो उसके द्वारा लिए गए निर्णयों की जिम्मेदारी किसके कंधे पर होगी? लेखा परीक्षा की दृष्टि से भी यह मॉडल जोखिमपूर्ण है। नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक तथा आंतरिक लेखा शाखाएं अक्सर यह आपत्ति दर्ज करती हैं कि अधिकारों का प्रत्यायोजन स्पष्ट नहीं है। यदि किसी अनुबंध कर्मचारी को नियमित पदनाम या समकक्ष जिम्मेदारी दे दी जाती है, तो यह प्रशासनिक सीमा का अतिक्रमण माना जा सकता है। भविष्य में न्यायालय में चुनौती होने पर ऐसे आदेश निरस्त भी हो सकते हैं, जिससे न केवल राजस्व हानि होती है बल्कि संस्था की साख भी प्रभावित होती है। एक और गंभीर पहलू मनोवैज्ञानिक है। अनुबंध कर्मचारी अपनी सेवा सुरक्षा को लेकर अनिश्चित रहते हैं। नवीनीकरण की आशंका या अपेक्षा उन्हें वरिष्ठ अधिकारियों पर निर्भर बनाती है। ऐसी स्थिति में निष्पक्ष निर्णय लेने की स्वतंत्रता प्रभावित हो सकती है। वहीं नियमित कर्मचारी, जिनकी सेवा संरक्षित होती है, अपेक्षाकृत अधिक स्वतंत्र होकर नियमों के अनुरूप कार्य कर सकते हैं कम से कम सिद्धांततः।

हालांकि अनुबंध व्यवस्था को पूरी तरह खारिज करना भी यथार्थवादी दृष्टिकोण नहीं होगा। कई क्षेत्रों में विशेषज्ञता आधारित अल्पकालिक नियुक्तियां आवश्यक होती हैं। सूचना प्रौद्योगिकी, परियोजना प्रबंधन या विशिष्ट तकनीकी सेवाओं में अनुबंध मॉडल उपयोगी सिद्ध हुआ है। समस्या तब उत्पन्न होती है जब इसे स्थायी प्रशासनिक ढांचे के विकल्प के रूप में इस्तेमाल किया जाने लगे। जब वर्षों तक नियमित पदों पर भर्ती न हो और पूरा विभाग अस्थायी व्यवस्था पर चलने लगे, तो यह संस्थागत कमजोरी का संकेत है। समाधान संतुलन में है। जहां स्थायी प्रकृति का कार्य है, वहां नियमित भर्ती अनिवार्य होनी चाहिए। अनुबंध कर्मचारियों को स्पष्ट दायित्व, सीमित अधिकार और पारदर्शी अनुबंध शर्तों के साथ नियुक्त किया जाए। यदि उन्हें प्रवर्तन या राजस्व संबंधी शक्तियां दी जाती हैं, तो उसका विधिवत आदेश, समयबद्ध वैधता और जवाबदेही तंत्र सुनिश्चित किया जाए। साथ ही, मानव संसाधन नीति को इस प्रकार बनाया जाए कि अनुबंध व्यवस्था अपवाद हो, नियम नहीं। शहरी भारत की जटिल चुनौतियां अवैध निर्माण, अनधिकृत बाजार, सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट और राजस्व प्रबंधन मजबूत और उत्तरदायी प्रशासन की मांग करती हैं। यदि प्रशासनिक ढांचा ही अस्थायी और अनिश्चित आधार पर खड़ा होगा, तो जवाबदेही की इमारत कैसे टिकेगी?

शिक्षा में न्यायपालिका: संवाद की जरूरत या विवाद की राजनीति?

ललित गर्ग

शिक्षा मंत्रालय को भी इस अवसर को आत्ममंथन के रूप में लेना चाहिए। विवाद के बाद अध्याय हटाना तात्कालिक समाधान हो सकता है, पर स्थायी समाधान नहीं। आवश्यकता है एक स्वतंत्र, बहुविषयी समीक्षा तंत्र की, जिसमें विधि विशेषज्ञ, पूर्व न्यायाधीश, शिक्षाशास्त्री, समाजशास्त्री और बाल मनोविज्ञान के जानकार शामिल हों।

एक बार फिर शिक्षा से जुड़ा एक प्रश्न राष्ट्रीय विमर्श के केंद्र में है। शिक्षा मंत्रालय और राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) द्वारा प्रकाशित आठवीं कक्षा की सामाजिक विज्ञान की पुस्तक में "हमारे समाज में न्यायपालिका की भूमिका" शीर्षक अध्याय में न्यायपालिका में भ्रष्टाचार और लंबित मुकदमों का उल्लेख किए जाने पर भारत का सर्वोच्च न्यायालय ने नाराजगी प्रकट की। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की यह टिप्पणी कि "किसी को भी न्यायपालिका को बदनाम करने नहीं दिया जाएगा" केवल एक भावनात्मक प्रतिक्रिया नहीं, बल्कि संस्थागत गरिमा की रक्षा का संकेत है। इसके बाद संबंधित अध्याय को हटाने और बाजार में उपलब्ध पुस्तकों को वापस लेने का निर्णय लिया गया।

प्रश्न यह है कि क्या यह केवल एक संपादकीय चूक थी या हमारे शैक्षिक ढांचे में कहीं गहरी संरचनात्मक कमी है? प्रश्न है कि स्कूली बच्चों को 'न्यायपालिका में भ्रष्टाचार' के बारे में जानकारी देने से किस हित की पूर्ति होने वाली है? लेकिन इसमें दो मत नहीं है कि न्यायिक तंत्र के साथ हर क्षेत्र में फैली भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने के ठोस उपाय होने ही चाहिए। सबसे पहले यह भी स्वीकार करना होगा कि न्यायपालिका में लंबित मामलों और भ्रष्टाचार जैसे प्रश्न पूरी तरह काल्पनिक नहीं हैं। न्यायालयों में लंबित मुकदमों की संख्या करोड़ों में है, यह एक सार्वजनिक तथ्य है। कुछ मामलों में न्यायिक आचरण पर भी प्रश्न उठे हैं। परंतु उतना ही सत्य यह भी है कि भारतीय न्यायपालिका ने समय-समय पर अपनी स्वतंत्रता, पारदर्शिता और सक्रियता से लोकतंत्र की रक्षा की है। पिछले वर्षों में शीर्ष न्यायाधीशों द्वारा अपनी संपत्तियों का सार्वजनिक विवरण देने की सहमति जैसे कदमों ने संस्थागत पारदर्शिता को सुदृढ़ किया है। ऐसे में प्रश्न यह नहीं है कि समस्या है या नहीं, प्रश्न यह है कि उसे किस भाषा, किस संतुलन और किस शैक्षिक दृष्टि से प्रस्तुत किया जाए।

शिक्षा का उद्देश्य केवल तथ्य देना नहीं, दृष्टि देना है। यदि हम बच्चों को यह सिखाते हैं कि न्यायपालिका में भ्रष्टाचार है, तो साथ ही यह भी सिखाना होगा कि न्यायपालिका ने भ्रष्टाचार से लड़ने में कैसी भूमिका निभाई है, उसने प्रशासनिक दुरुपयोग पर कैसे अंकुश लगाया है, नागरिक अधिकारों की रक्षा में कैसे ऐतिहासिक निर्णय दिए हैं। शिक्षा में आलोचना हो, पर निराशा नहीं, तथ्य हों, पर संतुलन भी हो। यदि किसी अध्याय में केवल संस्थागत विकृतियों का उल्लेख हो और सुधारात्मक प्रयासों, आदर्श उदाहरणों और संवैधानिक मूल्यों का समुचित विवेचन न हो, तो वह शिक्षा में मूल्यों एवं आदर्शों के बजाय अविश्वास का बीजारोपण बन सकता है। यह विवाद एक बड़े प्रश्न को भी जन्म देता है- पाठ्य पुस्तकों की निर्माण प्रक्रिया में बहुस्तरीय समीक्षा के बावजूद ऐसी सामग्री कैसे प्रकाशित हो जाती है? क्या संपादकीय बोर्ड में विविध दृष्टिकोणों का अभाव है? क्या विधि विशेषज्ञों, शिक्षाशास्त्रियों और मनोवैज्ञानिकों के बीच समन्वय पर्याप्त नहीं है? एक लोकतांत्रिक समाज में संस्थाओं की आलोचना वर्जित नहीं हो सकती, पर आलोचना और अवमूल्यन के बीच महीन रेखा होती है। शिक्षा मंत्रालय और एनसीईआरटी जैसी संस्थाओं का दायित्व है कि वे इस रेखा को पहचानें।

न्यायपालिका की गरिमा का प्रश्न भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। लोकतंत्र तीन स्तंभों-विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका पर आधारित है। यदि किसी एक स्तंभ के प्रति बच्चों के मन में अविश्वास की भावना बिना सम्यक विश्लेषण के उत्पन्न हो जाए, तो यह दीर्घकाल में लोकतांत्रिक संस्कृति के लिए हानिकारक हो सकता है। परंतु गरिमा की रक्षा का अर्थ यह भी नहीं कि समस्याओं पर मौन साध लिया जाए। गरिमा और पारदर्शिता परस्पर विरोधी नहीं, बल्कि पूरक हैं। न्यायपालिका की वास्तविक प्रतिष्ठा उसकी आलोचना सहने की क्षमता, आत्मसुधार की तत्परता और नैतिक दृढ़ता से बढ़ती है।

यह भी स्मरणीय है कि भ्रष्टाचार केवल न्यायपालिका तक सीमित समस्या नहीं है। हाल ही में ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल की इसी महीने जारी रिपोर्ट के मुताबिक करप्शन परसेप्शन इंडेक्स में 182 देशों के बीच भारत की रैंक 91 है। पिछले साल के मुकाबले भारत ने 5 स्थान का सुधार किया है, यह स्थिति सुधार के बावजूद मध्य स्तर पर बनी हुई बताई गई है। इसका अर्थ है कि भ्रष्टाचार एक संरचनात्मक, सामाजिक और प्रशासनिक चुनौती है। यदि हम बच्चों को इसके बारे में पढ़ाते हैं तो उसे एक समग्र सामाजिक संदर्भ में पढ़ाया जाना चाहिए कि यह समस्या क्यों उत्पन्न होती है, इसे रोकने के लिए क्या संवैधानिक तंत्र हैं, नागरिकों की क्या भूमिका है और सुधार की संभावनाएं क्या हैं। केवल किसी एक संस्था को केंद्र में रखकर समस्या का चित्रण करना न तो शैक्षिक रूप से न्यायोचित है और न ही संवैधानिक संतुलन के अनुरूप।

न्यायपालिका की गरिमा का प्रश्न भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। लोकतंत्र तीन स्तंभों-विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका पर आधारित है। यदि किसी एक स्तंभ के प्रति बच्चों के मन में अविश्वास की भावना बिना सम्यक विश्लेषण के उत्पन्न हो जाए, तो यह दीर्घकाल में लोकतांत्रिक संस्कृति के लिए हानिकारक हो सकता है। परंतु गरिमा की रक्षा का अर्थ यह भी नहीं कि समस्याओं पर मौन साध लिया जाए। गरिमा और पारदर्शिता परस्पर विरोधी नहीं, बल्कि पूरक हैं। न्यायपालिका की वास्तविक प्रतिष्ठा उसकी आलोचना सहने की क्षमता, आत्मसुधार की तत्परता और नैतिक दृढ़ता से बढ़ती है। इस संदर्भ में एक नई शैक्षिक संरचना की आवश्यकता अनुभव होती है। पाठ्य पुस्तकों में "संस्थागत अध्ययन" का प्रारूप इस प्रकार विकसित किया जा सकता है जिसमें तीन आयाम हों-संविधान द्वारा प्रदत्त भूमिका, वास्तविक चुनौतियां और सुधार की पहल। उदाहरण के लिए, न्यायपालिका पर अध्याय में उसके ऐतिहासिक निर्णय, जनहित याचिका की परंपरा, मौलिक अधिकारों की रक्षा, साथ ही लंबित मामलों की समस्या और न्यायिक सुधार आयोगों की सिफारिशों का संतुलित उल्लेख किया जाए। इससे छात्र न तो अंधभक्त बनेंगे और न ही निंदक, वे सजग नागरिक बनेंगे।

शिक्षा मंत्रालय को भी इस अवसर को आत्ममंथन के रूप में लेना चाहिए। विवाद के बाद अध्याय हटाना तात्कालिक समाधान हो सकता है, पर स्थायी समाधान नहीं। आवश्यकता है एक स्वतंत्र, बहुविषयी समीक्षा तंत्र की, जिसमें विधि विशेषज्ञ, पूर्व न्यायाधीश, शिक्षाशास्त्री, समाजशास्त्री और बाल मनोविज्ञान के जानकार शामिल हों। साथ ही, सार्वजनिक परामर्श की परंपरा विकसित की जा सकती है ताकि पाठ्य पुस्तकें केवल सरकारी दस्तावेज न रहकर सामाजिक सहमति का दस्तावेज बनें। न्यायपालिका भी इस प्रसंग में रचनात्मक पहल कर सकती है। यदि वह स्वयं विद्यालयों और विश्वविद्यालयों के लिए न्यायिक साक्षरता कार्यक्रम आरंभ करे, न्यायालयों के कार्यप्रणाली पर सरल और संतुलित अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराए, तो इससे भ्रांतियों का निवारण होगा। न्यायपालिका की पारदर्शिता और संवादशीलता उसकी गरिमा को और सुदृढ़ करेगी।

अंततः यह विवाद हमें यह सोचने को विवश करता है कि हम अपने बच्चों को कैसी नागरिकता का संस्कार देना चाहते हैं। क्या हम उन्हें केवल समस्याओं का बोध देंगे या समाधान की प्रेरणा भी देंगे? क्या हम उन्हें संस्थाओं पर अविश्वास करना सिखाएँगे, या सुधार में सहभागी बनने की चेतना से सम्पन्न बनायेंगे? लोकतंत्र का भविष्य पाठ्य पुस्तकों की पंक्तियों में ही आकार लेता है। इसलिए आवश्यक है कि शिक्षा में सत्य हो-पर संतुलित, आलोचना हो-पर रचनात्मक और संस्थाओं की गरिमा अक्षुण्ण रखते हुए सुधार की राह भी खुली रहे। भ्रष्टाचार एक गंभीर राष्ट्रीय चुनौती है, पर उसका समाधान संस्थाओं को कटघरे में खड़ा कर देने से नहीं, बल्कि उन्हें अधिक उत्तरदायी और पारदर्शी बनाकर ही निकलेगा। शिक्षा का कार्य इसी संतुलन को साधना है। यदि यह विवाद हमें अधिक परिपक्व, संवादशील और उत्तरदायी शैक्षिक व्यवस्था की ओर ले जाए, तो यह एक नई दिशा, नई दृष्टि और नई संरचना के प्रादुर्भाव का अवसर सिद्ध हो सकता है। लोकतंत्र की सच्ची शक्ति आलोचना और आत्मसुधार के समन्वय में ही निहित है, और यही संतुलन हमारी पाठ्य पुस्तकों में भी प्रतिबिंबित होना।

उपभोक्ता कानून में शीघ्र न्याय दिला सकती कृत्रिम बुद्धिमत्ता!

डॉ श्रीगोपाल नारसन

एआई का उपभोक्ता कानून में उपयोग सन 2023 में पहली बार शुरू किया गया था।आईआईटी बॉम्बे के कंप्यूटर साइंस और इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट के प्रोफेसर डॉ. पुष्पक भट्टाचार्य और उनकी की टीम ने यह चैटबॉट तैयार किया है।साथ ही एनएलएसआईयू बेंगलुरु के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. राहुल हेमराजानी और उनकी टीम ने कानूनी पहलुओं को जोड़ते हुए इस चैटबॉट को प्रशिक्षित किया। डॉ. पुष्पक भट्टाचार्य और डॉ. राहुल हेमराजानी के इस प्रोजेक्ट में उपभोक्ता मंत्रालय नॉलेज पार्टनर था। उपभोक्ताओं की समस्याओं के समाधान में एआई बेहद कारगर है।इसी के कारण उपभोक्ता शिकायतों की संख्या व समाधान में इजाफा हुआ है।

उपभोक्ता कानून में एआई (कृत्रिम बुद्धिमत्ता) का उपयोग रियल-टाइम डेटा विश्लेषण द्वारा खरीदारी के पैटर्न को समझने, शिकायतों के तेजी से निपटान, और क्रेडिट कार्ड धोखाधड़ी को रोकने के लिए किया जा रहा है। यह तकनीक उपभोक्ता सेवा की गुणवत्ता पर नजर रखने में सहायक सिद्ध हो रही है। उपभोक्ता मंत्रालय उपभोक्ताओं की शिकायतो को सुनने और उसका समाधान देने के लिए एआई का इस्तोमाल कर रहा है।एआई के कारण शीघ्र समाधान के चलते डिजिटल शिकायतों की संख्या में बढ़ोतरी हुई है।

एआई का उपभोक्ता कानून में उपयोग सन 2023 में पहली बार शुरू किया गया था।आईआईटी बॉम्बे के कंप्यूटर साइंस और इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट के प्रोफेसर डॉ. पुष्पक भट्टाचार्य और उनकी की टीम ने यह चैटबॉट तैयार किया है।साथ ही एनएलएसआईयू बेंगलुरु के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. राहुल हेमराजानी और उनकी टीम ने कानूनी पहलुओं को जोड़ते हुए इस चैटबॉट को प्रशिक्षित किया। डॉ. पुष्पक भट्टाचार्य और डॉ. राहुल हेमराजानी के इस प्रोजेक्ट में उपभोक्ता मंत्रालय नॉलेज पार्टनर था। उपभोक्ताओं की समस्याओं के समाधान में एआई बेहद कारगर है।इसी के कारण उपभोक्ता शिकायतों की संख्या व समाधान में इजाफा हुआ है।आंकड़ो पर गौर करे तो

दिसंबर, 2015 देश में जहां 12,553 उपभोक्ताओं की शिकायत दर्ज हुई थीं, वहीं अब यह संख्याआ बढ़कर 1,55, 138 हो गई है।सन 2023 में इन शिकायतों के समाधान में सामान्यत: 66.26 दिन लगते थे, जबकि सन 2024 में यह अवधि घटकर 48 दिन रह गई।वही

जिन कंपनियों के खिलाफ शिकायतें अधिक होती हैं, उनको कन्वर्जेंस पार्टनर बनाया जाता है।सन 2017 में ऐसी कंपनियों की संख्यो 263 थी, जो कि अब बढ़कर 1,038 हो गई हैं। एआई बेस प्रोजेक्टब शुरू होने के बाद ये कंपनियां उपभोक्ताओं की समस्याओं को प्राथमिकता दे रही हैं।देश में 53 प्रतिशत से अधिक लोग ऐसे हैं, जो सरकारी पोर्टल का उपयोग नहीं कर पाते हैं। ऐसे में एआई चैटबॉट उनकी मदद करेगा। हाल ही में गपशप प्लेसटफॉर्म ने उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के साथ मिलकर जागृति एआई चैटबॉट लॉन्च किया है,जो उपभोक्ताओं के लिए मील का पत्थर है। कानून के क्षेत्र में एआई न्याएय गुरु देश का पहला एआई आधारित लीगल चैटबॉट है। यह लोगों को न सिर्फ ऑनलाइन कानूनी सलाह देता है, बल्कि कानूनी तौर पर उनके अधिकारों को समझने में मदद भी करता है।इसके लिए उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर होम पेज पर चैटबॉट का आइकन पर क्लिक करना होगा।इस एआई चैटबॉट पर उपभोक्ता अपनी शिकायत दर्ज कर सकते है।चैटबॉट आपकी शिकायत के आधार पर कानूनी दस्तावेज, नोटिस या आवेदन तैयार करने में सहायता करता है।

ग्राहक न्याय का उद्देश्य उपभोक्ताओं को सशक्त बनाना और उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान प्रदान करना है।उपभोक्ता मंत्रालय राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन को कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) से सशक्त बना रहा है जिससे उपभोक्ता शिकायतों का समाधान 45 दिनों की बजाय सिर्फ 7 दिनों में हो सकेगा। उत्पाद की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए भारतीय मानक ब्यूरो और कानूनी मेट्रोलॉजी नियमित रूप से बाजार का सर्वेक्षण करते हैं, जिससे उपभोक्ताओं के लिए उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों की उपलब्धता को सुनिश्चित करने में मदद मिलती है। इसलिए हम कह सकते है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता अर्थात एआई उपभोक्ताओं को न्याय दिलाने में न सिर्फ मददगार है बल्कि नए जमाने मे शीघ्र,सुलभ व सस्ते न्याय का माध्यम भी बन रहा है।

सपनों को हकीकत में बदलने की कुंजी है विज्ञान

मानव जीवन को विज्ञान ने आज बेहद आसान और सुविधाजनक बना दिया है। युवाओं की विज्ञान के प्रति आज के समय में कितनी रूचि है, इसी पर देश का भविष्य निर्भर करता है। युवाओं के साथ-साथ समाज के प्रत्येक वर्ग के दिलोदिमाग में विज्ञान के प्रति अधिकाधिक रूचि जागृत करने के लिए ही प्रतिवर्ष 28 फरवरी को 'राष्ट्रीय विज्ञान दिवस' मनाया जाता है। दरअसल, इस दिवस के जरिये बच्चों को विज्ञान को बतौर कैरियर चुनने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है ताकि देश की आने वाली पीढ़ी विज्ञान के क्षेत्र में अपना उल्लेखनीय योगदान दे सके और देश प्रगति के मार्ग पर निरन्तर अग्रसर रहे।

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संचार के लिए राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद द्वारा भारत में 28 फरवरी को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के रूप में नामित करने के लिए वर्ष 1986 में भारत सरकार को कहा गया था और सरकार द्वारा इसे स्वीकृति प्रदान किए जाने के बाद से 28 फरवरी 1987 से प्रतिवर्ष इसी दिन भारतीय विज्ञान के क्षेत्र में एक महान कार्यक्रम के रूप में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया जाता रहा है। यह दिवस भारत के महान् वैज्ञानिक भौतिक शास्त्री सर सी.वी. रमन की खोज 'रमन प्रभाव' को सदैव याद रखने और विश्व पटल पर विज्ञान के क्षेत्र में भारत का नाम रोशन करने वाले इस वैज्ञानिक को सम्मान देने के लिए उनकी स्मृति में मनाया जाता है।

पश्चिम बंगाल के कोलकाता में इंडियन एसोसिएशन फॉर द कल्टीवेशन ऑफ साइंस में 1907 से 1933 तक सर चन्द्रशेखर वेंकट रमन ने कार्य किया था। उस दौरान उन्होंने भौतिकी के कई बिन्दुओं पर शोध किया था, जिसमें से 'रमन प्रभाव' (प्रकाश के फैलने पर प्रभाव, जब विभिन्न वस्तुओं के द्वारा उसे गुजारा जाता है) उनकी महान सफलता और खोज बनी, जो न केवल विज्ञान जगत में लोकप्रिय हुआ बल्कि पूरी दुनिया ने उनकी इस खोज को सराहा। सर सीवी रमन की यह खोज 28 फरवरी 1928 को दुनिया के सामने आई थी, जिसके बाद पूरी दुनिया में उनकी इस खोज ने तहलका मचा दिया था। उनके इसी बड़े आविष्कार के लिए वर्ष 1930 में उन्हें भौतिकी के क्षेत्र में दुनिया का सबसे बड़ा माना जाने वाला 'नोबेल पुरस्कार' दिया गया था। वे एशिया के ऐसे पहले व्यक्ति थे, जिन्हें नोबेल पुरस्कार से सम्मानित होने का गौरव हासिल हुआ था। 'रमन प्रभाव' खोज के लिए उन्हें नोबेल पुरस्कार के अलावा भी अनेक पुरस्कारों से सम्मानित किया गया।

नोबेल पुरस्कार प्राप्त करने के पश्चात भारत लौटने पर उन्होंने कहा था कि मेरे जैसे न जाने कितने ही रमन सुविधाओं और अवसरों के अभाव में यूं ही अपनी प्रतिभा गंवा देते हैं, जिससे केवल उनका ही नहीं बल्कि पूरे भारतवर्ष का नुकसान है, जिसे हमें रोकना होगा।'' वर्ष 2013 से अमेरिकन केमिकल सोसायटी द्वारा अंतर्राष्ट्रीय ऐतिहासिक केमिकल लैंडमार्क के रूप में 'रमन प्रभाव' को नामित किया गया। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस प्रतिवर्ष एक निर्धारित थीम के तहत मनाया जाता है। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2026 का विषय है 'विज्ञान में महिलाएं: विकसित भारत को उत्प्रेरित करना'। 2023 से 2025 तक राष्ट्रीय विज्ञान दिवस क्रमशः 'वैश्विक भलाई के लिए वैश्विक विज्ञान', 'विकसित भारत के लिए स्वदेशी तकनीक' और 'विकसित भारत के लिए विज्ञान और नवाचार में वैश्विक नेतृत्व के लिए भारतीय युवाओं को सशक्त बनाना' थीम के साथ मनाया गया था। वर्ष 2022 की थीम थी 'सतत भविष्य के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी में एकीकृत दृष्टिकोण' और वर्ष 2021 की थीम थी 'एसटीआई का भविष्य : शिक्षा कौशल और कार्य का प्रभाव'। एसटीआई का अर्थ है साइंस, टेक्नोलॉजी एंड इनोवेशन। यह विषय शिक्षा कौशल और कार्य पर विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार (एसटीआई) के भविष्य में पड़ने वाले प्रभाव पर प्रकाश डालता है। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का सबसे बड़ा उद्देश्य लोगों को हमारे दैनिक जीवन में विभिन्न वैज्ञानिक आविष्कारों की महत्ता से परिचित कराना होता है, इसके अलावा वैज्ञानिक सोच रखने वाले लोगों को अवसर उपलब्ध कराना तथा उन्हें उनके कार्य के लिए प्रोत्साहित करना भी इसका अहम उद्देश्य है। विज्ञान के विकास के लिए नई तकनीकों को लागू कर विज्ञान और प्रौद्योगिकी को लोकप्रिय बनाने जैसे उद्देश्य राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के आयोजन में निहित हैं। विज्ञान के जरिये ही वैज्ञानिकों ने नई-नई तरह की तकनीकों का आविष्कार किया है।

तमिलनाडु विधानसभा चुनाव देश के लिए बनेगा आदर्श उदाहरण : ज्ञानेश

चेन्नई, एजेंसी।

तमिलनाडु में प्रस्तावित विधानसभा चुनाव-2026 को लेकर चुनाव आयोग ने अपनी तैयारियां लगभग पूरी कर ली हैं। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कहा कि राज्य में होने वाला आगामी विधानसभा चुनाव पूरे देश के लिए एक आदर्श उदाहरण साबित होगा।

दो दिवसीय दौरे पर चेन्नई पहुंचे मुख्य चुनाव आयुक्त ने मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों तथा राज्य के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों के साथ चुनावी तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की। दिल्ली लौटने से पूर्व उन्होंने पत्रकारों से बातचीत करते हुए चुनाव प्रबंधन से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां साझा कीं। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव पूरी तरह निष्पक्ष, पारदर्शी एवं कानून के दायरे में संपन्न कराए जाएंगे। मतदान प्रक्रिया को सुरक्षित एवं विश्वसनीय बनाने के लिए सभी मतदान केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे तथा संपूर्ण प्रक्रिया की वीडियो रिकॉर्डिंग की जाएगी। मतदान केंद्रों के भीतर मोबाइल फोन ले जाने पर प्रतिबंध रहेगा और उनके सुरक्षित रख-रखाव के लिए अलग व्यवस्था की जाएगी।

ज्ञानेश कुमार ने बताया कि मतदान कर्मियों को पहचान पत्र उपलब्ध कराए जाएंगे, जिससे कि वे बिना किसी दबाव या भय के स्वतंत्र रूप से कार्य कर सकें। मतदान की प्रगति से संबंधित जानकारी प्रत्येक दो घंटे में ऑनलाइन अपलोड की जाएगी। फर्जी खबरों और भ्रामक सूचनाओं पर रोक लगाने के लिए सोशल मीडिया की सतत निगरानी की जाएगी तथा आवश्यक होने पर त्वरित कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने बताया कि राज्य में लगभग 75 हजार मतदान केंद्र स्थापित किए जाएंगे, जहां मतदाताओं के लिए सभी आवश्यक बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इस बार इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) में संबंधित निर्वाचन क्षेत्रों के उम्मीदवारों के रंगीन चित्र भी प्रदर्शित किए जाएंगे, जिससे मतदाताओं को पहचानने में सुविधा होगी।

मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा कि मतदान समाप्त होने के 72 घंटे के भीतर सभी चुनावी आंकड़े आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड कर दिए जाएंगे। मतों में किसी प्रकार की विसंगति की शिकायत मिलने पर तत्काल वीवीपैट पर्चियों की गिनती कराई जाएगी। अंतिम दो चरणों के मतदान से पूर्व ही डाक मतपत्रों की गणना प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी।

उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष नवंबर में मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण किया गया था, जिसके तहत मृत एवं स्थानांतरित मतदाताओं के नाम हटाए गए। इसके बाद राज्य में कुल मतदाताओं की संख्या 6.41 करोड़ से घटकर 5.67 करोड़ रह गई है। इनमें 2.77 करोड़ पुरुष, 2.89 करोड़ महिला तथा 7,617 तृतीय लिंग मतदाता शामिल हैं। आगामी चुनाव में लगभग 12.50 लाख मतदाता पहली बार अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे।

ज्ञानेश कुमार ने तमिलनाडु के मतदाताओं को तमिल भाषा में शुभकामनाएं देते हुए लोकतंत्र को सशक्त बनाने के लिए अधिक से अधिक मतदान करने की अपील की। चुनाव संबंधी जानकारी के लिए आम नागरिक जिला संपर्क केंद्रों के टोल-फ्री नंबर 1950 तथा मुख्य चुनाव अधिकारी कार्यालय के हेल्पलाइन नंबर 1800-4252-1950 पर संपर्क कर सकते हैं। चुनाव आयोग ने मतदाताओं से जागरूक रहकर स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने का आग्रह किया है।

कूचबिहार एयरपोर्ट पर फिर थमी उड़ान सेवा

कूचबिहार, एजेंसी। कूचबिहार एयरपोर्ट पर विमान सेवा को लेकर एक बार फिर अनिश्चितता की स्थिति बन गई है। सप्ताह में एक दिन उड़ान भरने की घोषणा के बावजूद 19 फरवरी के बाद 26 फरवरी को भी विमान नहीं उतरा। 12 फरवरी को सेवा दोबारा शुरू होने के दिन ही आखिरी बार विमान उतरा था। इसके बाद लगातार दो सप्ताह तक उड़ान नहीं आने से शहर में तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं।

जानकारी के अनुसार, राजशाही काल में कूचबिहार से नियमित उड़ान सेवा संचालित होती थी। लेकिन वाम शासन के दौरान अनियमितता के बाद वर्ष 1995 में सेवा पूरी तरह बंद कर दी गई। वर्ष 2011 में राज्य में नई सरकार बनने के बाद कुछ समय के लिए सेवा फिर शुरू हुई, पर वह भी कुछ वर्षों में बंद हो गई।

केंद्रीय मंत्री रहे निसिथ प्रमाणिक की पहल पर 21 फरवरी, 2023 से 9-सीटर विमान सेवा शुरू की गई थी। यह सेवा केंद्र सरकार की उड़ान (उड़े देश का आम नागरिक) योजना के तहत संचालित हो रही थी। हालांकि, एक फरवरी से वह सेवा भी बंद हो गई। प्रशासन और अन्य संबंधित पक्षों के अभियानों के बाद संबंधित विमान कंपनी ने 12 फरवरी से सप्ताह में एक दिन उड़ान संचालित करने का फैसला लिया था।

एयरपोर्ट सूत्रों के अनुसार, 5 मार्च के बाद नियमित सेवा शुरू करने की योजना थी।

सबूतों के अभाव में बरी हुए केजरीवाल : भाजपा

नई दिल्ली, एजेंसी।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने आम आदमी पार्टी (आआपा) के संयोजक अरविंद केजरीवाल को आबकारी घोटाले के सीबीआई से संबंधित मामले में बरी किए जाने पर कहा कि अदालत ने सबूतों के अभाव में उन्हें बरी किया है।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने गुरुवार को पार्टी कार्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि यह एक तकनीकी मामला है और इसमें सैकड़ों मोबाइल फोन और सिम कार्ड नष्ट किए गए।

सांसद मनोज तिवारी ने कहा कि केजरीवाल सबूतों के अभाव में अदालत से बरी हुए हैं। सभी लोग जानते हैं कि सबूतों को नष्ट करने के लिए 173 मोबाइलों को नष्ट किया गया। भाजपा के नेता हर समय सबूतों को नष्ट करने के बात कहते रहे। आआपा नेताओं की सच्चाई दिल्ली की जनता जानती है, इसलिए उन्होंने सजा देकर आआपा को सत्ता से बाहर किया।

तिवारी ने कहा कि कानून को सबूत नष्ट करके ज्यादा देर तक भ्रमित नहीं कर सकते हैं। सीबीआई उच्च अदालत जा रही है और दिल्ली को लूटने वाले भ्रष्टाचारियों को सजा जरूर मिलेगी।

अगर आबकारी नीति में कोई भ्रष्टाचार नहीं हुआ था तो उसे केजरीवाल ने हटाया क्यों ? उच्चतम न्यायालय ने भी इस मामले में केजरीवाल को मुख्यमंत्री के तौर पर फाइलों पर साइन करने से रोक था।

शाइन सिटी घोटाले का मुख्य आरोपित यूएई में गिरफ्तार

लखनऊ, एजेंसी। शाइन सिटी घोटाले मामले के फरार मुख्य आरोपित राशिद नसीम को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में गिरफ्तार किया गया है। यह कार्रवाई प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अनुरोध पर हुई है। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, यूपी में निवेश धोखाधड़ी और धन शोधन के मामले में भगोड़े राशिद नसीम के खिलाफ लखनऊ समेत कई जिलों में मुकदमें दर्ज हैं। उस पर आरोप है कि उसने निवेश के नाम पर लोगों से लुभावने रिटर्न का वादा कर करोड़ों की ठगी की है। पुलिस का शिकंजा कसता देख 2019 में राशिद नसीम देश छोड़कर दुबई फरार हो गया था। अब ईडी-ईओडब्ल्यू के के प्रत्यर्पण के अनुरोध पर दुबई पुलिस ने उसे पकड़ लिया।

बौद्ध धर्म एक जीवन पद्धति है: रिजिजू

नई दिल्ली, एजेंसी।

संसदीय मामलों एवं अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने शुक्रवार को कहा कि बौद्ध धर्म केवल एक पहचान नहीं बल्कि एक जीवन पद्धति है।

किरेन रिजिजू ने यह बात आज नई दिल्ली स्थित सार्वजनिक उद्यमों के स्थायी सम्मेलन कॉम्प्लेक्स में ₹आधुनिक भारत में बौद्ध धर्मः सांस्कृतिक और सामाजिक मार्ग पर आगे बढ़ना₹ विषय पर आयोजित एक विशेष संगोष्ठी में कही।

रिजिजू ने कहा, बुद्ध धर्म अपनाने के लिए किसी कठिन तकनीकी प्रक्रिया की आवश्यकता नहीं है, उनके मूल विचारों को जीवन में उतारना ही सच्चा बौद्ध होना है। उन्होंने कहा कि कोई भी व्यक्ति चाहे वह किसी भी धर्म का हो बुद्ध के बताए सत्य और अहिंसा के मार्ग पर चल सकता है। शांति स्थापित करने के लिए शक्तिशाली बनना आवश्यक है, और यदि शक्ति बुद्ध के ज्ञान के साथ आती है, तो वह समाज की रक्षा करती है। मंत्री ने कहा कि भारत सरकार बौद्ध विरासत के संरक्षण, संवर्धन और वैश्विक प्रसार के लिए प्रतिबद्ध है। करुणा, सहिष्णुता और सह-अस्तित्व के बौद्ध मूल्यों पर चलते हुए समावेशी विकास को आगे बढ़ाया जाएगा। भारत बुद्ध की जन्मभूमि है और विश्वभर के बौद्धों की आस्था का केंद्र है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने वैश्विक मंचों पर यह स्पष्ट संदेश दिया है, भारत ने दुनिया को बुद्ध दिया है युद्ध नहीं।

पिछले 12 वर्षों में देश ने अभूतपूर्व प्रगति की है : शेखावत

जोधपुर, एजेंसी।

केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 12 वर्षों में देश ने अभूतपूर्व प्रगति की है। उन्होंने कहा कि एक ओर भारत की सामरिक शक्ति में जबरदस्त इजाफा हुआ है, तो दूसरी ओर रक्षा साजो-सामान के स्वदेशी निर्माण की क्षमता भी तेजी से बढ़ी है।

केंद्रीय मंत्री शुक्रवार को दिल्ली से जोधपुर पहुंचे और अपने निवास स्थान पर गणमान्य लोगों से मुलाकात की। इस दौरान मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि एक समय ऐसा था जब भारत रक्षा क्षेत्र में दुनिया के सबसे बड़े आयातकों में गिना जाता था, लेकिन अब देश निर्यातक बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि तेजस लड़ाकू विमान से लेकर मिसाइल और बुलेटप्रूफ जैकेट तक, आज सब कुछ भारत में ही निर्मित हो रहा है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि राष्ट्रपति की मौजूदगी में होने वाला वायुसेना का प्रदर्शन देश की उच्चतम सैन्य क्षमता का परिचायक होगा।

उन्होंने कहा कि सीमावर्ती क्षेत्र में इस तरह का आयोजन होने से वहां रहने वाले लोगों का भारत की ताकत और क्षमता पर भरोसा और मजबूत होगा।

आतंकवाद के मुद्दे पर शेखावत ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने 'जीरो टॉलरेंस' की नीति अपनाई है और यह नीति वैश्विक स्तर पर लागू होती है। उन्होंने कहा कि आज वे देश भी आतंकवाद के खिलाफ सख्त रुख अपना रहे हैं, जो पहले इसे बढ़ावा देते रहे हैं। शेखावत ने पश्चिम बंगाल की सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस पर भी कड़ा हमला बोला।

मलयाली साहित्यकार प्रधानमंत्री से मिले

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रख्यात मलयाली साहित्यकारों के एक समूह ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री से मुलाकात कर केरल का नाम बदलकर केरलम किए जाने पर आभार व्यक्त किया। प्रधानमंत्री कार्यालय ने इसकी जानकारी दी।

प्रधानमंत्री ने एक्स पर कहा कि वे प्रख्यात मलयाली साहित्यकारों से मिलकर अत्यंत प्रसन्न हैं और यह संवाद अत्यंत ज्ञानवर्धक रहा।

प्रधानमंत्री ने आगे कहा कि इस मुलाकात से केरलम और मलयालम के प्रति साहित्यकारों की अटूट प्रतिबद्धता स्पष्ट हुई। प्रधानमंत्री ने कहा, केरल का नाम बदलकर केरलम किए जाने पर आभार व्यक्त करने आए प्रख्यात मलयाली साहित्यकारों के समूह से मिलकर अत्यंत प्रसन्न हूं। यह संवाद अत्यंत ज्ञानवर्धक रहा और इससे केरलम और मलयालम के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता झलकती है।

भारत-यूरोपीय संघ मुक्त समझौते से वस्त्र उद्योग की वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाएगा: राधाकृष्णन

नई दिल्ली, एजेंसी।

उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने शुक्रवार को कहा कि भारत-यूरोपीय संघ मुक्त समझौता वस्त्र उद्योग की वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाएगा। सीपी राधाकृष्णन ने यह बात आज तमिलनाडु के सलेम स्थित भारतीय हथकरघा प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईएचटी) के नवनिर्मित शैक्षणिक भवन का उद्घाटन के अवसर पर कही। इस अवसर पर उन्होंने भारत की समृद्ध हथकरघा विरासत को तकनीक के साथ जोड़ने और इसे भविष्य के लिए तैयार एक 'रचनात्मक उद्योग' बनाने पर जोर दिया।

उपराष्ट्रपति ने हथकरघा को भविष्य के लिए तैयार रचनात्मक उद्योग में बदलने का आह्वान करते हुए कहा कि आईआईएचटी सलेम स्वदेशी शिल्प कौशल और आधुनिक वस्त्र विज्ञान के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी का काम करता है। पारंपरिक ज्ञान को समकालीन तकनीक के साथ मिलाकर संस्थान ने उत्पादकता बढ़ाई है गुणवत्ता मानकों में सुधार किया है और बाजार-उन्मुख उत्पादन को सक्षम बनाया है।साथ ही हाथ से बुने हुए वस्त्रों की प्रामाणिकता को भी संरक्षित किया है। भारत की समृद्ध हथकरघा विरासत पर प्रकाश डालते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि वाराणसी के रेशमी ब्रोकेड, बंगाल के जामदानी असम के मूगा रेशम कश्मीर के कानी शॉल आंध्र प्रदेश के वेंकटगिरी और मंगलगीरी बुनाई से लेकर मध्य प्रदेश की माहेश्वरी और चंदेरी साड़ियों तक भारतीय हथकरघा उत्पादों ने अपनी शिल्प कौशल और सांस्कृतिक विरासत के लिए वैश्विक मान्यता अर्जित की है।

उन्होंने तमिलनाडु की जीवंत बुनाई परंपराओं को भी रेखांकित किया जिनमें चेट्टीनाडु कंडांगी साड़ियां कांचीपुरम रेशम अरानी रेशम थिरुबुवनम रेशम चेन्निमलाई कंबल नागरकोइल वेष्टि तौलिए और मदुरै सुंगुडी साड़ियां शामिल हैं।

इस क्षेत्र की वृद्धि पर भरोसा जताते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि सलेम से यूरोपीय संघ को होने वाले वस्त्र निर्यात में उल्लेखनीय वृद्धि होने की संभावना है। अंबूर से चमड़े के निर्यात में भी काफी वृद्धि होने की उम्मीद है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि 56 देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते न केवल वस्त्र क्षेत्र को लाभ पहुंचाएंगे बल्कि चमड़ा और अन्य विनिर्माण उद्योगों जैसे संबद्ध क्षेत्रों के लिए भी विकास के अवसर पैदा करेंगे। केंद्रीय वस्त्र मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि आईएचटी सलेम में नए अकादमिक ब्लॉक का उद्घाटन केवल एक इमारत का उद्घाटन नहीं है बल्कि बुनकरों को सशक्त बनाने और हथकरघा क्षेत्र का आधुनिकीकरण करने की दृष्टि को सुदृढ़ करने का प्रतीक है।

सार समाचार

केंद्र ने झारखंड के लिए जारी किए 275 करोड़

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने शुक्रवार को झारखंड की ग्रामीण प्रशासनिक व्यवस्था को सशक्त बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है। 15वें वित्त आयोग की सिफारिशों के तहत राज्य की पंचायती राज संस्थाओं (पीआरआई) और ग्रामीण स्थानीय निकायों (आरएलबी) के लिए 275.1253 करोड़ रुपये की राशि जारी की गई है। पंचायती राज मंत्रालय के अनुसार यह राशि वित्त वर्ष 2024-25 के लिए अप्रतिबंधित अनुदान की दूसरी किस्त है। इससे राज्य की सभी पात्र 24 जिला पंचायतों, 253 ब्लॉक पंचायतों और 4,342 ग्राम पंचायतों को लाभ मिलेगा।

तेज भूकंप से कांपा पूरा बंगाल

कोलकाता, एजेंसी। शुक्रवार दोपहर एक बार फिर तेज भूकंप के झटकों से समूचा बंगाल दहल उठा। दोपहर करीब 1:20 बजे कोलकाता और आसपास के जिलों में जोरदार झटके महसूस किए गए। अचानक आए भूकंप से दहशत फैल गई और लोग घरों व दफ्तरों से बाहर निकलकर सड़कों पर आ गए। लोगों का कहना है कि इस तरह का तीव्र कंपन उन्होंने पहले कभी महसूस नहीं किया था। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 4.9 से 5 के बीच रही। वहीं, कई मोबाइल अलर्ट में इसकी तीव्रता पांच बताई गई। ऊंची इमारतों में रहने वाले लोगों ने तेज झटकों का अनुभव किया। भूकंप का असर लगभग एक मिनट तक महसूस किया गया। सूत्रों के मुताबिक, यह भूकंप सिर्फ बंगाल तक सीमित नहीं रहा, बल्कि पड़ोसी देश बांग्लादेश में भी इसके झटके महसूस किए गए।

बंगाल में बेलडांगा हिंसा मामले की जांच एनआईए को सौंपी

कोलकाता, एजेंसी।

लंबे गतिरोध के बाद पश्चिम बंगाल पुलिस ने शुक्रवार को मुर्शिदाबाद जिले के अल्पसंख्यक बहुल बेलडांगा में हुई हालिया हिंसा मामले की केस डायरी राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को सौंपने पर सहमति दे दी। यह जांच राष्ट्रीय जांच एजेंसी को कलकत्ता हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट से अनुमति मिलने के बाद सौंपी गई है। राज्य पुलिस ने कोलकाता की एक ट्रायल अदालत को भी केस डायरी एनआईए को सौंपने के अपने निर्णय की जानकारी दी। इसके बाद अदालत ने सात आरोपितों को सात दिनों की एनआईए हिरासत में भेजने का आदेश दिया। शेष 24 आरोपित इस अवधि के दौरान न्यायिक हिरासत में रहेंगे।

शुक्रवार को जब ट्रायल कोर्ट ने राज्य पुलिस को केस डायरी एनआईए को सौंपने का निर्देश दिया, तब राज्य पुलिस के वकील ने अदालत कक्ष में ही दस्तावेज तत्काल हस्तांतरित करने की पेशकश की।

हालांकि, एनआईए के वकील ने इस प्रस्ताव को अस्वीकार करते हुए निर्धारित औपचारिक प्रक्रिया का पालन करने पर जोर दिया और कहा कि केस डायरी कोलकाता स्थित एनआईए कार्यालय में विधिवत सौंपी जाए। बाद में राज्य पुलिस ने प्रक्रिया के अनुसार दस्तावेज सौंपने पर सहमति जताई।

उल्लेखनीय है कि जनवरी में बेलडांगा में झारखंड में एक प्रवासी मजदूर की कथित हत्या की फर्जी सूचना प्रसारित होने के बाद तनाव और हिंसा भड़क उठी थी। बाद में झारखंड पुलिस ने पोस्टमार्टम रिपोर्ट का हवाला देते हुए इसे आत्महत्या का मामला बताया था।

पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने मामले की जांच एनआईए से कराने की मांग को लेकर कलकत्ता हाई कोर्ट का रुख किया था। उच्च न्यायालय द्वारा एनआईए जांच की अनुमति दिए जाने के बाद राज्य सरकार ने आदेश को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी, लेकिन शीर्ष अदालत ने हस्तक्षेप से इनकार कर दिया।

इसके बावजूद कुछ समय तक गतिरोध बना रहा और राज्य पुलिस ने प्रारंभ में केंद्रीय एजेंसी को केस डायरी सौंपने से इनकार कर दिया था। अब औपचारिक रूप से जांच की कमान एनआईए के हाथों में आ गई है।

छग में प्रशासनिक फेरबदल

रायपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ सरकार ने शुक्रवार को 11 आईएएस अधिकारियों का तबादला आदेश जारी किया है। केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर दिल्ली जा रहे बलौदा बाजार के कलेक्टर दीपक सोनी की जगह अब कुलदीप शर्मा को नया कलेक्टर नियुक्त किया गया है। इसके साथ ही राज्य प्रशासनिक सेवा से आईएएस बने नौ अधिकारियों को भी नई पोस्टिंग दी गई है। जारी आदेश के अनुसार, डॉ. सीआर प्रसन्ना (2006 बैच), सचिव सहकारिता विभाग को उनके वर्तमान दायित्वों के साथ आयुक्त सहकारिता एवं रजिस्ट्रार, सहकारी समितियां का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। वहीं कुलदीप शर्मा (2014 बैच), रजिस्ट्रार सहकारी संस्थाएं को अस्थायी रूप से कलेक्टर, जिला बलौदाबाजार-भाटापारा पद पर पदस्थ किया गया है।

बोत्स्वाना से आज कूनो पहुंचेंगे 8 चीते

भोपाल, एजेंसी।

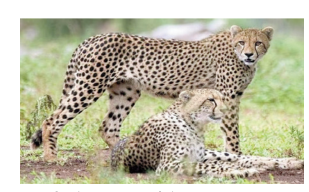

बोत्सवाना से आठ चीतों की खेप शनिवार, 28 फरवरी को मध्य प्रदेश आएगी। केंद्रीय वन मंत्री भूपेन्द्र यादव चीतों को कूनो राष्ट्रीय उद्यान के बाड़े में रिलीज करेंगे। इसके साथ ही भारत में चीतों की संख्या 39 से बढ़कर 47 हो जाएगी। इसे लेकर कूनो में तैयारियां पूरी हो चुकी हैं।

जनसम्पर्क अधिकारी केके जोशी ने शुक्रवार को बताया कि श्योपुर जिले के कूनो नेशनल पार्क में अफ्रीकी महाद्वीप से चीतों का तीसरा बड़ा जत्था पहुंचने वाला है। बोत्स्वाना से एयरलिफ्ट किए गए आठ चीते (6 मादा और 2 नर) विशेष विमान से मध्य प्रदेश लाए जा रहे हैं। कूनो एक बार फिर इतिहास रचने को तैयार है। अफ्रीका की धरती से आए फर्राटेदार धावक अब कूनों के जंगलों में वन पारिस्थितिकी को समृद्ध करेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार केन्द्रीय मंत्री सुबह 7.30 बजे नई दिल्ली से विशेष विमान से रवाना होकर प्रातः 8.30 बजे ग्वालियर स्थित राजमाता विजयाराजे सिंधिया एयरपोर्ट पहुंचेगे। यहां से 8.50 बजे ग्वालियर से हेलिकॉप्टर की मदद से कूनो नेशनल पार्क के लिए प्रस्थान करेंगे। प्रातः 9.20 बजे कूनो स्थित हेलिपेड पहुंचेंगे। यहां बोत्सवाना से लाए जा रहे चीतों को कूनो पार्क मे छोड़ेंगे।

पद्मश्री डॉ. बीके जैन का निधन, सीएम ने व्यक्त किया दुख

भोपाल, एजेंसी।

मध्य प्रदेश के चित्रकूट में सेवा और समर्पण की मिसाल माने जाने वाले जानकीकुंड नेत्र चिकित्सालय के ट्रस्टी पद्मश्री से सम्मानित चिकित्सक डॉ. बीके जैन का निधन हो गया। उन्होंने शुक्रवार की शाम 72 वर्ष की आयु में जानकी कुंड चिकित्सालय में अंतिम सांस ली।

उनके निधन की पुष्टि सद्गुरु सेवा संघ ट्रस्ट परिवार द्वारा की गई है। बताया गया है कि पद्मश्री डॉ. जैन पिछले कई महीनों से अस्वस्थ चल रहे थे और मुंबई में उनका उपचार जारी था। हालत गंभीर होने पर उन्हें चित्रकूट स्थित जानकी कुंड चिकित्सालय लाया गया, जहां वेंटिलेटर से हटाए जाने के बाद उनका निधन हुआ। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उनके निधन पर दुख व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जानकीकुंड चिकित्सालय के वरिष्ठ चिकित्सक और सद्गुरू सेवा संघ ट्रस्ट चित्रकूट के निदेशक पद्मश्री डॉ. जैन ने आजीवन नेत्र रोगियों के उपचार का कार्य किया।

उनका योगदान सदैव याद रखा जाएगा। मुख्यमंत्री ने बाबा महाकाल से दिवंगत आत्मा की शांति और शोकाकुल परिजन को यह गहन दुख सहन करने की शक्ति देने की प्रार्थना की है।

पद्मश्री डॉ. जैन सद्गुरु सेवा संघ ट्रस्ट के डायरेक्टर और जानकीकुंड नेत्र चिकित्सालय के ट्रस्टी के रूप में लंबे समय से सेवा कार्यों से जुड़े रहे।

युवाओं ने अपनी मेहनत, सोच और नए प्रयोगों से भारत को बना दिया स्टार्टअप का बड़ा केंद्र

चुनौतियों के हल के लिए भारत की ओर देख रही दुनिया: बिरला

भोपाल, एजेंसी।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि आज हमारे नौजवानों ने स्टार्टअप की एक नई दुनिया खड़ी कर दी है। अपनी मेहनत, सोच और नए प्रयोगों के दम पर उन्होंने भारत को स्टार्टअप का बड़ा केंद्र बना दिया है। अब हमारे युवा सिर्फ सपने नहीं देख रहे, बल्कि अपने नए विचारों से दुनिया की समस्याओं का हल भी दे रहे हैं।

लोकसभा अध्यक्ष बिरला शुक्रवार को मध्य प्रदेश के इंदौर में वैष्णव विद्यापीठ विश्वविद्यालय के 8वें दीक्षांत समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित इस गरिमामय कार्यक्रम का प्रारंभ वंदे मातरम्, राष्ट्रगान, पारंपरिक दीप प्रज्वलन और मां सरस्वती की वंदना के साथ हुआ।

लोकसभा अध्यक्ष बिरला ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि वैष्णव ट्रस्ट द्वारा किए जा रहे समाजहित के कार्यों ने उन्हें इस समारोह में आने के लिए प्रेरित किया। डिग्री प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राएं अत्यंत सौभाग्यशाली हैं कि उन्हें इस प्रतिष्ठित संस्थान में शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिला। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत का प्रगतिशील भविष्य पूरी तरह से युवाओं की ऊर्जा और उनके विजन पर निर्भर करता है।

उन्होंने कहा कि यह बदलते और विकसित भारत के निर्माण का कालखंड है। आज दुनिया के सभी देश भारत की ओर देख रहे हैं। हमारे नौजवानों की ताकत दुनिया में बढ़ रही है और हमारे जनसांख्यिकीय विभाजन (Demographic Dividend) पर दुनिया की नज़र है। हमारे नौजवानों ने स्टार्टअप की नई दुनिया शुरू कर दी है, भारत को स्टार्टअप बना दिया और और अपने नवाचार के माध्यम से वैश्विक चुनौतियों का समाधान कर रहे हैं।

बिरला ने इंदौर की इस शिक्षा और संस्कार की पावन धरती से देशभर के विद्यार्थियों का आह्वान किया कि वे अपनी भारतीय संस्कृति, अपने मूल्यों और अपनी सोच को साथ लेकर आगे बढ़ें और देश को नई ऊंचाइयों तक पहुँचाने में अपना पूरा योगदान दें। विश्वविद्यालय कैंपस में आपने जो सीखा है, ज्ञानार्जन किया है, उसका सदुपयोग कर नवभारत के निर्माण में जुट जाएं।

विश्वविद्यालय के कुलाधिपति पुरुषोत्तमदास पसारी ने विधिवत रूप से समारोह के उद्घाटन की घोषणा की। उन्होंने अपने स्वागत भाषण में मुख्य अतिथि सहित उपस्थित शिक्षकों, अभिभावकों और उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों का अभिनंदन किया।

समारोह के दौरान कुलगुरु प्रो. (डॉ.) योगेश सी. गोस्वामी ने विश्वविद्यालय का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। उन्होंने संस्थान की शैक्षणिक यात्रा, बीते वर्ष में किए गए महत्वपूर्ण शोध कार्यों, विद्यार्थियों के प्लेसमेंट के आंकड़ों और संस्थागत विकास की विस्तृत जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि किस प्रकार विश्वविद्यालय निरंतर उच्च शिक्षा के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित कर रहा है। कार्यक्रम में मौजूद इंदौर सांसद शंकर लालवानी ने विश्वविद्यालय की शैक्षणिक और सामाजिक सेवा गतिविधियों की प्रशंसा की।

मुख्यमंत्री धामी ने सुप्रसिद्ध मां पूर्णागिरि मेले का किया शुभारंभ

कहा, सरकार 109 दिन चलने वाले इस मेले को वर्ष भर संचालित करने का प्रयास कर रही है

चंपावत,एजेंसी।

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को सुप्रसिद्ध मां पूर्णागिरी के धाम में ऐतिहासिक पूर्णागिरी मेले का विधिवत शुभारंभ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड की पवित्र भूमि देवताओं की भूमि है और प्रदेश के कण-कण में दिव्यता समाई हुई है। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार 109 दिन चलने वाले इस मेले को वर्ष भर संचालित करने का प्रयास कर रही है।

इसके लिए पूर्णागिरि धाम को स्थायी संरचनाओं से सुसज्जित करने का लक्ष्य तय किया गया है।

आगामी वर्षों में यह स्थान और भी भव्य एवं सुव्यवस्थित रूप लेगा जिससे श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएँ मिल सकेंगी। इसे एक विशाल आध्यात्मिक एवं पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्णागिरि धाम के आसपास स्थित सभी प्रमुख धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों को जोड़कर एक विशेष पर्यटन सर्किट विकसित किया जाएगा। इस पहल का उद्देश्य न केवल माँ पूर्णागिरि धाम की यात्रा को और सुविधाजनक बनाना है बल्कि पूरे चम्पावत जिले में पर्यटन को नया आयाम देना भी है।

उन्होंने कहा कि इस सर्किट से श्रद्धालुओं और पर्यटकों को सालभर आकर्षित किया जाएगा, जिससे चम्पावत को धार्मिक और साहसिक पर्यटन के प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित किया जा सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह परियोजना माँ पूर्णागिरि मेले को 12 महीने संचालित करने के लक्ष्य के अनुरूप है और इससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी बढ़ावा मिलेगा। इस सर्किट के तहत पूर्णागिरि धाम के साथ-साथ अन्य प्रमुख मंदिरों ऐतिहासिक स्थलों, प्राकृतिक पर्यटन स्थलों और साहसिक गतिविधियों के केंद्रों को भी जोड़ा जाएगा।

इस पहल से श्रद्धालु केवल माँ पूर्णागिरि धाम तक सीमित न रहकर पूरे क्षेत्र की धार्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत का अनुभव कर सकेंगे। सरकार इस परियोजना को सफल बनाने के लिए बेहतर सड़क संपर्क, संचार व्यवस्था, पर्यटक सुविधाओं और आधारभूत ढांचे के विकास पर विशेष ध्यान दे रही है।

साथ ही पूर्णागिरि धाम में रोपवे निर्माण, मल्टी-लेवल पार्किंग और परिवहन सुविधाओं का विस्तार भी किया जा रहा है जिससे श्रद्धालु और पर्यटक सुगमता से यात्रा कर सकें।

मुख्यमंत्री ने इस मौके पर घोषणाएं भी की जिनमें मां पूर्णागिरि मेला क्षेत्र में भव्य प्रवेश द्वार का निर्माण, कालीगूठ-पूर्णागिरि के साथ ही विभिन्न मेला स्थलों का सौंदर्यकरण, पूर्णागिरि परिसर में विश्राम सेट एवं पुलिया निर्माण के साथ ही विभिन्न सड़कों और संपर्क मार्गों का सुधारीकरण और निर्माण शामिल है। इसी बीच मुख्यमंत्री ने चम्पावत को 74.54 करोड़ की विकास योजनाओं की सौगात दी। इनमें 64.95 करोड़ की 05 योजनाओं का लोकार्पण और09.59 करोड़ की 04 योजनाओं का शिलान्यास शामिल है।

मुख्यमंत्री ने टनकपुर में बहल पेपर मिल द्वारा उपलब्ध कराये गये दो वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह वाहन जनपद की स्वास्थ्य और शिक्षा सेवाओं को बेहतर बनाने में सहायक सिद्ध होंगे। इसमें से एक वाहन चिकित्सा विभाग जबकि दूसरा वाहन राजकीय इंटर कॉलेज, मंच के लिए आवंटित किया गया है, जो विद्यालय के शैक्षणिक कार्यों और छात्र-छात्राओं की आवश्यकताओं के लिए मील का पत्थर साबित होगा।

झारखंड विधानसभा में संक्रमित खून चढ़ाए जाने के मामले को लेकर जोरदार बहस

रांची, एजेंसी।

झारखंड विधानसभा के बजट सत्र के आठवें दिन आज सदन में चाईबासा में बच्चों को कथित रूप से संक्रमित खून चढ़ाए जाने के मामले को लेकर जोरदार बहस हुई। भाकपा-माले के विधायक अरुप चटर्जी ने सदन में यह मामला उठाते हुए कहा कि चाईबासा में बच्चों को संक्रमित खून चढ़ाने की शिकायत सामने आई थी। उन्होंने पूछा कि विभाग की ओर से गठित जांच समिति की रिपोर्ट कब तक आएगी और सरकार ने अब तक क्या कार्रवाई की है। इसके लिखित जवाब में विभाग की ओर से कहा गया कि बच्चों को एचआईवी पॉजिटिव ब्लड नहीं चढ़ाया गया था।

इस पर विधायक अरुण चटर्जी ने मंत्री पर आरोप लगाया कि वे दोषियों को बचाने का प्रयास कर रहे हैं। इसपर स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने सदन में कहा कि मामले की जांच की जा रही है और जांच के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने बताया कि जिन बच्चों को संक्रमित खून चढ़ाए जाने की आशंका जताई गई थी, उनके परिजनों को दो-दो लाख रुपये की सहायता राशि दी गई है। विधायक ने मांग की कि पीड़ित बच्चों का पूरा इलाज सरकार अपने खर्चे पर कराए।

इस पर विधानसभा अध्यक्ष रविंद्र नाथ महतो ने सरकार को निर्देश दिया कि पीड़ितों के उपचार की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए और चल रहे सत्र में ही जांच रिपोर्ट सदन के पटल पर रखी जाए।स्वास्थ्य मंत्री डॉ अंसारी ने कहा कि जांच में समय लगेगा, इसपर विधानसभा अध्यक्ष ने 15 दिन के भीतर जांच रिपोर्ट सदन में प्रस्तुत करने का स्पष्ट निर्देश दिया। मंत्री ने आश्वासन दिया कि यथाशीघ्र जांच कर रिपोर्ट उपलब्ध कराई जाएगी। लेकिन 15 दिन में नहीं होगा, समय लगेगा। सदन में धनबाद स्थित शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज अस्पताल में ऑक्सीजन व्यवस्था का मामला जोरदार ढंग से उठा।

भारतीय जनता पार्टी के विधायक राज सिन्हा ने सदन में कहा कि वर्ष 2020-21 में पीएम केयर फंड से अस्पताल में तीन ऑक्सीजन प्लांट लगाए गए थे, लेकिन वर्तमान में दो प्लांट खराब पड़े हैं। इसके कारण मरीजों को सुचारू रूप से ऑक्सीजन उपलब्ध नहीं हो पा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि खराब प्लांट की मरम्मत को लेकर जिम्मेदारी तय नहीं है कभी सिविल सर्जन को तो कभी मेडिकल कॉलेज के अधीक्षक को निर्देश दिया जाता है।

सार समाचार

अमृतसर में स्कूलों और शताब्दी एक्सप्रेस को बम से उड़ाने की धमकी

अमृतसर,एजेंसी। अमृतसर में स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिलने से हड़कंप मच गया। शहर के एक या अधिक स्कूलों को धमकी भरा ईमेल प्राप्त हुआ, जिसमें स्कूल को बम से उड़ाने की बात कही गई है। साथ ही शताब्दी एक्सप्रेस ट्रेन को भी बम से उड़ाने की धमकी दी गई। पुलिस सूत्रों के अनुसार, अमृतसर पुलिस ने तुरंत कार्रवाई शुरू कर दी है। ईमेल भेजने वाले की पहचान करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

स्कूल प्रशासन को सूचना मिलते ही सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए। कई जगहों पर छात्रों को सुरक्षित निकाला गया और परिसर की जांच के लिए बम निरोधक दस्ता (बम स्क्वॉड) बुलाया गया। अभिभावकों को सूचित किया गया कि वे अपने बच्चों को घर ले जाएं, जिससे स्कूलों के बाहर भीड़ जमा हो गई। यह पहली बार नहीं है जब अमृतसर के स्कूलों को ऐसी धमकियां मिली हैं। इससे पहले भी कई बार शहर के विभिन्न स्कूलों को इसी तरह के बम धमकी वाले ईमेल प्राप्त हो चुके हैं, जिनमें से ज्यादातर मामलों में जांच के बाद धमकियां झूठी साबित हुईं।

कपूरथला में अवारा कुत्तों के काटने के 523 मामले आए

फागवाड़ा,एजेंसी। पंजाब के जिला कपूरथला में पिछले दो महीनों में कुत्ते के काटने के 530 से अधिक मामले सामने आने के साथ, जिले में, विशेष तौर पर फगवाड़ा, आवारा कुत्तों के बढ़ते खतरे को लेकर जनता की चिंता बढ़ रही है, जबकि पशु जन्म नियंत्रण (एबीसी) कार्यक्रम को अभी तक जमीनी स्तर पर प्रभावी ढंग से लागू नहीं किया जा सका है। स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के अनुसार, जिले भर में सैकड़ों निवासियों ने कुत्ते के काटने की घटनाओं के बाद उपचार कराया है, जिनमें से बड़ी संख्या में मामले फगवाड़ा कस्बे और उसके आसपास के इलाकों से सामने आए हैं।

बिहार विधानसभा कार्यवाही अनिश्चित काल के लिए स्थगित

पटना,एजेंसी। बिहार विधानसभा के बजट सत्र की कार्यवाही शुक्रवार को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गईविधान सभा के अध्यक्ष प्रेम कुमार ने भोजनावकाश के आज सभा की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित करने की घोषणा की। दो फरवरी से 27 फरवरी 2026 तक चलने वाले इस सत्र में कुल-अठारह बैठकें हुई। कुमार ने सदन की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित करने से पहले अपने समापन भाषण में कहा कि बिहार कृषि प्रधान और ऋषि प्रधान राज्य रहा है। हमें किसानों और जवानों के लिए और बहुत कुछ करने की आवश्यकता है, जिससे विकसित बिहार से विकसित भारत का सपना पूरा होगा। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि इस सत्र का आगाज पहले दिन 02 फरवरी को सेन्ट्रल हॉल में राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान के संबोधन के साथ हुआ।

हमारे दो साल का मतलब पक्के इरादे-ठोस नीतियां, काम ज्यादा-समय आधा: भजनलाल

जयपुर,एजेंसी।

राजस्थान विधानसभा में शुक्रवार को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में नवाचार, सुधार और सतत प्रयास से राजस्थान को विकसित राजस्थान बनाने की दिशा में हम अग्रसर हैं तथा हमारे दो साल के अब तक के कार्यकाल में पक्के इरादों और ठोस नीतियों से प्रदेश में नयी कार्य संस्कृति का उदय हुआ है और आधे समय में ही हमारी सरकार में काम ज्यादा हुए हैं।

शर्मा विधानसभा में वित्त एवं विनियोग विधेयक पर चर्चा का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि हमारी जनकल्याणकारी नीतियों और बड़े आर्थिक सुधारों से प्रदेश की अर्थव्यवस्था तेजी से आगे बढ़ रही है। हमारा दृष्टिकोण टकराव और विरोध का नहीं, समाधान और विकास का है। उन्होंने कहा कि राजस्थान भी भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में एक मजबूत ग्रोथ इंजन की भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश को तेज रफ्तार से विकास करना है तो हमे भविष्य की ओर देखकर ही चलना होगा। उन्होंने कहा कि राजस्थान की प्रति व्यक्ति आय पहली बार बढ़कर दो लाख दो हजार 349 रुपये होने जा रही है।

वर्ष 2023-24 की (1 लाख 67 हजार 27 रुपये) की तुलना में इसमें लगभग 21.15 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। उन्होंने कहा कि उद्योग, कृषि, सेवा क्षेत्र सहित हर सेक्टर में प्रगति हो रही है। वर्ष 2026-27 का बजट 6 लाख 10 हजार 956 करोड़ रुपये है। वर्ष 2023-24 की तुलना में यह लगभग 41 प्रतिशत अधिक है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2026-27 में राज्य की जीएसडीपी लगभग 21 लाख 52 हजार 100 करोड़ रुपये होने का अनुमान है। यह वर्ष 2023-24 की तुलना में 41 प्रतिशत से भी अधिक वृद्धि है।

उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार के पांच वर्षों में जीएसडीपी में लगभग 6 लाख 10 हजार 544 करोड़ रुपये की वृद्धि हुई। लेकिन हमारी सरकार के 2 साल के कार्यकाल में ही 6 लाख 30 हजार 37 करोड़ रुपये से अधिक वृद्धि का अनुमान है। हमारे आर्थिक सुधारों और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के प्रयासों के कारण औसत वृद्धि दर गत सरकार के 10.92 से बढ़कर 12.25 प्रतिशत हो गयी है। उन्होंने कहा कि स्थिर मूल्यों पर यह दर पिछली सरकार के पांच साल में केवल 5.3 प्रतिशत थी। लेकिन हमारे सिर्फ दो साल में ही यह बढ़कर 8.7 प्रतिशत हो गयी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने राजस्व बढ़ाने के ठोस और योजनाबद्ध प्रयास किए हैं। वर्ष 2026-27 में प्रदेश की कुल राजस्व प्राप्तियां 3 लाख 25 हजार 740 करोड़ रुपये अनुमानित हैं, जो गत वर्ष से 14.08 प्रतिशत अधिक है।

पैरोल पर रिहा 38 बंदियों में से 37 लापता

बिलासपुर,एजेंसी। छत्तीसगढ़ प्रदेश की जेलों से पैरोल पर रिहा किए गए बंदियों की वापसी नहीं होने का मामला गंभीर रूप लेता जा रहा है। इस संबंध में जेल महानिदेशक द्वारा प्रस्तुत शपथपत्र में आज खुलासा हुआ है कि पैरोल पर छोड़े गए 38 बंदियों में से 37 अब तक वापस नहीं लौटे हैं, जबकि केवल एक बंदी को ही गिरफ्तार किया जा सका है। इस स्थिति पर कड़ा रुख अपनाते हुए उच्च न्यायालय ने मामले को मॉनिटरिंग के लिए सूचीबद्ध कर दिया है। मामले की सुनवाई मुख्य न्यायाधीश की खंडपीठ में चल रही है।

न्यायालय ने पहले ही राज्य की विभिन्न जेलों से पैरोल पर रिहा बंदियों की स्थिति स्पष्ट करने के निर्देश दिए थे। इसके अनुपालन में जेल महानिदेशक ने विस्तृत शपथपत्र प्रस्तुत कर प्रदेश की जेल संरचना और पैरोल पर छोड़े गए बंदियों की वर्तमान स्थिति की जानकारी दी। शपथपत्र के अनुसार राज्य में पांच केन्द्रीय कारागाह रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग, जगदलपुर और अंबिकापुर संचालित हैं।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की नौ मार्च को विधानसभा घेराव की चेतावनी

रामानुजगंज, एजेंसी।

छत्तीसगढ़ में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिकाएं अपनी विभिन्न मांगों को लेकर दो दिवसीय कामबंद हड़ताल पर हैं।

'आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सहायिका संयुक्त मंच, छत्तीसगढ़' के प्रांतीय आह्वान पर हुई इस हड़ताल के तहत प्रदेश के विभिन्न जिलों में कार्यकर्ताओं ने धरना-रैली निकाली और अपनी मांगों से संबंधित ज्ञापन सौंपे। बीजापुर जिले में कार्यकर्ताओं ने कलेक्टर के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, मुख्यमंत्री विष्णु देव साय।

केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी और राज्य की महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े के नाम एक ज्ञापन सौंपा। वहीं बलरामपुर-रामानुजगंज जिले में कार्यकर्ताओं ने पुराने साप्ताहिक बाजार परिसर में धरना देकर अपनी नाराजगी जताई। बलरामपुर में भी प्रतिनिधिमंडल ने प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। संयुक्त मंच ने कहा कि एकीकृत बाल विकास सेवा योजना (आईसीडीएस) को 50 वर्ष पूरे हो चुके हैं और विभाग स्वर्ण जयंती वर्ष मना रहा है लेकिन कार्यकर्ताओं की हालत में कोई सुधार नहीं आया है।

अदालत का फैसला तानाशाही ताकतों के मुंह पर तमाचा: आप नेता

चंडीगढ़,एजेंसी।

कथित शराब घोटाला मामले में दिल्ली की विशेष अदालत द्वारा शुक्रवार को आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल और पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को ससम्मान बरी किये जाने के फैसले के बाद पंजाब में आप कार्यकर्ताओं में उत्साह की लहर है। इस फैसले को 'आप' ने सत्य और ईमानदारी की सबसे बड़ी जीत करार देते हुए चंडीगढ़ स्थित पार्टी कार्यालय में भारी जश्न मनाया। चंडीगढ़ में पार्टी कार्यालय में माहौल उत्सव जैसा रहा।

राज्य के कैबिनेट मंत्री सर्वश्री हरपाल सिंह चीमा, अमन अरोड़ा, हरजोत सिंह बैंस और हरदीप सिंह मुंडियां ने सैकड़ों कार्यकर्ताओं के साथ ढोल की थाप पर भंगड़ा डाला और लड्डू बांटकर अपनी खुशी साझा की। नेताओं ने इसे 'काम की राजनीति' की जीत बताते हुए कहा कि यह गौरव का क्षण केवल पार्टी के लिए नहीं, बल्कि पूरे भारतीय लोकतंत्र के लिए है। प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए पंजाब 'आप' के अध्यक्ष अमन अरोड़ा ने सीधे तौर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह से सार्वजनिक माफी की मांग की।

उन्होंने कहा, सत्य परेशान हो सकता है, लेकिन पराजित नहीं। अदालत ने भाजपा के रचे गये झूठ के पुलिंदे का पर्दाफाश कर दिया है। राजनीतिक प्रतिशोध के लिए केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग अमानवीय था। अरोड़ा ने अधिकारियों के खिलाफ विभागीय जांच की ओर इशारा करते हुए कहा कि भाजपा अरविंद केजरीवाल की लोकप्रियता से डर गयीं थी।

एसएफआई ने भ्रष्टाचार और पारदर्शिता के मुद्दों पर प्रदर्शन किया

शिमला,एजेंसी। स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई) ने आरकेएमवी कॉलेज परिसर में भ्रष्टाचार, अभिभावक-शिक्षक संघ (पीटीए) कोष में वित्तीय अनियमितताओं और प्रशासनिक कामकाज में पारदर्शिता की कमी पर चिंता जताते हुए विरोध-प्रदर्शन किया।

एसएफआई आरकेएमवी की सचिव कृतिका ने कहा कि शैक्षणिक संस्थानों को जवाबदेही सुनिश्चित करते हुए छात्रों के अधिकारों की रक्षा करनी चाहिए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि परिसर को लोकतांत्रिक जुड़ाव और नेतृत्व विकास खासकर महिलाओं के लिए एक मंच के तौर पर काम करना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि कॉलेज कैंटीन और छात्रावास के शुल्क बहुत अधिक बढ़ा दिए गए हैं।

उन्होंने छात्रों के लिए सब्सिडी वाली या मुफ्त बस सेवा और कॉलेज तक बसों की संख्या बढ़ाने की मांग की।

बिहार में धर्मांतरण समस्या की समीक्षा करे सरकार: प्रेम कुमार

पटना, एजेंसी।

बिहार विधानसभा के अध्यक्ष प्रेम कुमार ने शुक्रवार को सदन में सरकार को निर्देश दिए कि वह प्रदेश के विभिन्न इलाकों में चल रहे धर्मांतरण की समीक्षा कर, यदि आवश्यक हो तो इस समस्या के निदान के लिए जरूरी कानून बनाये।

विधायक बीरेंद्र कुमार के एक ध्यानाकर्षण पर सरकार की तरफ से मंत्री अरुण शंकर प्रसाद के जवाब तथा कई विधायकों को सुनने के बाद अध्यक्ष ने निर्देश दिए कि सरकार प्रदेश में चल रहे धर्मांतरण की समीक्षा करे और आवश्यक पड़ने पर इस समस्या के निदान के लिए जरूरी कानून बनाये।

इससे पहले विधायक बीरेंद्र कुमार ने सरकार का ध्यान आकर्षित करते हुए कहा कि बिहार में ईसाई और मुस्लिम धर्मगुरु गरीब तबके की हिन्दू आबादी को अच्छी जिंदगी का लोभ दे कर विवाह के माध्यम से धर्मांतरित कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि इस वजह से प्रदेश में ईसाईयों और मुसलमानों की संख्या में असामान्य वृद्धि हो रही है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में चर्च की संख्या 5000 से भी ज्यादा हो चुकी हैं। उन्होंने कहा कि इस समय देश मे ईसाईयों की वृद्धि दर 15.52 प्रतिशत है, वहीं बिहार में यह 143.23 प्रतिशत है।

उन्होंने कहा कि बिहार के पड़ोसी राज्य उत्तरप्रदेश के साथ मध्यप्रदेश, गुजरात, उत्तराखण्ड और हिमाचल में धर्मांतरण के खिलाफ कठोर कानून है और इस तरह के मामले सामने आने पर दोषियों के खिलाफ कड़ी सजा का प्रावधान है। उन्होंने कहा कि बिहार सरकार भी इस समस्या स्व निपटने के लिए प्रदेश में कठोर कानून बनाये। विधायक कुमार के ध्यानाकर्षण का जवाब देते हुए मंत्री प्रसाद ने कहा कि धर्मांतरण से सम्बंधित कोई भी कानून सरकार के पास विचाराधीन नही है।

मंत्री के जवाब पर विधायक श्री संजय ने कहा कि इस समस्या पर ध्यान देना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के पश्चिम तथा पूर्वी चंपारण, सीतामढ़ी, कटिहार, किशनगंज और अररिया जैसे सीमावर्ती जिलों में गरीब तबके के लोगों का बड़े पैमाने पर धर्मांतरण हो रहा है।

उन्होंने कहा कि धर्मांतरण की यह कोशिश राष्ट्रांतरण से जुड़ी हुई है। विधायक जीवेश कुमार ने कहा कि धर्मांतरण बाबा साहब अंबेडकर के संविधान की मूल भावना के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि इस देश मे किसी को भी जाति बदलने की इजाजत नही है। ऐसी स्थिति में धर्म बदलने की इजाजत क्यों होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सबसे बड़ी बात है कि धर्म बदलने वालों को आरक्षण का लाभ क्यों मिलना चाहिए।

उन्होंने अपने इलाके में अल्पसंख्यक समाज के एक दो बच्चों के पिता का उदाहरण भी दिया, जो एक हिन्दू नाबालिग लड़की को अपने साथ ले कर भाग गया है।इसके बाद कई विधायकों ने हिन्दू लड़कियों को बहला, फुसला कर धर्मांतरण का विषय सदन के सामने रखा। सभी विधायकों को सुनने के बाद अध्यक्ष ने सरकार को मामले की समीक्षा और आवश्यकता पड़ने पर कानून बनाने के निर्देश दिए।

हाल ही में प्रस्तुत राज्य बजट में अधोसंरचना विकास के लिए महत्वपूर्ण प्रावधान किए गए हैं

मुख्यमंत्री साय ने सिटी गैस अवसंरचना का किया शुभारंभ

रायपुर,एजेंसी।

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज राजधानी रायपुर में सिटी गैस अवसंरचना परियोजना का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने सीएनजी युक्त वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया और रायपुर नगर निगम की पहली पाइपलाइन गैस उपभोक्ता पूनम चौबे से संवाद कर घरेलू उपयोग में पाइपलाइन गैस की सुविधा के बारे में जानकारी ली।

मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ अपने गठन के 25 वर्ष पूरे कर रजत जयंती वर्ष मना रहा है और इन वर्षों में प्रदेश ने विकास के अनेक आयाम स्थापित किए हैं। सिटी गैस अवसंरचना परियोजना इस विकास यात्रा में एक नई उपलब्धि है।

उन्होंने कहा कि यह पहल केवल नई सुविधा नहीं, बल्कि स्वच्छ ऊर्जा, पर्यावरण संरक्षण और आधुनिक अधोसंरचना की दिशा में प्रदेश का सशक्त संकल्प है। उन्होंने बताया कि अब मेट्रो शहरों की तर्ज पर डोमेस्टिक पाइप्ड नेचुरल गैस (डीपीएनजी) के माध्यम से घरों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को पाइपलाइन से गैस उपलब्ध होगी। इससे घरेलू उपभोक्ताओं को रिफिलिंग की झंझट से मुक्ति मिलेगी और सुरक्षा भी बढ़ेगी।

उन्होंने कहा कि सस्ती और सुलभ ऊर्जा मिलने से उद्योग क्षेत्र को भी गति मिलेगी तथा प्रदेश में निवेश की संभावनाएं सशक्त होंगी। मुख्यमंत्री ने एचसीजी समूह को बधाई देते हुए अपेक्षा व्यक्त की कि वे रायपुर सहित बलौदाबाजार और गरियाबंद जिले में शीघ्र ही सीएनजी स्टेशनों का व्यापक नेटवर्क विकसित करेंगे। उन्होंने कहा कि वाहनों में सीएनजी के उपयोग से प्रदूषण में कमी आएगी और आम नागरिकों के ईंधन खर्च में भी राहत मिलेगी।

उन्होंने कहा कि हाल ही में प्रस्तुत राज्य बजट में अधोसंरचना विकास के लिए महत्वपूर्ण प्रावधान किए गए हैं। सरकार का लक्ष्य है कि शहरों से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध हों और प्रदेशवासियों को मेट्रो शहरों जैसी सुविधाओं का अनुभव हो। उन्होंने कहा कि विकास और पर्यावरण संरक्षण साथ-साथ चलें, इस दिशा में सरकार ग्रीन एनर्जी को प्राथमिकता दे रही है।

उन्होंने प्रदेशवासियों से अपील की कि वे स्वच्छ ईंधन अपनाकर पर्यावरण संरक्षण में सहभागी बनें और हरित, विकसित एवं आत्मनिर्भर छत्तीसगढ़ के निर्माण में योगदान दें। उल्लेखनीय है कि सिटी गैस अवसंरचना परियोजना रायपुर, बलौदाबाजार और गरियाबंद जिलों में प्रारंभ की गई है। इसके माध्यम से घरेलू उपयोग तथा व्यावसायिक प्रतिष्ठानों हेतु पाइपलाइन द्वारा पीएनजी की आपूर्ति की जाएगी तथा वाहनों के लिए सीएनजी भी उपलब्ध होगा। कार्यक्रम में एचसीजी समूह के प्रबंध निदेशक राहुल चोपड़ा, निदेशक राजीव माथुर, अध्यक्ष दीपक सावंत, राकेश रंजन, गैल इंडिया के प्रतिनिधि एवं उद्योग जगत के लोग उपस्थित रहे।

भिण्ड में सड़क हादसे रोकने के लिए लगेंगे स्पीड सिंग्नल

भिण्ड, एजेंसी।

मध्य प्रदेश के भिण्ड जिले में लगातार बढ़ रहे सड़क हादसों पर अंकुश लगाने के लिए जिला प्रशासन ने शहरी एवं दुर्घटना संभावित क्षेत्रों में वाहनों की अधिकतम स्पीड 60 किमी प्रतिघंटा निर्धारित किए जाने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही राजमार्ग और शहर की सड़कों को गिट्टी, रेत एवं अतिक्रमण से मुक्त रखने के आदेश जारी किए गए हैं।

भिण्ड कलेक्टर किरोड़ी लाल मीणा ने शुक्रवार को यहां कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में यह निर्देश दिए।

बैठक में कलेक्टर ने स्पष्ट कहा कि सड़क सुरक्षा से जुड़े मामलों में किसी प्रकार की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने लोक निर्माण विभाग, नगर पालिका, पुलिस और परिवहन विभाग के अधिकारियों को समन्वय बनाकर संयुक्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। सड़क किनारे डाली गई गिट्टी, निर्माण सामग्री और अवैध पार्किंग को तत्काल हटाने के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा। कलेक्टर ने निर्देशित किया कि शहरी सीमा में प्रवेश करने वाले मार्गों पर स्पीड लिमिट के बोर्ड प्रमुखता से लगाए जाएं।

ओवरस्पीडिंग रोकने के लिए प्रमुख मार्गों और ब्लैक स्पॉट चिह्नित स्थानों पर पता लगाने वाले कैमरे स्थापित किए जाएंगे।

ऑस्ट्रेलिया महिला टीम ने भारत को हराया

भारत को 83 गेंदे शेष रहते पांच विकेट से शिकस्त देकर तीन मैचों सीरीज में 2-0 से अजेय बढ़त बना ली है।

होबार्ट,एजेंसी। गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन के बाद जॉर्जिया वॉल (नाबाद 101) और फीबी लिचफील्ड (88) की आतिशी बल्लेबाजी की बदौलत ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम ने शुक्रवार को भारत को 83 गेंदे शेष रहते पांच विकेट से शिकस्त दी। इसी के साथ ऑस्ट्रेलिया ने तीन मैचों सीरीज में 2-0 से अजेय बढ़त बना ली है। भारत के 251 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलिया को काश्वी गौतम ने पांचवें ओवर में एलिसा हीली (नौ) को बोल्ड कर पहला विकेट झटका।

इसके बाद बल्लेबाजी करने आयी जॉर्जिया वॉल ने फीबी लिचफील्ड के साथ दूसरे विकेट के लिये 119 रन जोड़कर अपनी टीम के लिये जीत की नींव रखी। 20वें ओवर में क्रांति गौड़ ने शतक की ओर बढ़ रही फीबी लिचफील्ड को आउट कर भारत को दूसरी सफलता दिलाई। फीबी लिचफील्ड ने 62 गेंदों में 11 चौके और एक छक्का उड़ाते हुए 88 रन बनाये। 31वें ओवर में काश्वी गौतम ने शतक बना चुकी जॉर्जिया वॉल को श्री चरणी के हाथों कैच आउट करा दिया। जॉर्जिया वॉल ने 82 गेंदों में 13 चौके और एक छक्का लगाते हुए 101 रनों की पारी खेली। बेथ मूनी (31) को दीप्ति शर्मा ने आउट किया।

पांचवें विकेट के रूप में ऐनाबेल सदरलैंड (10) को दीप्ति शर्मा ने आउट किया। ऑस्ट्रेलियाई महिला टीम ने 36.1 ओवर में पांच विकेट पर 252 बनाकर मुकाबला पांच विकेट से जीत लिया। भारत के लिए दीप्ति शर्मा और काश्वी गौतम ने दो-दो विकेट लिये। क्रांति गौड़ ने एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले प्रतिका रावल (52) और कप्तान हरमनप्रीत कौर (54) की अर्धशतकीय पारियों के दम पर भारतीय महिला टीम ने दूसरे एकदिवसीय मुकाबले में नौ विकेट पर 251 रन का स्कोर बनाया था।

आज यहां टॉस जीतकर भारतीय महिला टीम ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। प्रतिका रावल और स्मृति मंधाना की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिये 78 रन जोड़े। 17वें ओवर में एश्ले गार्डनर ने स्मृति मंधाना (31) को बोल्ड कर इस साझेदारी को तोड़ा। इसे बाद बल्लेबाजी करने आयी जेमिमा रॉड्रिग्स (11) का 22वें ओवर में ऐनाबेल सदरलैंड ने शिकार कर लिया। अगले ही ओवर में अच्छी बल्लेबाजी कर रही प्रतिका रावल रनआउट हो गई। प्रतिका रावल ने 81 गेंदों में छह चौके लगाते हुए 52 रनों की पारी खेली। दीप्ति शर्मा (एक), अमनजोत कौर (13), ऋचा घोष (22), काश्वी गौतम (25) रन बनाकर आउट हुई। पारी के आखिरी ओवर की पहली गेंद पर मेगन शट ने हरमनप्रीत कौर को आउट कर ऑस्ट्रेलिया को नौवीं सफलता दिलाई।

हरमनप्रीत कौर ने 70 गेंदों में दो चौके और एक छक्का लगाते हुए 54 रनों की पारी खेली। भारतीय महिला टीम ने निर्धारित 50 ओवरों में नौ विकेट पर 251 रन का स्कोर बनाया। वैष्णवी शर्मा 10 रन बनाकर नाबाद रही। ऑस्ट्रेलिया के लिए ऐनाबेल सदरलैंड, अलाना किंग और एश्ले गार्डनर को दो-दो विकेट मिले। मेगन शट और निकोला कैरी ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

चोटिल सोफी मोलिनक्स भारत के खिलाफ सीरीज से हुई बाहर

होबार्ट,एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया महिला टीम की सभी प्रारूपों की कप्तान सोफी मोलिनक्स पीठ की दिक्कत की वजह से भारत के खिलाफ बाकी बहु-प्रारूप सीरीज से बाहर हो गई हैं। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के अनुसार 28 साल की ऑलराउंडर होबार्ट में दूसरे महिला एकदिवसीय मैच में पीठ के निचले हिस्से में दर्द के कारण नहीं खेल पाईं। मोलिनक्स ब्रिस्बेन में सीरीज के पहले मैच में खेली थीं, जिसमें उन्होंने पांच ओवर गेंदबाजी की और 17 रन देकर एक विकेट लिया था। इस चोट की वजह से अगले महीने वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज में उनका खेलना मुश्किल हो सकता है, क्रिकेट आस्ट्रेलिया ने इशारा किया है कि सीरीज से पहले उनकी फिटनेस पर नजर रखी जाएगी।

उल्लेखनीय है कि पिछले महीने, मोलिनक्स को ऑस्ट्रेलिया का ऑल-फॉर्मेट कैप्टन बनाया गया था, जो एलिसा हीली की जगह लेंगी, जो भारत सीरीज के आखिर में संन्यास लेने वाली हैं। मोलिनक्स ने भारत के खिलाफ तीन टी-20 में टीम की अगुवाई की थी, जिसमें हीली नहीं खेली थीं, और वह ऑस्ट्रेलिया की इस महान खिलाड़ी की जगह उनके आखिरी इंटरनेशनल मैच, एकमात्र टेस्ट में लेंगी। उनकी गैरमौजूदगी में, ऑस्ट्रेलिया के पास दो उप-कप्तानों एश्ले गार्डनर और ताहलिया मैकग्रा में से किसी एक को कमान सौंपने का विकल्प है।

प्रियांशी ने रजत और मुस्कान ने जीता कांस्य पदक

तिराना,एजेंसी। भारतीय पहलवान प्रियांशी प्रजापत और मुस्कान ने मुहामेत मालो 2026 में महिलाओं के 50 किग्रा फ्रीस्टाइल वर्ग में अपना शानदार प्रदर्शन करते हुए क्रमशः रजत और कांस्य पदक जीते। अंडर-23 एशियन चैंपियन भारतीय पहलवान प्रियांशी प्रजापत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक अपने नाम किया। उन्हें फाइनल मुकाबले में कजाकिस्तान की जेनिप बयानोवा से 13-2 से हार का सामना करना पड़ा। यह 21 वर्षीय प्रियांशी का यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग की रैंकिंग सीरीज में पहला पदक है। प्रियांशी ने क्वार्टरफाइनल में अमेरिका की एरिन गोल्स्टन को 10-2 से हराया।

इसके बाद सेमीफाइनल में उन्होंने न्यूट्रल एथलीट वलेरिया तिउकपिकोवा को पिन कर फाइनल में जगह बनाई। शुरुआती मुकाबले में प्रियांशी ने ब्राजील की ओलिवेरिया डी फ्रेइटास को टेक्निकल सुपीरियॉरिटी से मात दी थी। वहीं 19 वर्षीय मुस्कान, जो पूर्व अंडर-17 विश्व चैंपियन हैं उन्होंने कांस्य पदक अपने नाम किया। कांस्य पदक मुकाबले में उन्होंने अमेरिका की केंद्रा रयान को 10-0 से हराया। सेमीफाइनल में मुस्कान को जेनिप बयानोवा से 12-1 से हार मिली थी, लेकिन उन्होंने वापसी करते हुए पदक सुनिश्चित किया।

यह मुस्कान का इस महीने दूसरा रैंकिंग सीरीज पदक है। इससे पहले उन्होंने जाग्रेब ओपन में कांस्य पदक जीता था। उसी प्रतियोगिता में भारत की नीलम ने 50 किग्रा वर्ग में रजत पदक हासिल किया था। हालांकि, गुरुवार का दिन भारत के लिए पूरी तरह परफेक्ट नहीं रहा।

महिलाओं के 55 किग्रा वर्ग में पुष्पा, पुरुषों के 79 किग्रा में सागर जगलान और 97 किग्रा में जॉइंटी कुमार अपने-अपने कांस्य पदक मुकाबले हार गए। इन परिणाम के साथ इस साल की दूसरी यूडब्ल्यूडब्ल्यू रैंकिंग सीरीज में भारत के कुल पदकों की संख्या तीन हो गई है। इससे पहले बुधवार को अंडर 23 विश्व चैंपियन सुजीत कलकल ने पुरुषों के 65 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर भारत को शानदार शुरुआत दिलाई थी।

जम्मू-कश्मीर का पहली बार रणजी चैंपियन बनना पक्का

हुबली,एजेंसी। जम्मू-कश्मीर ने कर्नाटक से फॉलोऑन न करा कर दूसरी पारी में खेलने का फैसला किया और रणजी फाइनल के चौथे दिन शुक्रवार को स्टंप्स तक अपनी दूसरी पारी में चार विकेट पर 186 रन बना लिये हैं। जम्मू-कश्मीर ने इस तरह अपनी कुल बढ़त 477 रन पहुंचा कर खिताब पर पहली बार कब्जा करना पक्का कर लिया है।जम्मू-कश्मीर ने कर्नाटक को पहली पारी में 293 रन पर समेटने के बाद फॉलोऑन नहीं कराया और दूसरी पारी में खेलने का फैसला किया।

जम्मू-कश्मीर की दूसरी पारी में सलामी बल्लेबाज कामरान इकबाल ने नाबाद 94 रन बनाये, जबकि अब्दुल समद ने 32, कप्तान पारस डोगरा ने 16 और साहिल लूथरा ने नाबाद 16 रन बनाये। कर्नाटक की ओर से प्रसिद्ध कृष्णा ने दो विकेट लिये। इससे पहले कर्नाटक ने कल के पांच विकेट पर 220 रन से आगे खेलना शुरु किया। सुबह के सत्र में साहिल लूथरा ने कृतिक कृष्णा (36) को पगबाधा आउट कर जम्मू-कश्मीर को छठी सफलता दिलाई। विद्याधर पाटिल (11) सुनील कुमार का शिकार बने।

91वें ओवर में आकिब नबी ने एक छोर थामे रन बना रहे शतकवीर मयंक अग्रवाल को पगबाधा आउट कर पवेलियन भेज दिया। मयंक अग्रवाल ने 266 गेंदों में 21 चौकों की मदद से 160 रनों की पारी खेली। शिखर शेट्टी (शून्य) को नबी ने आउट किया। 94वें ओवर की तीसरी गेंद पर युद्धवीर सिंह चरक ने प्रसिद्ध कृष्णा (चार) को आउट कर 293 के स्कोर पर कर्नाटक की पहली पारी का अंत कर दिया।

दिनेश कार्तिक ने भारत की नई ओपनिंग जोड़ी का समर्थन किया

चेन्नई,एजेंसी। दिनेश कार्तिक ने ज़िम्बाब्वे के खिलाफ़ ज़बरदस्त बैटिंग प्रदर्शन के बाद भारत को अपनी नई ओपनिंग जोड़ी के साथ बने रहने का समर्थन किया है, जिससे टी20 वर्ल्ड कप 2026 में रविवार को ईडन गार्डन्स में वेस्टइंडीज़ के खिलाफ़ लगभग नॉकआउट की स्थिति बन गई। भारत को अपने सभी टॉप छह बैट्समैन का योगदान मिला, जिससे उन्होंने गुरुवार को ज़िम्बाब्वे को हराने के लिए 4 विकेट पर 256 रन बनाए, जो इस एडिशन का सबसे बड़ा और टूर्नामेंट के इतिहास का दूसरा सबसे बड़ा स्कोर है।

अभिषेक शर्मा (55) और संजू सैमसन (24) की नई ओपनिंग जोड़ी ने पावरप्ले में एक मज़बूत नींव रखी, जिसके बाद ईशान किशन (38) और कप्तान सूर्यकुमार यादव (33) ने रफ़्तार बनाए रखी। हार्दिक पंड्या (50) और तिलक वर्मा (44) ने फिर आखिर में तेज़ी दिखाते हुए भारत को 250 के पार पहुंचाया। कार्तिक, जिन्होंने इस अटैक को देखा, का मानना है कि राइट-लेफ्ट ओपनिंग कॉम्बिनेशन ने बैलेंस और टैक्टिकल फ़ायदा बढ़ाया है।कार्तिक ने आईसीसी डिजिटल से कहा, "इंडिया को वैसी ओपनिंग स्टार्ट नहीं मिल रही थी। इसलिए जब संजू और अभिषेक जैसे कोई साथ में ओपनिंग करते हैं, तो राइट-लेफ्ट कॉम्बिनेशन होने पर बहुत प्रेशर होता है।

असल में उन्होंने ऑफ़-स्पिन बॉलिंग नहीं की क्योंकि शायद संजू वहाँ थे। वरना, सिकंदर रज़ा नई बॉल लेने के लिए जाने जाते हैं। यह बात कि उन्होंने ऐसा नहीं किया, यह बताता है कि वे चिंतित थे कि राइट-हैंडर वहाँ है, इसलिए मैचअप इंडिया के पक्ष में काम कर रहा है। अभिषेक के ज़बरदस्त प्रदर्शन के तुरंत बाद संजू ने लय पकड़ ली, और यह कुछ ऐसा है जिसे देखने की हमें आदत हो गई है। कभी-कभी हम यह मान लेते हैं कि वह जो कर रहे हैं, वह स्पेशल है और कंसिस्टेंट रहना मुश्किल है, जो वह थे। हाँ, वर्ल्ड कप की शुरुआत में थोड़ी गड़बड़ हुई, लेकिन जब वह अच्छा करते हैं, तो इंडिया हमेशा शानदार स्कोर तक पहुँचता है।'

सैमसन के लिए, यह टी20 वर्ल्ड कप में उनका सिर्फ़ दूसरा मैच था, और उन्होंने टॉप पर उनके अप्रोच के पीछे की सादगी दिखाई। सैमसन ने कहा, हम इसे बहुत सिंपल रखते हैं। वह मुझसे पूछते रहते हैं, पाजी, विकेट कैसा कर रहा है। मैं उनसे कहता हूँ कि कुछ नहीं और बस बॉल देखो और अपना बल्ला घुमाओ, और कुछ नहीं। मुझे उनके साथ बैटिंग करने में बहुत मज़ा आता है।

अपनी लय वापिस पाकर खुश हैं हार्दिक पंड्या

चेन्नई,एजेंसी। हार्दिक पंड्या ने कहा है कि टी20 वर्ल्ड कप के सुपर आठ स्टेज में ज़िम्बाब्वे पर भारत की 72 रन की जीत में मैच जिताने वाला ऑलराउंड प्रदर्शन करने के बाद वह अपनी लय वापस पाकर खुश हैं। 23 गेंदों पर नाबाद 50 रन बनाने और फिर तीन ओवर में 21 रन देकर अच्छा स्पैल करने वाले पंड्या को प्लेयर ऑफ़ द मैच चुना गया। पंड्या ने मैच के बाद प्रेजेंटेशन के दौरान कहा, काफी खुश हूं। यह 23-बॉल-50 जैसा लगता है, लेकिन मुझे लगता है कि मुझे भी स्थिति को फिर से देखना पड़ा।

मुझे लगा कि मैं बहुत ज़ोर से हिट करने की कोशिश कर रहा था। और बस गेम में, मुझे एहसास हुआ कि मैं बॉल को टाइम कर सकता हूं और छक्के भी मार सकता हूं। रिदम जारी रखने के लिए यह एक अच्छा गेम था क्योंकि मुझे लगता है कि कुछ गेम में मैं वह नहीं कर पाया जो मैं करना चाहता था। जब पूछा गया कि क्या टीम दक्षिण अफ्रीका और वेस्ट इंडीज के बीच पहले हुए मैच पर नजर रख रही थी, तो पंड्या ने माना कि खिलाड़ियों को हालात के बारे में पता था लेकिन वे अपनी परफॉर्मेंस पर फोकस कर रहे थे।

उन्होंने आगे कहा,ज़ाहिर है, हम सब नजर रख रहे थे। अब यह सब अच्छा क्रिकेट खेलने, अपनी स्किल पर भरोसा करने, प्रेशर झेलने और यह पक्का करने के बारे में है कि आप अपना बेस्ट दें। हम नजर रख रहे थे, लेकिन जब वह गेम खत्म हो गया, तो हमने इस बात पर फोकस किया कि यह हमारा गेम है। भारत ने बैटिंग करने के बाद 4 विकेट पर 256 रन बनाकर टूर्नामेंट का अब तक का सबसे बड़ा टोटल बनाया।

बिजनेस

भारतीय अर्थव्यवस्था की तूफानी रफ्तार जारी

नई दिल्ली,एजेंसी।भारतीय अर्थव्यवस्था की तूफानी रफ्तार जारी है। वित्त वर्ष 26 की तीसरी तिमाही में जीडीपी की विकास दर 7.8 प्रतिशत रही है, जो कि पिछले साल समान अवधि में 7.4 प्रतिशत थी। यह जानकारी सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की ओर से शुक्रवार को दी गई।

जीएसटी दरों में कटौती से बढ़ी मांग: रिपोर्ट

नई दिल्ली,एजेंसी। मौजूदा वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर 8.3 प्रतिशत तक रह सकती है। यह बढ़ोतरी वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) दरों में कटौती से बढ़ी मांग के कारण संभव है, हालांकि पिछले साल के ऊंचे आधार (बेस इफेक्ट) का असर भी रहेगा। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की रिपोर्ट में कहा गया है।

भारतीय शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद, सेंसेक्स 961 अंक लुढ़का

मुंबई,एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार हफ्ते के आखिरी कारोबारी सत्र शुक्रवार को बड़ी गिरावट के साथ बंद हुआ। दिन के अंत में सेंसेक्स 961.42 अंक या 1.17 प्रतिशत गिरकर 81,287.19 और निफ्टी 317.90 अंक या 1.25 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 25,178.65 पर बंद हुआ। बिकवाली का सबसे अधिक दबाव रियल्टी और ऑटो शेयरों में देखा गया। सूचकांकों में निफ्टी रियल्टी 2.26 प्रतिशत और निफ्टी ऑटो 1.86 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ।

निफ्टी एफएमसीजी 1.69 प्रतिशत, निफ्टी मेटल 1.67 प्रतिशत, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज 1.55 प्रतिशत, निफ्टी फार्मा 1.50 प्रतिशत, निफ्टी कंजप्शन 1.48 प्रतिशत और निफ्टी हेल्थकेयर 1.41 प्रथिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ।

दूसरी तरफ निफ्टी आईटी 0.16 प्रतिशत, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 0.17 प्रतिशत और निफ्टी मीडिया 0.60 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुआ। लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप में भी बिकवाली देखी गई। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 682.55 अंक या 1.14 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 59,115.60 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 188.75 अंक या 1.10 प्रतिशत की गिरावट के साथ 16,928.90 पर था। सेंसेक्स पैक में एचसीएल टेक, ट्रेंट, इन्फोसिस और इटरनल गेनर थे। सन फार्मा, भारती एयरटेल, बजाज फिनसर्व, इंडिगो, एमएंडएम, मारुति सुजुकी, अल्ट्राटेक सीमेंट, एचयूएल, कोटक महिंद्रा बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, बजाज फाइनेंस, पावर ग्रिड, टाटा स्टील, आईटीसी और एचडीएफसी बैंक लूजर थे। सत्र के दौरान भारतीय शेयर बाजार की गिरावट के पीछे कई कारक जिम्मेदार थे, जिसमें विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली (गुरुवार के सत्र में एफआईआई ने 3,465.99 करोड़ रुपए के इक्विटी की बिक्री की थी), ईरान-अमेरिका के बीच कोई डील न होना, डॉलर के मुकाबले रुपए में गिरावट और वैश्विक बाजार से कमजोर संकेत शामिल थे। ईरान-अमेरिका के बीच कोई समझौता न होने के चलते कच्चे तेल में तेजी देखी जा रही है। खबर लिखे जाने तक, डब्ल्यूटीआई क्रूड 1.63 प्रतिशत की तेजी के साथ 66.25 डॉलर प्रति बैरल और ब्रेंट क्रूड 1.38 प्रतिशत की तेजी के साथ 71.86 डॉलर प्रति बैरल पर था।

भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर बढ़ रहा: नागेश्वरन

नई दिल्ली,एजेंसी। भारत के मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) वी. अनंत नागेश्वरन ने शुक्रवार को कहा कि इसमें कोई संदेह नहीं है कि भारत अगले कुछ वर्षों में तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा, क्योंकि 2022-23 को आधार वर्ष मानते हुए नई श्रृंखला में वित्त वर्ष 2026 की तीसरी तिमाही के लिए देश की वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर 7.8 प्रतिशत और पूरे वित्तीय वर्ष के लिए 7.6 प्रतिशत रहने की उम्मीद जताई गई है।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में सवाल का जवाब देते हुए नागेश्वरन ने कहा कि कोरोना महामारी के बाद हमारी विकास दर सबसे तेज बनी हुई है और हम वृद्धि दर में जी20 देशों की अर्थव्यवस्थाओं में भी पहले स्थान पर हैं। उन्होंने कहा कि किसी विशेष स्थिति तक पहुंचा जा सकेगा या नहीं, यह विनिमय दर जैसे कई अन्य कारकों पर भी निर्भर करेगा, जो भारत के मामले में 2025 में हमारे पक्ष में नहीं रही। इसका स्वाभाविक रूप से प्रभाव पड़ेगा। सीईए ने आगे कहा कि हमें उन पहलुओं पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है जो हमारे नियंत्रण में हैं।

नागेश्वरन ने बताया, नीति और सुधार दोनों दिशा-निर्देश भारत में वास्तविक रूप से कम से कम 7 प्रतिशत और नॉमिनल रूप से 10 से 11 प्रतिशत की निरंतर गैर-मुद्रास्फीति वृद्धि का मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं। उन्होंने आगे बताया कि व्यापार समझौतों और भारत में एआई इकोसिस्टम की वर्तमान स्थिति के साथ, जो कभी 2025 में एक कमी मानी जाती थी, वह वास्तव में भारत की ताकत बन सकती है। सीईए ने कहा, इन उपायों से पूंजी प्रवाह में सुधार होगा और विनिमय दर स्थिर होगी।

सोने की कीमत फिर से 1.59 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम से अधिक हुई

मुंबई,एजेंसी। सोने और चांदी की कीमतों में शुक्रवार को जबरदस्त तेजी देखने को मिली। इससे सोने की कीमत फिर से 1.59 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम के पार और चांदी का दाम 2.66 लाख रुपए प्रति किलो से अधिक हो गया है। इंडिया बुलियन ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के मुताबिक, 24 कैरेट सोने की कीमत 1,075 रुपए बढ़कर 1,59,097 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई है, जो कि पहले 1,58,022 रुपए प्रति 10 ग्राम थी।

22 कैरेट सोने की कीमत 985 रुपए बढ़कर 1,45,733 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई है, जो कि पहले 1,44,748 रुपए प्रति 10 ग्राम थी। 18 कैरेटे सोने का दाम 1,18,517 रुपए प्रति 10 ग्राम से बढ़कर 1,19,323 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है। सोने के साथ चांदी की कीमतों में भी तेजी देखी गई है। चांदी का दाम 6,033 रुपए बढ़कर 2,66,700 रुपए प्रति किलो हो गया है, जो कि पहले 2,60,667 रुपए प्रति किलो था।

हाजिर के साथ वायदा बाजार में भी सोने और चांदी की कीमतों में तेजी देखी जा रही है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने के 2 अप्रैल 2026 के कॉन्ट्रैक्ट का दाम 0.45 प्रतिशत बढ़कर 1,60,435 रुपए और चांदी के 5 मई 2026 के कॉन्ट्रैक्ट का दाम 2.45 प्रतिशत बढ़कर 2,74,520 रुपए पर पहुंच गया है।

अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी सोने और चांदी की कीमतों में तेजी देखी जा रही है। खबर लिखे जाने तक सोने की कीमत 0.20 प्रतिशत बढ़कर 5,204 डॉलर प्रति औंस और चांदी की कीमत 3.07 प्रतिशत बढ़कर 89.66 डॉलर प्रति औंस पर थी।

मार्च में 18 दिन बंद रहेंगे बैंक, शेयर बाजार में 12 दिन नहीं होगा कारोबार

नई दिल्ली,एजेंसी। फरवरी का महीना अपनी समाप्ति की ओर है और मार्च 2026 की शुरुआत होने वाली है। ऐसे में अगर आप मार्च में बैंक से जुड़ा कोई जरूरी काम निपटाने की योजना बना रहे हैं, तो पहले बैंक छुट्टियों की सूची जरूर देख लें। कई बार जरूरी काम के लिए बैंक शाखा में जाना पड़ता है, लेकिन छुट्टी होने पर काम अटक सकता है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की आधिकारिक हॉलिडे लिस्ट के अनुसार, मार्च 2026 में अलग-अलग राज्यों में कुल 18 दिन बैंक बंद रहेंगे।

इनमें साप्ताहिक अवकाश, दूसरे और चौथे शनिवार के अलावा विभिन्न राज्यों के त्योहार भी शामिल हैं। मार्च की शुरुआत 1 मार्च (रविवार) से होगी, जो देश भर में साप्ताहिक अवकाश रहेगा। 2 मार्च (सोमवार) को होलिका दहन के अवसर पर उत्तर प्रदेश में बैंक बंद रहेंगे। 3 मार्च (मंगलवार) को होली के मौके पर दिल्ली, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल और पंजाब समेत लगभग 15 राज्यों में बैंकिंग सेवाएं बंद रहेंगी। वहीं, 4 मार्च (बुधवार) को कुछ राज्यों और शहरों में होली के दूसरे दिन भी बैंक बंद रहेंगे।

इसके बाद, 8 मार्च (रविवार) को साप्ताहिक अवकाश रहेगा। 13 मार्च (शुक्रवार) को मिजोरम में चापचर कुट पर्व के कारण बैंक बंद रहेंगे। 14 मार्च को दूसरे शनिवार और 15 मार्च को रविवार होने से देश भर में बैंक बंद रहेंगे। 17 मार्च (मंगलवार) को जम्मू और श्रीनगर में शब-ए-कद्र के अवसर पर बैंक बंद रहेंगे। 19 मार्च (गुरुवार) को महाराष्ट्र सहित 11 राज्यों में गुड़ी पड़वा, उगादी और नवरात्रि की शुरुआत के चलते अवकाश रहेगा। 20 मार्च (शुक्रवार) को ईद-उल-फितर पर देश भर में बैंक बंद रहेंगे। 21 मार्च (शनिवार) को रमजान ईद और सरहुल पर्व के अवसर पर भी बैंक बंद रहेंगे। 22 मार्च (रविवार) को साप्ताहिक अवकाश रहेगा। 26 मार्च (गुरुवार) को श्रीराम नवमी के कारण बैंक बंद रहेंगे, जबकि 27 मार्च (शुक्रवार) को कुछ राज्यों में राम नवमी के बाद दशमी के उपलक्ष्य में अवकाश रहेगा। 28 मार्च को चौथा शनिवार और 29 मार्च को रविवार होने से देश भर में बैंक बंद रहेंगे। महीने के अंत में 31 मार्च (मंगलवार) को श्री महावीर जयंती के अवसर पर लगभग 15 राज्यों में बैंक बंद रहेंगे। हालांकि शाखाएं बंद रहेंगी, लेकिन ग्राहकों को घबराने की जरूरत नहीं है। नेट बैंकिंग, मोबाइल बैंकिंग और एटीएम सेवाएं सामान्य रूप से चालू रहेंगी। इन माध्यमों से आप पैसे का लेन-देन, फंड ट्रांसफर और अन्य डिजिटल सेवाओं का उपयोग कर सकते हैं।

बजट से कोसों दूर अस्सी, तापसी पन्नू ने फिल्म देखने के लिए फैंस से की गुजारिश

मुंबई। कुछ फिल्में ऐसी होती हैं, जो समाज की कुरीतियों पर तीखा प्रहार करती हैं लेकिन बॉक्स ऑफिस कलेक्शन के मामले में चारों खाने चित्त हो जाती हैं। तापसी पन्नू की फिल्म 'अस्सी' का भी यही हाल है, जिसका अपना बजट निकाल पाना भी मुश्किल हो रहा है, हालांकि इसी बीच फिल्म समाज के जिस संवेदनशील मुद्दे को दिखाती है, वो दर्शकों के मन पर छाप छोड़ रहा है।

अभिनेत्री तापसी पन्नू ने सिनेमा को 'थप्पड़' और 'पिंक' जैसी फिल्में दी हैं। ये सभी फिल्में बॉक्स ऑफिस पर अच्छी रही हैं। फिल्मों ने न सिर्फ अच्छा कलेक्शन किया, बल्कि समाज को संदेश देने में भी कामयाब रही। अब 'अस्सी' द्वारा अच्छा कलेक्शन न करने और अपने करियर की बेहतरीन फिल्मों पर अभिनेत्री ने खुलकर बात की है। उनका कहना है कि कुछ फिल्में ऐसी होती हैं, जिनकी कहानियां एक मैसेज लेकर आती हैं। कुछ के किरदारों की तारीफ की जाती है और कुछ के लिए थैंक्यू नोट आते हैं कि इस फिल्म को करने के लिए धन्यवाद।

तापसी का कहना है कि 6 साल पहले भी 'थप्पड़' नाम की फिल्म की थी और अब उसी निर्देशक के साथ दूसरी फिल्म 'अस्सी' की है। अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर फिल्म को लेकर मिल रहे रिस्पांस पर खुशी जाहिर की है। उनका कहना है कि लोगों ने फिल्म को व्यक्तिगत तौर पर लिया और आर्टिकल से लेकर वीडियो में सिर्फ और सिर्फ समाज को बदलने वाली बातें की गई। उन्होंने वीडियो पोस्ट कर कहा, 'आप भी फिल्म जरूर देखें, हो सकता है कि यह फिल्म आपसे भी कुछ बातें करें। हम उम्मीद करते हैं कि अगला हफ्ता फिल्म के लिए बेहतरीन हो।'

अभिनेत्री ने फैंस से फिल्म को देखने की गुजारिश की है और साथ में रिव्यू भी मांगा है। उनका कहना है कि फिल्म चाहे जैसी भी हो लेकिन इसके बारे में लिखें जरूर। बता दें कि लगभग 40 करोड़ के बजट में बनी फिल्म ने पहले हफ्ते लगभग 7 करोड़ के आस-पास की कमाई की है। अभी फिल्म अपने बजट का एक चौथाई हिस्सा भी कमा नहीं पाई है। शायद यही वजह है कि वे फैंस से फिल्म देखने की अपील कर रही हैं।

बाली के 'जंगल स्विंग' पर झूलीं अभिनेत्री दिव्या दत्ता

मुंबई। बड़े होने के बाद अक्सर हम बचपन की उन छोटी-छोटी खुशियों को याद करते हैं, जिनमें हमारे चेहरे पर मुस्कान आ जाती है, जैसे पुरानी गलियों में घूमना, दोस्तों के साथ खेलना या झूले पर झूलना। अभिनेत्री दिव्या दत्ता इन्हीं यादों को फिर से जीती नजर आई हैं। दरअसल, अभिनेत्री दिव्या दत्ता बाली की सैर पर गई हैं। वहां पर उन्होंने बाली का मशहूर 'जंगल स्विंग' पर झूला झूला। यह झूला जंगल के बीच ऊंचे पेड़ों से लटका होता है, जिसमें बैठकर लोग हवा में झूलते हैं और नीचे हरा-भरा नजारा देखते हैं। दिव्या ने इस मजेदार पल का वीडियो अपने इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया।

दिव्या ने झूला झूलने को बचपन की यादों से जोड़ते हुए लिखा, 'मुझे बचपन से ही पेड़ों पर झूला झूलना बहुत पसंद था। चाहे पीपल का पेड़ हो, बरगद का या फिर नीम का, हर पेड़ पर झूला झूलने का मजा ही अलग होता था। झूलते वक्त पत्तों और टहनियों को छूना, ऊपर जाने की कोशिश करना, यह सब बहुत खूबसूरत एहसास देता था। बाली के इस जंगल स्विंग पर झूलकर मुझे वही पुरानी यादें फिर से जीने को मिली। उसी प्यारी याद को फिर से जीना सच में बहुत अच्छा एहसास था।'

दिव्या अक्सर अपनी पोस्ट के जरिए अपने साथ हुए अनुभव, यात्राओं और जिंदगी से जुड़े यादगार पलों को शेयर करती रहती हैं। वे न सिर्फ एक शानदार अभिनेत्री हैं, बल्कि एक ट्रैवल लवर भी हैं। उनकी इस बाली यात्रा ने दिल के किसी कोने में छिपे बच्चे को बाहर लाने का मौका दिया।बाली का यह प्रसिद्ध 'जंगल स्विंग' उबुद (बाली का केंद्र) के पास स्थित है, जो घने जंगलों, धान के खेतों और वादियों के ऊपर 78 मीटर की ऊंचाई तक को महसूस करने का मौका देता है।

अहान पांडे में है ओल्ड-स्कूल रोमांटिक हीरो वाली ईमानदारी : अली अब्बास जफर

मुंबई। फिल्ममेकर अली अब्बास जफर अपने अपकमिंग अनटाइटल्ड प्रोजेक्ट में अभिनेता अहान पांडे को डायरेक्ट करने की तैयारी में हैं। उन्होंने अहान की खुलकर तारीफ करते हुए कहा कि उनमें एक खास तरह की ईमानदारी है, जो आज के दौर में कम ही देखने को मिलती है। अली अब्बास जफर ने कहा, "मुझे अहान में सबसे ज्यादा जो बात पसंद आती है, वह उनकी परफॉर्मेंस में आने वाली ओल्ड-स्कूल ईमानदारी है। आजकल कई बार सब कुछ नकली या परफॉर्मेटिव लगता है, लेकिन अहान अपनी एक्टिंग में वही सच्चाई लाते हैं, जैसी हम बचपन में रोमांटिक हीरोज में देखते थे। कैमरा इस ईमानदारी को आसानी से पकड़ लेता है।"

उन्होंने आगे कहा, "अहान कमजोर होने से नहीं डरते और यही उनकी ताकत है। आज के समय में कई एक्टर कमजोरी दिखाने से बचते हैं, लेकिन अहान इसे खुले दिल से अपनाते हैं। यही वजह है कि दर्शक उनसे इतनी जल्दी जुड़ जाते हैं। उनमें सॉफ्टनेस है, लेकिन साथ ही ताकत भी है। यह बैलेंस खासकर रोमांटिक कहानियों में बहुत काम आता है।"

अली का मानना है कि अहान में दुर्लभ रोमांटिक हीरो बनने की पूरी क्षमता है। वे कहते हैं, "एक सच्चा रोमांटिक हीरो सिर्फ नरमी से नहीं, बल्कि इमोशनल गहराई से पहचाना जाता है। जब यह गहराई एक्शन के साथ मिलती है, तो दर्शकों के लिए यह बहुत पावरफुल होता है। अहान की आंखों में वह बात दिखती है, जो एक्शन-रोमांस को और भी प्रभावशाली बनाती है।"

अली का कहना है कि ग्रेस (रोमांस) और फायर (एक्शन) का यह कॉम्बिनेशन अहान के लिए गेम-चेंजर साबित होगा। फिल्ममेकर ने बताया कि दर्शक सिर्फ एक्शन के पंच नहीं देखना चाहते, वे उस पंच के पीछे का इमोशन और मकसद महसूस करना चाहते हैं। अगर हीरो जिस चीज के लिए लड़ रहा है, उससे वह गहराई से जुड़ा है- जैसे प्यार, परिवार या विश्वास तो एक्शन में भावनात्मक चीजें बहुत बढ़ जाती हैं।

विदेश

पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच हमले तेज

नई दिल्ली। पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के खिलाफ खुली जंग का ऐलान कर दिया है। इस बीच ईरान ने दोनों देशों के बीच विवाद को बातचीत से हल करने के लिए मध्यस्थता करने की पहल की है। ईरान के विदेश मंत्री सैय्यद अब्बास अराघची ने सोशल मीडिया पर दोनों देशों के बीच मध्यस्थता की पहल की है।

ईस्टर बम धमाके की जांच दोबारा शुर

नई दिल्ली। वर्ष 2019 में श्रीलंका में हुए ईस्टर संडे बम धमाकों की जांच में एक महत्वपूर्ण मोड़ आया है। इस केस में श्रीलंका के पूर्व खुफिया प्रमुख सुरेश सैली को गिरफ्तार कर लिया गया है। श्रीलंका में हुए इस बम धमाके में 279 लोगों की मौत हो गई थी। श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके ने हमले में शामिल सभी लोगों को न्याय के कटघरे में लाने का वादा किया था।

अमेरिका मध्य पूर्व में किसी लंबे युद्ध का हिस्सा नहीं बनेगा : जेडी वेंस

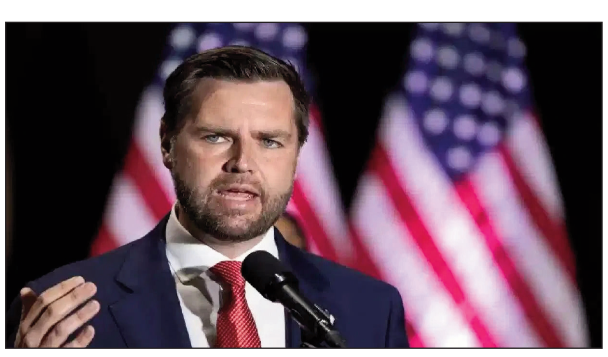

वाशिंगटन। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने 'एयर फोर्स टू' पर 'वाशिंगटन पोस्ट' को दिए एक विशेष साक्षात्कार में महत्वपूर्ण बयान दिया है। वेंस ने उन आशंकाओं को सिरे से खारिज कर दिया कि संयुक्त राज्य अमेरिका मध्य पूर्व में किसी लंबे युद्ध का हिस्सा बनेगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि भले ही राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ईरान के विरुद्ध नए सैन्य विकल्पों पर विचार कर रहे हों, लेकिन अमेरिका के एक और लंबे क्षेत्रीय संघर्ष में शामिल होने की कोई संभावना नहीं है। एयर फोर्स टू में वाशिंगटन पोस्ट को दिए साक्षात्कार में वेंस ने कहा कि ईरान के खिलाफ सैन्य हमले अभी भी विचाराधीन हैं, लेकिन उन्हें नहीं लगता कि ऐसी कार्रवाई वर्षों तक चलने वाले संघर्ष में तब्दील हो जाएगी। उन्होंने कहा कि यह सोचना कि हम मध्य पूर्व में वर्षों तक बिना किसी अंत के युद्ध में उलझे रहेंगे, इसकी कोई संभावना नहीं है।

जेडी वेंस ने आगे कहा कि उन्हें नहीं पता कि ट्रंप अंततः क्या निर्णय लेंगे। विकल्पों में ईरान को परमाणु हथियार प्राप्त करने से रोकने के लिए सैन्य हमले करना या समस्या का कूटनीतिक समाधान करना शामिल है। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि हम सभी कूटनीतिक विकल्प को प्राथमिकता देते हैं। लेकिन यह वास्तव में इस बात पर निर्भर करता है कि ईरानी क्या करते हैं और क्या कहते हैं।

ईरान के चारों ओर अमेरिकी सेना की भारी तैनाती के बीच गुरुवार को जिनेवा में अमेरिका और ईरान के बीच वार्ता जारी रही। लेकिन कोई समाधान नहीं निकल सका। मध्यस्थों ने कहा कि बातचीत अगले सप्ताह जारी रहेगी। ट्रंप ने सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया है कि वे ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई को सत्ता से हटाने के लिए सत्ता परिवर्तन में रुचि रखते हैं। उन्होंने इस महीने पत्रकारों से कहा था कि यह सबसे अच्छी बात होगी जो हो सकती है।

इराक युद्ध में अपनी सेवाएं दे चुके 41 वर्षीय पूर्व मरीन सैनिक वेंस ने एक बार फिर अपनी विदेश नीति संबंधी सोच स्पष्ट की है। उन्होंने पहले भी स्वयं को विदेशी सैन्य हस्तक्षेपों को लेकर संशय की दृष्टि रखने वाला बताया था। गुरुवार को उन्होंने दोहराया कि आज भी उनके विचारों में कोई परिवर्तन नहीं आया है और वे इसी रुख पर कायम हैं। वेंस का कहना है कि उनका मानना है कि पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सोच भी इसी दिशा में रही है।

उन्होंने कहा, 'देखिए, जीवन में कई उतार-चढ़ाव आते रहते हैं। लेकिन मुझे लगता है कि डोनाल्ड ट्रंप 'अमेरिका फर्स्ट' राष्ट्रपति हैं, और वे ऐसी नीतियां अपनाते हैं जो अमेरिकी जनता के हित में हैं।'

उन्होंने अतीत की गलतियों को दोहराने के प्रति आगाह किया। उन्होंने कहा कि मेरा मानना है कि हमें अतीत की गलतियों को दोहराने से बचना होगा। हमें इस बारे में सतर्क रहना होगा, और मुझे लगता है कि राष्ट्रपति सतर्क हैं।मध्य पूर्व में अमेरिकी हस्तक्षेप और इजरायल के प्रति अमेरिका के रुख को लेकर मतभेद बढ़ गए हैं। जेडी वेंस का तर्क है कि इजरायल के प्रति संदेह रखने वालों की आवाज को पार्टी के भीतर की बहस में सुना जाना चाहिए, इसके साथ ही वे इस देश को एक रणनीतिक सहयोगी के रूप में देखते हैं।

अमेरिकी कोर्ट ने इमिग्रेशन डिटेंशन में रखे गए भारतीयों को दी राहत

वाशिंगटन। अमेरिका में कई अदालतों ने इस सप्ताह इमिग्रेशन डिटेंशन में रखे गए कई भारतीय नागरिकों के लिए बॉन्ड सुनवाई या तत्काल रिहाई का आदेश दिया है। ये आदेश कैलिफोर्निया, मिशिगन, न्यूयॉर्क और ओक्लाहोमा की जिला अदालतों से आए। न्यायाधीशों ने कहा कि इमिग्रेशन अधिकारियों ने या तो गलत डिटेंशन कानून लागू किया या पर्याप्त विधिक प्रक्रिया (ड्यू प्रोसेस) नहीं की।

कैलिफोर्निया में सैन डिएगो अदालत ने हरबीत सिंह की ओर से दायर याचिका मंजूर की और सात दिनों के भीतर 'व्यक्तिगत बॉन्ड सुनवाई' कराने का आदेश दिया। न्यायाधीश ने आदेश दिया कि बिना बॉन्ड सुनवाई के लंबी हिरासत 'अनुचित है और विधिक प्रक्रिया का उल्लंघन है।' सरकार को स्पष्ट और ठोस साक्ष्य से यह साबित करना होगा कि उससे फरार होने का जोखिम है या समुदाय के लिए खतरा है।

मिशिगन में वेस्टर्न डिस्ट्रिक्ट की एक अदालत ने सागर राम को सशर्त राहत दी। अदालत ने पांच कार्यदिवसों के भीतर धारा 1226(ए) के तहत बॉन्ड सुनवाई कराने या तत्काल रिहाई का आदेश दिया। न्यायाधीश ने सरकार के इस दावे को खारिज कर दिया कि जरूरी डिटेंशन लागू होता है।ओक्लाहोमा में, एक अदालत ने करनदीप सिंह के मामले में इसी तरह का फैसला दिया। न्यायाधीश ने कहा कि उनकी हिरासत धारा 1226(ए) के अंतर्गत आती है, जो बॉन्ड की अनुमति देती है, न कि धारा 1225(बी)(2) के अनिवार्य हिरासत प्रावधान के तहत। अदालत ने तुरंत बॉन्ड सुनवाई का आदेश दिया।

न्यूयॉर्क में, ब्रुकलिन की अदालत ने हरमनप्रीत सिंह को हैबियस राहत दी। कोर्ट ने नई बॉन्ड सुनवाई का आदेश दिया।

केवल बयानों से जंग जीतने का दावा करने वाले ख्वाजा आसिफ

इस्लामाबाद। देश की सेना सीमा पर पड़ोसी के साथ जंग लड़ रही हो और उसका रक्षामंत्री अजब-गजब टिप्पणी दे सबकी फजीहत कराए, ऐसा बहुत कम होता है। लेकिन पाकिस्तान के ख्वाजा एम आसिफ ऐसा करने में माहिर हैं। उन्होंने अफगानिस्तान के खिलाफ खुली जंग का ऐलान करते हुए अतरंगी और अजब-गजब बयान दे डाला है।

ख्वाजा ने एक्स अकाउंट पर जो बयान जारी किया वो हिदायत कम लेकिन किसी पिटी हुई फिल्म का संवाद जरूर लगता है। उन्होंने अफगानिस्तान को दुश्मन भी बोला है, पड़ोसी भी, और फिर अल्लाह को याद करते हुए देख लेने की धमकी भी दी है। गजब-लील-हक ('सच के लिए गुस्सा' या 'न्याय के लिए प्रकोप') का ऐलान होने के कुछ देर बाद लंबा-चौड़ा बयान जारी किया।इसमें ख्वाजा ने खुली जंग का ऐलान करते हुए कहा कि 'इस्लामाबाद के सब्र का बांध टूट चुका है' और तालिबान सरकार पर दहशतगर्दों को पनाह देने का आरोप लगाया।रक्षा मंत्री ने फिर अतरंगी 'दमा दम मस्त कलंदर' की घोषणा की। उन्होंने कहा, 'हमारे सब्र का बांध टूट चुका है। यह हमारे और आपके बीच खुली जंग है। अब 'दमा दम मस्त कलंदर' होगा। पाकिस्तान की सेना समुद्र पार से नहीं आई है। हम आपके पड़ोसी हैं; हम आपके अंदर और बाहर की बातें जानते हैं। अल्लाहु अकबर।'मा दम मस्त कलंदर' का शाब्दिक अर्थ 'हर सांस में मस्त रहने वाला कलंदर' (सूफी संत या घुमक्कड़) होता है। अब ख्वाजा किस धारा को कहां मोड़ना चाह रहे हैं, ये असमंजस और बौखलाहट साफ दिखती है।वैसे ख्वाजा साहब फितरती ऐसा बयान देने में माहिर हैं।

बेल पर छूटे नेताओं की दोबारा गिरफ्तारी का बांग्लादेश पुलिस को आदेश

पेरिस। बांग्लादेश में अवामी लीग के नेताओं को जेल, बेल, और फिर पुलिस अधिकारी की ओर से गिरफ्तारी का आदेश, बेहद हैरान करने वाला मामला बन गया है। एक बड़े अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन ने इस पर कड़ी आपत्ति जताई है।

दरअसल, बांग्लादेश के राजशाही रेंज पुलिस डिप्टी इंस्पेक्टर जनरल (डीआईजी) मोहम्मद शाहजहां ने "स्पेशल डायरेक्टिव" जारी किए। इस विशेष निर्देश में कानूनी एजेंसियों को अवामी लीग के नेताओं और कार्यकर्ताओं को कोर्ट से बेल मिलने के बाद भी दोबारा गिरफ्तार करने का निर्देश दिया गया है। फ्रांस में जस्टिस मेकर्स बांग्लादेश (जेएमबीएफ) ने चिंता जताते हुए कहा कि 24 फरवरी को कथित तौर पर अवामी लीग नेताओं को रिहा होने के बाद दूसरे मामलों में गिरफ्तारी

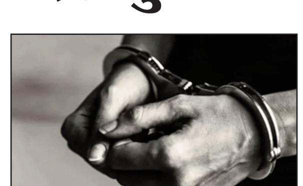

दिखाने का निर्देश बहुत गलत है। यह न्यायिक आदेशों को बेअसर करने की एक साफ कोशिश है और प्रशासनिक शक्ति का खुला उल्लंघन है।

मानवाधिकार समूह ने कहा, "जब कोई कोर्ट बेल देता है, तो किसी व्यक्ति को कानून का दुरुपयोग कर दोबारा गिरफ्तार करना संवैधानिक अधिकार को कमजोर करता है और कानून के राज की नींव को हिलाता है। इस तरह की हरकतें मानवाधिकारों का साफ उल्लंघन हैं।"इसमें आगे कहा गया, "बांग्लादेश का संविधान व्यक्तिगत आजादी, कानूनी सुरक्षा के अधिकार और न्याय तक पहुंच की गारंटी देता है। किसी सक्षम कोर्ट से बेल मिलने के बाद तथाकथित 'गिरफ्तारी' दिखाना न्यायपालिका की स्वतंत्रता, शक्ति विभाजन और संवैधानिक संतुलन के सिद्धांत का उल्लंघन है।"जेएमबीएफ ने चेतावनी दी कि अगर ऐसा जारी रहा, तो देश का कानूनी ढांचा सिर्फ सांकेतिक बनकर रह जाएगा, और कानून के शासन की जगह प्रशासनिक विवेकाधिकार ले लेगा—"किसी भी लोकतांत्रिक देश के लिए यह एक खतरनाक संकेत है।"जेएमबीएफ संस्थापक शाहनूर इस्लाम ने कहा, "बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार, देश के रूल ऑफ लॉ फ्रेमवर्क को व्यवस्थित रूप से कमजोर करके पिछली अंतरिम सरकार के रास्ते पर चलती दिख रही है।